जबलपुर गुरुवार 11 जून 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष एकादशी
वर्ष 31 अंक 342 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

अब हर रोज दर्पण ▶▶ 3

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम
अधिकतम तापमान 40.5°C
न्यूनतम तापमान 25.0°C
सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.56

छिंदवाड़ा की बेटी का गौरवः प्रिया मालवी बनीं इंडियन ▶▶ 4

आमिर के सौतेले भाई से शादी करके पछताई ईवा ग्रोवर ▶▶ 7

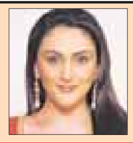

खिरहनी तालाब विवाद में एसडीएम कोर्ट का बड़ा ▶▶ 9

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रचा कीर्तिमान

एक दिन देशवासी मेड इन इंडिया प्लेन में सफर करेंगे

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए हैं। उनके कार्यकाल के 4,399 दिन पूरे होने पर भारत मंडपम में आयोजित एनडीए की बैठक में उनका सम्मान किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 12 साल में देश कांग्रेस के कुचक्र से आजाद हुआ। इस कुसंस्कृति का नाम कांग्रेस ग्रोथ रेट था। इसमें न गवर्नेंस थी, न नीति, न नीयत और न ही निर्णय। नाकामी कांग्रेस की थी लेकिन कलंक हिंदू आबादी पर लगाया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे लिए दल से बड़ा हमेशा देश रहा है। हम नेशन फर्स्ट की भावना से काम करते हैं। भारत को सिर्फ दुनिया की बराबरी नहीं करनी, बल्कि उससे एक कदम आगे रहना है। वो दिन दूर नहीं जब हम मेड इन इंडिया प्लेन भी बनाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2014 में जनता ने कांग्रेस से निराश होकर एनडीए पर भरोसा जताया था। पिछले 12 सालों में एनडीए ने उस विश्वास को और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। जो लोग पहले गरीब थे, वे अब मिडिल क्लास का हिस्सा बन रहे हैं। मिडिल क्लास अब न्यू मिडिल क्लास है।

सबसे ज्यादा कार्यकाल वाले इलेक्टेड पीएम

मोदी ने 26 मई 2014 को पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी और अभी उनका तीसरा कार्यकाल चल रहा है। उन्होंने लगातार 4,399 दिन पूरे कर निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में जवाहरलाल नेहरू का 4,398 दिनों का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। हालांकि, भारत में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड अब भी नेहरू के नाम है। वे 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक, यानी करीब 16 साल 286 दिन प्रधानमंत्री रहे। इनमें 1952 के पहले आम चुनाव के बाद 13 मई 1952 से 27 मई 1964 तक का उनका निर्वाचित प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल शामिल है।

बुनियादी ढांचे में बड़ा विस्तार

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2014 के 74 एयरपोर्ट बढ़कर 160 से ज्यादा हो गए हैं। एक्सप्रेस-वे 1000 किमी से बढ़कर 6700 किमी और मेट्रो नेटवर्क 5 शहरों से बढ़कर 20 शहरों तक पहुंच गया है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जबकि एनडीए ने नई सोच और फैसलों के जरिए तेज विकास को संभव बनाया। दुनिया के बड़े और आधुनिक डेटा सेंटर भारत में बन रहे हैं और देश कम समय में टेक्नोलॉजी का विस्तार करने की क्षमता रखता है। आने वाले समय में भारत पर्यटन और खेल क्षेत्र में भी मजबूत होगा।

दुनिया से एक कदम आगे रहने का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को सिर्फ दुनिया की बराबरी नहीं करनी, बल्कि उससे एक कदम आगे रहना है। उन्होंने ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए 500 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा और परमाणु ऊर्जा के लक्ष्यों को तेजी से पूरा करने पर जोर दिया। मोदी ने कहा कि आयुष्मान भारत, जीएसटी और सस्ते हेल्थ इंश्योरेंस जैसी योजनाओं से मध्यम वर्ग को बड़ा लाभ मिला है। उन्होंने कहा, हमारे लिए दल से बड़ा हमेशा देश रहा है। नेशन फर्स्ट की भावना से काम किया जाए तो कोई भी फैसला असंभव नहीं होता।

मोदी के 12 साल पर अभिनंदन प्रस्ताव

एनडीए सरकार के 12 साल पूरे होने पर भारत मंडपम में हुई बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की सराहना करते हुए एक अभिनंदन प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने रखा, जबकि नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने इसका समर्थन किया। बैठक में भाजपा-एनडीए शासित 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री और अन्य नेता शामिल हुए। सभी ने मोदी को बधाई दी। बैठक के बाद मोदी ने एनडीए नेताओं के साथ झालमुड़ी भी खाई।

कॉकरोच के मुखिया अभिजीत दीपके का ऐलान

धर्मेंद्र प्रधान नहीं हटे तो 20 जून से जंतर-मंतर पर धरना

नई दिल्ली

कॉकरोच जनता पार्टी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना आंदोलन तेज करने का ऐलान किया है। पार्टी ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया और शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा नहीं दिया, तो 20 जून से नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर अनिश्चितकालीन शांतिपूर्ण धरना शुरू किया जाएगा। पार्टी ने कहा है कि दिल्ली में हुए एकदिवसीय प्रदर्शन के बाद अब आंदोलन को देश के कई बड़े शहरों तक ले जाया जाएगा। कॉकरोच का आरोप है कि एग्जाम सिस्टम में लगातार सामने आ रही गड़बड़ियों के लिए शिक्षा मंत्रालय जिम्मेदार है। पार्टी का कहना है कि नीट-यूजी पेपर लीक और 12वीं कक्षा के छात्रों को ऑन-स्क्रीन मार्किंग सिस्टम के कारण हुई परेशानियों ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है। कॉकरोच का आरोप है कि इन मामलों में जवाबदेही तय नहीं की गई, इसलिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद छोड़ देना चाहिए। कॉकरोच संस्थापक अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर समर्थकों से बड़ी संख्या में पुणे प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। यह प्रदर्शन गुरुवार को सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर प्रतिमा स्थल पर शाम 4 बजे शुरू होगा। दीपके ने कहा कि शिक्षा मंत्री को हटाने की मांग को लेकर युवाओं को एकजुट होना होगा।

सोनम वांगचुक भी होंगे शामिल

दीपके ने दावा किया है कि प्रसिद्ध शिक्षाविद और सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी पुणे प्रदर्शन में शामिल होंगे। इससे पहले वांगचुक दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित प्रदर्शन में भी मौजूद रहे थे। कॉकरोच को उम्मीद है कि इससे आंदोलन को और व्यापक समर्थन मिलेगा।

आरएसएस मुख्यालय, मुंबई-पुणे मेयर ऑफिस को उड़ाने की धमकी

मुंबई। महाराष्ट्र में बुधवार को आरएसएस मुख्यालय, मुख्यमंत्री कार्यालय और मुंबई-पुणे के मेयर कार्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले। ईमेल खालिस्तान नेशनल आर्मी बताने वाले ग्रुप की ओर से भेजे गए थे। इसके बाद कई इमारतें खाली कराई गईं और सुरक्षा एजेंसियों ने तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक कहीं कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। नागपुर की मेयर नीता ठाकरे को एक ईमेल मिला। इसमें दावा किया गया था कि महाल स्थित आरएसएस मुख्यालय और रेशीमबाग के डॉ. हेडगेवार स्मृति भवन में विस्फोटक लगाया गया है।

अवैध पटाखा गोदाम में विस्फोट मामले में 8 पुलिसकर्मी निलंबित

जयपुर। खोह नागोरियान थाना इलाके में अवैध पटाखा गोदाम में विस्फोट से लगी आग के मामले में 8 लोगों की मौत हो गई। अब इस मामले में जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने गंभीरता से लेते हुए प्रारंभिक जांच में जिम्मेदार पाए जाने पर थानाधिकारी सहित 8 पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। उन्होंने साफ किया कि जनसुरक्षा से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंतरिम जांच रिपोर्ट के आधार पर थानाधिकारी खो नागोरियान ओमप्रकाश मातवा, हेड कांस्टेबल अशोक, कांस्टेबल रामावतार, कांस्टेबल दिनेश, कांस्टेबल आसिफ, कांस्टेबल हरेंद्र और कांस्टेबल अशोक को निलंबित कर दिया गया है. वहीं, इस मामले में डीसीपी रंजीता शर्मा ने घटना के तुरंत बाद बीट स्तर पर जिम्मेदार एएसआई अमर सिंह और हेड कांस्टेबल पप्पूराम को निलंबित कर दिया।

ओमान तट पर पोत पर हमले में तीन भारतीय लापता

नई दिल्ली (वार्ता)। भारत ने ओमान तट के निकट बुधवार को एक वाणिज्यिक पोत पर हमले की कड़ी निंदा की है जिसमें तीन भारतीय नाविक लापता बताए गए हैं जबकि 21 अन्य को सुरक्षित बचा लिया गया है। विदेश मंत्रालय ने आज एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि जिस वाणिज्यिक पोत पर हमला हुआ है उसका नाम सेत्तेबेलो है और इसके चालक दल में 24 भारतीय शामिल थे । इनमें से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है लेकिन तीन नाविक लापता है। मंत्रालय ने कहा है कि ओमान में भारतीय दूतावास स्थिति पर निकटता से नज़र रखे हुए है और खोज एवं बचाव अभियान में ओमानी अधिकारियों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत आज तड़के ओमान के तट के निकट वाणिज्यिक पोत सेत्तेबेलो पर हुए हमले की निंदा करते हैं।

ईडी ने अलीबाग में 60 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली (वार्ता) प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 1,400 करोड़ रुपये के कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के मुरुद (अलीबाग के पास) में अरब सागर के सामने स्थित एक आलीशान संपत्ति को कुर्क किया है, जिसका बाजार मूल्य लगभग 60 करोड़ रुपये है। ईडी के इंदौर क्षेत्रीय कार्यालय ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि यह संपत्ति मेसर्स एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड (एसकेएनएल) के पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नितिन कासलीवाल के लाभकारी स्वामित्व में है। यह कार्रवाई भारतीय बैंकों के एक कंसोर्टियम के साथ की गई धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई है।

तिनका-तिनका बिखरती तृणमूल

अब तक 58 विधायक और 2 राज्यसभा सांसद अलग हुए

नई दिल्ली । ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में लगातार टूट जारी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, काकोली घोष के नेतृत्व वाले टीएमसी बागी गुट ने 19 लोकसभा सांसदों के नाम की लिस्ट जारी कर दी। इसमें ममता की करीबी मानी जाने वाली जादवपुर से सांसद सायोनी घोष, यूसुफ पठान और शत्रुघ्न सिन्हा का भी नाम शामिल है। 8 जून को काकोली घोष ने दावा किया था कि उन्होंने 20 लोकसाभा सांसदों के समर्थन वाला पत्र स्पीकर ओम बिरला को भेजा है। वहीं बुधवार को राज्यसभा

सांसद सुष्मिता देव ने भी पार्टी और पद से इस्तीफा दे दिया। पिछले 3 दिनों में टीएमसी के दो राज्यसभा सांसद पार्टी छोड़ चुके हैं। इससे पहले 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा से इस्तीफा दे दिया था, पार्टी भी छोड़ दी थी। इसके बाद टीएमसी के लोकसभा में 28 में से 20 सांसद और राज्यसभा में 13 में से 2 सांसद यानी कुल 22 सांसद टूट चुके हैं। वहीं 3 जून को बंगाल के 80 में से 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इन सांसदों ने ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाने के लिए स्पीकर को पत्र दिया था। ऋतब्रत ने बुधवार को कहा कि हमारे पास 64 विधायक हैं। बाकी के 6 विधायक भी स्पीकर को चिट्ठी सौंपेंगे।

राम को काल्पनिक कहने पर राहुल के खिलाफ दोबारा सुनवाई

वाराणसी

उत्तर प्रदेश की वाराणसी कोर्ट ने भगवान राम को कथित तौर पर काल्पनिक कहने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका पर फिर से सुनवाई का निर्णय लिया है। वाराणसी के एमपी-एमएलए सीनियर कोर्ट ने बुधवार को इस संबंध में बड़ा फैसला दिया। ऊपरी अदालत ने लोअर कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें याचिका को सुनवाई योग्य न बताते हुए खारिज कर दिया गया था। अतिरिक्त जिला जज यजुवेंद्र विक्रम

सिंह ने केस को वापस लोअर कोर्ट भेजते हुए इस पर नए सिरे से सुनवाई के आदेश दिए हैं। कांग्रेस के रायबरेली सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप लगा है।

बॉर्डर पर नहीं लगेंगी ट्रकों की लंबी लाइनें

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नए लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम की शुरुआत की। इसके बाद यह सिस्टम अब पूरी तरह से डिजिटल हो गया है। जिसका फायदा यह होगा कि बॉर्डर पर ट्रकों और लोगों की लाइनें नहीं लगा करेंगी। वह पहले से ही अपनी जांच के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की बुकिंग करा सकेंगे। इस अवसर पर गृह मंत्री शाह ने कहा कि देश की सीमाओं को लीक प्रूफ करने के लिए स्मार्ट बॉर्डर प्रोजेक्ट पर काम किया ही जा रहा है। इसमें लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम मिलकर इसे और अधिक सुरक्षित बनाएंगे। इससे बॉर्डर पर अवैध गतिविधियों पर रोक और सुरक्षित व्यवस्था का सिस्टम बनेगा। देश में 15 लैंड पोर्ट संचालित होते हैं। अगले 3 सालों में 11 और लैंड पोर्ट विकसित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिलों में पलायन का दबाव कम करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लैंड पोर्ट्स महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम शुरू होने के बाद 90 फीसदी कागजी प्रक्रिया समाप्त हो जाएगी। इससे सिंगल इलेक्ट्रॉनिक विंडो सिस्टम बनेगा। जिससे 40 से 60 फीसदी तक समय की बचत होगी। यह स्मार्ट बॉर्डर का नया डिजिटल आधार तैयार हो रहा है। गृह मंत्री ने कहा कि लैंड पोर्ट अथॉरिटी देश की सीमाओं पर चतुष्कोणीय सीमा सुरक्षा रणनीति के प्रमुख स्तंभ के रूप में उभर रही है।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर क्रैश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बुधवार को पाकिस्तान सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा मुजफ्फराबाद के पास उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद हुआ। हेलिकॉप्टर में सवार सभी 21 सुरक्षाकर्मियों के मारे जाने की खबर है। हालांकि सेना ने अभी यह नहीं बताया है कि हेलिकॉप्टर में कुल कितने लोग सवार थे। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये सुरक्षाकर्मी पीओके के नीलम घाटी सेक्टर जा रहे थे। वहां पर विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। इस वजह से सरकार वहां एक्स्ट्रा सैनिक तैनात कर रही है। मुजफ्फराबाद में उड़ान भरने के बाद हेलिकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई।

कांग्रेसियों ने ही मीनाक्षी नटराजन का खेल बिगाड़ाः सीएम मोहन यादव

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्यसभा चुनाव में सीट चोरी के आरोपों को नकारते हुए बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का खेल बिगाड़ने का काम उन्हीं की पार्टी के नेताओं ने किया क्योंकि उनमें से कई की नजर उस सीट पर थी। राज्यसभा की तीन सीटों पर हो रहे चुनाव में मंगलवार को उस समय नाटकीय मोड़ आ गया, जब शपथपत्र में जानकारी छुपाने के आरोप में नटराजन का नामांकन रद्द कर दिया गया।

राज्यसभा के निर्वाचन अधिकारी अरविंद शर्मा की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि उपलब्ध दस्तावेजों की जांच के बाद पाया गया कि नटराजन ने नामांकन के साथ जमा किए गए फॉर्म 26 में अदालत की शिकायत का जिक्र नहीं करते हुए अधूरा हलफनामा दाखिल किया था। मध्यप्रदेश विधानसभा के एक

अधिकारी के अनुसार, बीजेपी के उम्मीदवार महेश केवट ने निर्वाचन अधिकारी के पास शिकायत दर्ज कराई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि नटराजन ने अपने हलफनामे में तेलंगाना में उनके खिलाफ दर्ज मामले का उल्लेख नहीं किया है। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए आरोप लगाया कि यह अब 'वोट चोरी' का मामला नहीं रहा, बल्कि 'सीट चोरी' का मामला बन गया है। साथ ही पार्टी ने इस प्रकरण को अदालत में चुनौती देने का भी फैसला किया है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने जानबूझकर और षडयंत्रपूर्वक नटराजन के फॉर्म में गलतियां कीं। उन्होंने दावा किया कि इस सीट पर कई सारे कांग्रेसियों की नजर थी। जब सीट नहीं मिली तो नटराजन का खेल बिगाड़ने का काम कांग्रेसियों ने ही कर दिया। यादव ने कहा कि पंच और सरपंच के चुनाव तक में आपराधिक ब्योरा देना होता है और जब 10 से अधिक बार से चुनाव लड़ चुके लोग राज्यसभा जैसे प्रतिष्ठित चुनाव में ऐसी गलतियां करते हैं तो यह अनायास नहीं है। उन्होंने इसे जानबूझकर किया गया षडयंत्र करार दिया। उन्होंने कहा कि अब कांग्रेस को 'आत्मावलोकन' करने की जरूरत है। मोहन यादव ने कहा कि इससे पहले लोकसभा चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को उनके गढ़ छिंदवाड़ा में हराकर बीजेपी ने नया रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी गलतियां देखनी चाहिए और प्रत्याशी घोषित करने से पहले कम से कम उसकी पृष्ठभूमि जांच लेनी चाहिए।

2024 का जनादेश मोदी के लिए नहीं थाः कांग्रेस

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लगातार सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड बनाने के बीच बुधवार को कहा कि सच यही है कि 2024 का जनादेश उनके (श्री मोदी) लिए नहीं था। कांग्रेस ने इस मौके पर पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू को याद करते हुए उन्हें आधुनिक भारत का निर्माता बताया और कहा कि 17 करोड़ मतदाताओं वाली मतदाता सूची उन्होंने ही तैयार करवाई थी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, जहां नेहरू 1952, 1957 और 1962 में विशाल बहुमत से जीते थे, वहीं मोदी 2024 में साधारण बहुमत भी हासिल नहीं कर पाये और उन्हें खुद को प्रधानमंत्री बनाने के लिए भाजपा संसदीय दल को

दरकिनार करके जल्दबाजी में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की बैठक बुलानी पड़ी। सच यही है कि 2024 का जनादेश निश्चित रूप से उनके लिए नहीं था। रमेश ने लिखा कि 15 अगस्त 1947 को पंडित जवाहरलाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने और उन्होंने एक ऐसी शानदार कैबिनेट की अगुवाई की, जैसी दुनिया में शायद ही कभी देखी गयी हो। उसके बाद अगले पांच साल में आधुनिक भारत का निर्माण हुआ। कांग्रेस नेता ने कहा कि इसी दौरान 560 से ज़्यादा देशी रियासतों को शांतिपूर्ण ढंग से भारतीय संघ में विलय कराया गया, भारत के संविधान पर चर्चा हुई और उसे अपनाया गया, ज़मींदारी प्रथा खत्म की गयी, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण लागू किया गया, कई बहुउद्देशीय सिंचाई और बिजली परियोजनाएं शुरू की गयीं, विज्ञान और तकनीक (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) के लिए अवसंरचना तैयार की गयी और भारत वैश्विक मामलों में एक ताकत के रूप में उभरा। उन्होंने कहा कि इसी बीच सभी वयस्कों को वोट देने का अधिकार सुनिश्चित करने के लिए 17 करोड़ पंजीकृत मतदाताओं वाली मतदाता सूची तैयार की गयी और आज़ाद भारत के पहले आम चुनाव अक्टूबर 1951 से फरवरी 1952 के बीच कराये गये। कांग्रेस नेता ने कहा, पंडित नेहरू के प्रधानमंत्री काल 1947-52 के दौरान भारत की उपलब्धियों के उस रिकॉर्ड में सरदार वल्लभ भाई पटेल, बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सी. राजगोपालाचारी, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जैसे दिग्गजों ने अहम भूमिका निभाई थी।

संतुलित और सुरक्षित भोजन से कोसों दूर रहेंगे रोग

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जिनसार द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज एंड रिसर्च (जिनसार) के द्वारा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर 10 जून को विक्टोरिया अस्पताल, जबलपुर में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्था की प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम के दौरान बीएससी नर्सिंग चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों ने खाद्य सुरक्षा के महत्व एवं सुरक्षित खाद्य व्यवहारों के प्रति लोगों को जागरूक किया। जिसका उद्देश्य खाद्य जनित बीमारियों की रोकथाम तथा सभी के लिए सुरक्षित भोजन सुनिश्चित करने के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसके माध्यम से खाद्य सुरक्षा उपायों, व्यक्तिगत स्वच्छता, खाद्य पदार्थों के संदूषण एवं खाद्य जनित रोगों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही संतुलित पोषण, स्वच्छ पेयजल तथा सुरक्षित भोजन पकाने की आदतों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य शिक्षा एवं जागरूकता संदेशों के माध्यम से लोगों को सुरक्षित खाद्य व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया।

स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह

इस अवसर पर मरीजों, उनके परिजनों एवं आम नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वच्छ एवं सुरक्षित भोजन का सेवन करने तथा खाद्य स्वच्छता संबंधी नियमों का पालन करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय में खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाकर बेहतर स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का सफल मार्गदर्शन प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी (प्राचार्य) द्वारा किया गया तथा इसका समन्वयन अरविंद यादव एवं प्रियंका गाइगोले द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अस्पताल के मरीजों, परिजनों एवं स्वास्थ्यकर्मियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा इसे जनस्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

अंधुआ सकरी गांव में फल-फूल रहा रेत का अवैध कारोबार

सड़क किनारे पड़े अवैध रेत के भंडार, खनिज विभाग बना अनजान

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। जीवन दायिनी कही जाने वाली हिरन नदी रेत माफियाओं के लिए रेत निकासी की फैक्ट्री बन चुकी है। जहां एक ओर रेत माफियाओं ने हिरण नदी के पारिस्थितिक तंत्र को बिगाड़ दिया और तराई क्षेत्र मे बडी बडी खदाने बना दी। वहीं अवैध रेत खनन के चलते पिछले कई हफ्तों से हिरण नदी अनेक जगहों पर सूखकर वीरान सी पड़ी है। रेत माफियाओं के द्वारा भोर सुबह से देर रात तक रेत का अबैध खनन किया जा रहा है। जेसीबी, पोकलेन, किश्ती मोटरबोट के माध्यमों से रेत निकालकर बारिश में महंगे दामों में बेचने के लिए रेत का भारी भरकम स्टाक भी सड़क किनारे जमा किया जा रहा है।

पुरे गांव में हुआ है रेत का अवैध भंडारण -मझौली क्षेत्र के कूड़ा कंजई से इंद्राना जाने वाले इस रास्ते की दुरी पांच किलोमीटर होगी। इस रास्ते के दोनों तरफ सड़क से सटाकर लगभग एक दर्जन रेत के अवैध भंडारण किए गए हैं। जिसका कारण यह है की इस सड़क से अधिकारियों का आना-जाना कम होता है। इस कारण रेत माफिया धड़ल्ले से इस सड़क के किनारे रेत के बड़े-बड़े स्टॉक करके रखे हुऐ हैं। इसके साथ ही कंजई से इंद्राना जाने वाले मार्ग में अंधुआ ,सकरी गांव मे रेत का बडी तादाद में भंडारण किया गया है ग्रामीणों का कहना है की रेत माफिया धड़ल्ले से यहां रेत का स्टॉक करते हैं और ग्रामीणों को धमकी देते हैं की अगर किसी ने शिकायत की तो उसका गांव में रहना मुश्किल हो जाएगा। वहीं ग्रामीण बताते हैं की स्थानीय पुलिस पटवारी राजस्व अमला रेत माफिया से मिले हुऐ है खनिज विभाग को इस ओर देखने की फुर्सत नहीं है। वही इंद्राना के पास सकरी घाट में हिरण नदी मे मोटर वोट लगाकर रेत निकली जा रही है जो नियमों के विपरीत है ग्रामीणों का कहना है की अनेकों बार रेत के अवैध उत्खनन की शिकायत अधिकारियों से की गई परंतु किसी ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है की पनागर ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले अंधुआ सकरी गांव में रेत के अवैध भंडारण की जानकारी अब जिले के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को दी जावेगी।

इन्होंने कहा

मुझे आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है, मैं तत्काल कार्रवाई करने हेतु संबंधित खनिज निरीक्षक को निर्देश दूंगा

एके राय,जिला खनिज अधिकारी

दोस्तों संग नदी में नहाने गए बालक की डूबने से मौत

पाटन थाने का मामला, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। तीन दोस्तों के साथ हिरण नदी में नहाने गया 11 वर्षीय बालक गहरे पानी में चला गया, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई। घटना बुधवार दोपहर की है। प्रिंस रैकवार अपने दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। उसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में पहुंच गया और डूबने लगा। घटना के समय नदी किनारे कुछ लोग मौजूद थे। बच्चों और महिलाओं की चीख-पुकार सुनते ही आसपास के लोग नदी में कूद गए। काफी प्रयास के बाद प्रिंस को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।सूचना मिलने पर पाटन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के लिए पाटन स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। शाम को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के अनुसार, प्रिंस के माता-पिता का काफी पहले निधन हो चुका था। वह ग्राम मादा में अपने नाना और मामा के साथ रहता था। मासूम की मौत से गांव में शोक की लहर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि बुधवार दोपहर प्रिंस अपने दो दोस्तों के साथ गांव से बाहर हिरण नदी में नहाने गया था। दोस्तों की मां भी उनके साथ थी। नदी पर पहुंचने के बाद महिलाएं कपड़े धोने लगीं, जबकि बच्चे नहाने लगे। इसी दौरान प्रिंस गहरे पानी में चला गया और डूब गया। काफी खोजबीन के बाद उसका शव बाहर निकाला गया। घटना के बाद से परिजन गहरे सदमे में हैं।

रास्ता पूछने के बहाने बुजुर्ग का मोबाइल किया पार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पनागर में 60 वर्षीय नरेन्द्र श्रीवास्तव निवासी ग्राम लीटी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि 8 जून की रात पनागर बजार से अपने गांव जा रहा था। मझैली वायपास के पास पहुँचा तभी पीछे से बाईक में 2 व्यक्ति उसकी गाड़ी के पास आये और खजरी खिरिया जाने का रास्ता पूछे, उसने रास्ता बताया तभी बाईक में पीछे बैठे व्यक्ति ने झपटा मार कर उसकी जेब से रेडमी कम्पनी का मोबाइल जसिकी कीमत 7 हजार रूपये है लेकर भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जाँच शुरू करदी है।

इमरती तालाब क्षेत्र हुआ अतिक्रमण मुक्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और ऐतिहासिक जल धरोहरों को संरक्षित करने के लिए नगर निगम निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार सकारात्मक कार्रवाई कर रहा है। इसी कड़ी में आज नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी दस्ते ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पंडा की मढिया से लेकर इमरती तालाब तक के पूरे मार्ग और परिक्षेत्र को पूरी तरह अतिक्रमण मुक्त करा दिया।

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार चलाई जा रही इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित करना और जल स्त्रोतों के आसपास फैले अवैध कब्जों को हटाना है। नगर निगम की इस कार्रवाई के दौरान छोटे व्यवसायियों के रोजगार का भी ध्यान रखा गया है, उन्हें कछपुरा हॉकर जोन में दुकानों को लगाने समझाइश दी गई। इस कार्रवाई से जहां एक ओर पंडा की मढिया से इमरती तालाब मार्ग पर राहगीरों और वाहन चालकों को जाम से मुक्ति मिलेगी, वहीं दूसरी ओर दुकानदारों को भी व्यापार के लिए एक स्थायी और सुरक्षित स्थान मिल सकेगा।

युवक को मारा चाकू

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थाने में 27 वर्षीय भगवान दास ठाकुर निवासी महाराजपुर बावली ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह रात अपने साले परम सिंह ठाकुर के घर से अपने घर जा रहा था, तभी कोल बस्ती महाराजपुर निवासी विवेक अपने एक साथी के साथ आया और उससे शराब पीने के लिये रुपयों की मांग करने लगा, मना करने पर दोनों गाली गलोज के साथ मारपीट करने लगे। विवेक के साथी ने चाकू से हमलाकर उसे घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुये भाग गये। जिसके बाद पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए मामले की जाँच शुरू करदी है।

अकाउंट से गायब हुई लाखों की रकम

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । लार्डगंज थाने में 41 वर्षीय नितिन साह निवासी जगदीश मंदिर ,गढ़ा फाटक ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह जीसीएफ फैक्ट्री में जॉब करता है। उसका पंजाब नेशनल बैंक में खाता है 31 मई की शाम उसने अपनी बेटी की सुकन्या योजना में भुगतान के लिये अपने एकाउण्ट को चेक किया उसके अकाउण्ट में 33 हजार रूपये बचे थे। जबकि उसके अकाउण्ट मे पहले से लगभग 3 लाख 17 हजार रूपये थे उसी समय उसने आनलाईन अपने मोबाइल से स्टेटमेंट चेक कियातब उसे पता चला की 27 और 29 मई के बीच उसके अकाउण्ट से तीन बार में कुल 2 लाख 82 हजार रूपये कट गये। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा धोखाधड़ी कर रूपये निकाले है। पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध किया।

बिजली विभाग की लापरवाही से बुझ गया घर का चिराग

करंट की चपेट में आया मासूम, गौर चौकी अंतर्गत कुड़रिया क्षेत्र का मामला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गौर चौकी अंतर्गत रानी अवंती बाई वार्ड क्रमांक 67 के कुड़रिया में बिजली खंभे टूट कर गिरे तार में दौड़ रहे करंट की चपेट में आने से 7 वर्षीय बालक की मौत हो गई। इस हादसे को लेकर क्षेत्र में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बिजली कंपनी के अधिकारियों को लगातार सूचना दी जा रही थी। इसके बाद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते एक मासूम की मौत हो गई। दरअसल बुधवार की सुबह ग्राम कुड़रिया गौर निवासी संदीप कनौजिया का सात वर्षीय बेटा श्लोक कनौजिया सुबह घर के पीछे खेत में शौच के लिए गया हुआ था। काफी देर तक जब वह नहीं लौटा तो घर वालों ने जाकर देखा तो श्लोक बिजली तार के चपेट में आने से अचेत पड़ा हुआ था। तत्काल उसे परिजन लेकर निजी अस्पताल पहुंचे, जहां परीक्षण के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने घटना के लिए बिजली कंपनी के अधिकारियों की लापरवाही को दोषी ठहराया है है। लेकिन उन्होंने ने ध्यान नहीं दिया, जिसके चलते मंगलवार की शाम बरसात और आंधी में तार टूट कर गिर गया और आज उनकी चपेट में आने से मासूम की मौत हो गई।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से भिड़ी तेज रफ्तार बाइक, एक की मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गोसलपुर थाना क्षेत्र के बरनू तिराहा के पास देर रात हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो अन्य साथी गंभीर रूप से घायल है । घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पौड़ी निवासी ललित उर्फ गुलशन चक्रवर्ती अपने मित्र आशीष चक्रवर्ती और अजय राय के साथ मोटरसाइकिल से घर लौट रहा था। देर रात बरनू तिराहा के आगे पहुंचने पर सामने से आ रहे वाहन को साइड देने के प्रयास में उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए।

पत्नी के प्रेमी संग चले जाने से आहत युवक टावर पर चढ़ा

सिहोरा में तीन घंटे चला हाई वोल्टेज ड्रामा

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। मोबाइल टावरों में चढ़कर हंगामा करते हुए अपनी अटपटी मांगो का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित करने का चलन सा शुरू हो गया है। ऐसे ही एक युवक अपनी पत्नी के भाग जाने के बाद बुधवार की दोपहर को कड़ी धूप में टावर पर चढ़ गया। जिसके बाद राहगीरों और ग्रामीणों का टावर के नजदीक हुजूम इकट्ठा हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर 3 घण्टे की मशक्त के बाद युवक को नीचे उतरा। दरअसल सिहोरा थाना क्षेत्र के ग्राम मोहला में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब 35 वर्षीय सुरेश कुशवाहा उर्फ लल्लू निवासी ग्राम मोहला अपनी पत्नी के किसी और के साथ चले जाने से आहत होकर फोरलेन हाईवे किनारे स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया। युवक ने कड़ी धूप में घंटों तक टावर पर बैठकर हंगामा किया, जिससे मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सिहोरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। पुलिस और ग्रामीणों ने लगातार समझाइश दी, जिसके बाद करीब तीन घंटे तक चले हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद युवक टावर से नीचे उतरने को राजी हुआ। पुलिस ने युवक को सुरक्षित नीचे उतारकर आवश्यक पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि युवक पारिवारिक तनाव के कारण भावनात्मक रूप से परेशान था।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने किया नौनिहालों का सम्मान

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । समाज के नौनिहाल जब उपलब्धियां हासिल करते है तो परिवार के साथ पुरे समाज को गौरावन्वित करते है। गत दिनों एमपी बोर्ड एवं सीबीएसई बोर्ड के कक्षा दसवीं एवं बारवीं के छात्रों ने अपने परीक्षा परिणाम मे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अन्य छात्रों को प्रेरणा देने का कार्य किया। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह के अवसर पर विवेक श्रीवास्तव, चमन श्रीवास्तव एड.भानू श्रीवास्तव, सुधीर खरे, शरद श्रीवास्तव, विवेक खरे एवं शिखा श्रीवास्तव उपस्थित रहे । इस दौरान अभिनव खरे, हर्षित खरे , आरव श्रीवास्तव ,अहाना खरे, आर्कष श्रीवास्तव ,आयुषी श्रीवास्तव, कुशाग्र वर्मा ,वैष्णवी श्रीवास्तव, तमन्ना निगम, तनिष् संचिता श्रीवास्तव, प्रियांशु श्रीवास्तव, अंशिका वर्मा, अर्थव श्रीवास्तव का सम्मान करते हुए प्रशस्ति पत्र एंव मैडल प्रदान किया गया।

लोहे की पाइप से मारकर किया घायल

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । कटंगी थाने में 35 वर्षीय चिन्नू बर्मन निवासी ग्राम जटासी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता स्व. रघवर बर्मन की खारी में सामाजिक पत्तल उठाने का कार्यक्रम था। उसने अपने भाई राजेश बर्मन, रंजरा वाले एक रिश्तेदार, बुआ का लड़का संजू बर्मन व अन्य से कहा अभी शराब नहीं पियो खाना देने जाना जाना है और सभी को समझाया तो बुआ का लड़का संजू बर्मन उससे विवाद करते हुये गाली गलौज करने लगा बोला पहले शराब पियेंगे, उसने कहा कि पिताजी का कार्यक्रम हो जाने दो तथा गालियां देने से मना किया । इसी बात पर संजू बर्मन ने लोहे के पाइप से हमलाकर सिर में चोट पहुंचा दी और भाग गया । घायल को अग्रिम उपचार हेतु मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

ठंडक के बाद फिर गर्म पड़े मौसम के तेवर, उमस ने बढ़ाई बेचैनी

घर-घर बीमारियों की दस्तक

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

संस्कारधानी में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मंगलवार को हुई तेज बरसात के बाद बुधवार को शहरवासियों को भारी उमस और चिलचिलाती गर्मी का सामना करना पड़ा। हवा थमने और वातावरण में नमी बढ़ने के कारण दिनभर लोग पसीने से तर-बतर नजर आए। बुधवार को भी आसमान में बादलों की लुकाछिपी का दौर जारी रहा, लेकिन बादलों के छाने के बावजूद बारिश न होने से उमस का ग्राफ और अधिक बढ़ गया।

चिपचिपी गर्मी ने छुड़ाए पसीने-सुबह से ही धूप और छांव का खेल चलता रहा। शहर में बुद्वार को अधिकतम तापमान 40.5 तो वहीं न्यूनतम तापमान 25.5 दर्ज किया गया। दोपहर होते-होते उमस इतनी बढ़ गई कि पंखे और कूलर भी बेअसर साबित होने लगे। उमस भरे इस मौसम ने राहगीरों और कामकाजी लोगों को खासा परेशान किया। मानसून पूर्व की गतिविधियों और हाल ही में हुई बारिश के कारण हवा में आर्द्रता का स्तर काफी बढ़ गया है, जिसके चलते यह चिपचिपी गर्मी परेशान कर रही है।

बढ़ती उमस से सेहत पर मंडराया खतरा-मौसम में आए इस अचानक बदलाव और भारी उमस के कारण अब स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी तेजी से बढ़ने की आशंका है । डॉक्टरों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। इस मौसम में बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं, जिससे उल्टी-दस्त, फूड पॉइजनिंग और पेट दर्द के मरीजों में बढ़ोतरी हो सकती है। लगातार पसीना आने और हवा में नमी होने के कारण त्वचा से जुड़े रोग जैसे घमौरियां, फंगल इन्फेक्शन और खुजली की समस्या बढ़ जाती है।

उमस के इस दौर में शरीर में पानी की कमी न होने दें। ज्यादा से ज्यादा तरल पदार्थों का सेवन करें, बासी खाने से परहेज करें और सूती व ढीले कपड़े पहनें ताकि त्वचा से जुड़ी बीमारियों से बचा जा सके।

बोर्ड परीक्षा में डायग्राम बनाकर ऐसे पाएं अधिक अंक

विज्ञान विषय केवल सिद्धांतों और परिभाषाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें विभिन्न प्रक्रियाओं, संरचनाओं और अवधारणाओं को समझना भी आवश्यक होता है। यही कारण है कि बोर्ड परीक्षाओं में डायग्राम (चित्र) का विशेष महत्व माना जाता है। एक साफ-सुथरा और सही डायग्राम उत्तर को अधिक प्रभावशाली बनाता है तथा परीक्षक पर सकारात्मक प्रभाव डालता है।

याद रखें, विज्ञान में एक सही डायग्राम कभी-कभी कई पंक्तियों के विवरण से अधिक प्रभावी होता है। इसलिए बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिए डायग्राम बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। ऐसा करके हम मेरिट

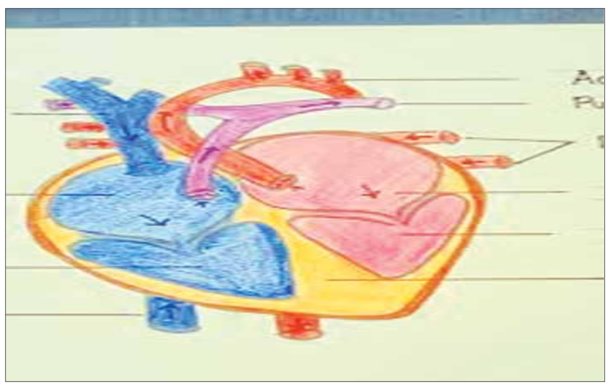

सूची में अपना स्थान बना सकते हैं।

उत्तरों की बेहतर प्रस्तुति- बोर्ड परीक्षा में डायग्राम बनाने का एक बड़ा लाभ यह है कि इससे उत्तर की प्रस्तुति बेहतर होती है। यदि छात्र किसी प्रश्न के उत्तर के साथ संबंधित चित्र भी बनाता है, तो परीक्षक को यह समझने में आसानी होती है कि विद्यार्थी ने विषय को अच्छी तरह समझा है। कई बार सही डायग्राम अतिरिक्त अंक प्राप्त करने में भी सहायक होता है।

साफ और स्पष्ट हों डायग्राम

डायग्राम बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। चित्र साफ और स्पष्ट होना चाहिए, सभी भागों की लेबलिंग सही होनी चाहिए तथा पेंसिल का उपयोग करना चाहिए। रंगों का प्रयोग आवश्यक नहीं होता, लेकिन चित्र व्यवस्थित और आकर्षक होना चाहिए। बहुत बड़ा या बहुत छोटा चित्र बनाने से बचना चाहिए।

विज्ञान में अक्सर पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण डायग्राम

मानव हृदय
मानव नेफ्रॉन
पुष्प की संरचना
डीएनए की संरचना
विद्युत परिपथ
मानव पाचन तंत्र
प्रकाश का अपवर्तन और परावर्तन
कोशिका की संरचना

जटिल अवधारणाओं को समझाने में आसानी

डायग्राम की सहायता से जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरलता से समझाया जा सकता है। उदाहरण के लिए, मानव हृदय, मानव नेफ्रॉन, पुष्प की संरचना, डीएनए मॉडल, विद्युत परिपथ या प्रकाश के अपवर्तन जैसे विषयों को केवल शब्दों में समझाने की अपेक्षा चित्र के माध्यम से अधिक स्पष्ट किया जा सकता है।

सफलता के लिए फंडा

1 प्रतिदिन एक-दो महत्वपूर्ण डायग्राम का अभ्यास करें।
2 लेबलिंग का विशेष ध्यान रखें।
3 डायग्राम बनाते समय स्केल और पेंसिल का उपयोग करें।
4 पिछले वर्षों के प्रश्नपत्रों में पूछे गए डायग्राम का अभ्यास करें।
5 उत्तर लिखते समय जहाँ संभव हो, संबंधित चित्र अवश्य बनाएं।

86 अरब कोशिकाओं का कमाल जानिए मस्तिष्क के रहस्य

क्या आपने कभी सोचा है कि जैसे ही कोई आपको आपका नाम लेकर पुकारता है, आप तुरंत पीछे मुड़कर देखते हैं? या गर्म चाय का कप छूते ही हाथ तुरंत पीछे हट जाता है? इन सभी कार्यों के पीछे हमारे शरीर का सबसे महत्वपूर्ण अंग मस्तिष्क (ब्रेन) काम करता है। मस्तिष्क को शरीर का कंट्रोल रूम कहा जाता है। यह लगभग 86 अरब तंत्रिका कोशिकाओं (न्यूरॉन्स) से बना होता है, जो बिजली के संकेतों की तरह संदेशों का आदान-प्रदान करती हैं।

मस्तिष्क को एक शहर की तरह समझें

कल्पना कीजिए कि आपका मस्तिष्क एक विशाल शहर है। इस शहर में करोड़ों सड़कें हैं और उन पर संदेश लगातार दौड़ रहे हैं। न्यूरॉन्स सड़कें हैं, संदेश वाहन का प्रतिनिधित्व करते हैं, और मस्तिष्क शहर का नियंत्रण केंद्र है। जब आप कोई चीज देखते हैं, तो आंखें तुरंत सूचना मस्तिष्क तक पहुंचाती हैं। मस्तिष्क उस सूचना को समझकर निर्णय लेता है और शरीर

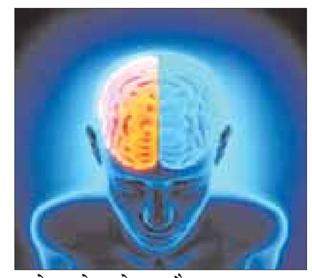

को आदेश भेजता है।

उदाहरण 1

क्रिकेट की गेंद पकड़ना- मान लीजिए खेल के मैदान में कोई खिलाड़ी आपकी ओर गेंद फेंकता है। आंखें गेंद को देखती हैं। सूचना मस्तिष्क तक पहुंचती है। मस्तिष्क गेंद की गति और दिशा का अनुमान लगाता है। हाथों की मांसपेशियों को आदेश भेजता है। आप सही समय पर गेंद पकड़ लेते हैं। यह पूरी प्रक्रिया एक सेकंड से भी कम समय में हो जाती है

उदाहरण 2

गर्म बर्तन छूना- याद कीजिए जैसे ही आप गलती से गर्म बर्तन को छूते हैं, तो त्वचा खतरे का संदेश भेजती है। मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र तुरंत प्रतिक्रिया करते हैं। हाथ तुरंत पीछे हट जाता है। यह शरीर की सुरक्षा प्रणाली है, जो हमें चोट लगने से बचाती है।

उदाहरण 3

परीक्षा में उत्तर याद आना- कक्षा में जब शिक्षक प्रश्न पूछते हैं, तो मस्तिष्क अपनी मेमोरी लाइब्रेरी में उत्तर खोजता है। ठीक वैसे ही जैसे किसी पुस्तकालय में पुस्तक खोजी जाती है, मस्तिष्क भी सीखी हुई जानकारी को ढूंढ़कर हमें उत्तर याद दिलाता है।

क्या मस्तिष्क कभी आराम करता है?

दिलचस्प बात यह है कि जब हम सो रहे होते हैं तब भी मस्तिष्क पूरी तरह बंद नहीं होता। वह दिनभर की जानकारी को व्यवस्थित करता है, यादों को मजबूत बनाता है और शरीर के कई जरूरी कार्यों को नियंत्रित करता रहता है। मस्तिष्क किसी सुपर कंप्यूटर से कम नहीं है। यह हर सेकंड लाखों सूचनाओं को संसाधित करता है, निर्णय लेता है और पूरे शरीर को नियंत्रित करता है। इसलिए अपने मस्तिष्क को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त नींद लें, पौष्टिक भोजन खाएं, नियमित व्यायाम करें और नई-नई चीजें सीखते रहें।

समाज और परिवार का गौरव बढ़ाती हैं बेटियां

किसी भी राष्ट्र की उन्नति केवल आर्थिक संसाधनों से नहीं, बल्कि उसके शिक्षित नागरिकों से होती है। जब हम शिक्षा की बात करते हैं तो बेटियों की शिक्षा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि एक शिक्षित बेटी केवल स्वयं का जीवन नहीं संवारती, बल्कि पूरे परिवार और समाज को नई दिशा प्रदान करती है। इसलिए कहा जाता है कि यदि एक पुरुष शिक्षित होता है तो केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है, लेकिन यदि एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है।

आज के आधुनिक युग में बेटियां विज्ञान, शिक्षा, प्रशासन, खेल, चिकित्सा, सेना, अंतरिक्ष और उद्यमिता जैसे सभी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। यह सफलता शिक्षा के माध्यम से ही संभव हुई है। शिक्षा बेटियों में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और आत्मनिर्भरता का विकास करती है, जिससे वे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनती हैं। बेटियों की शिक्षा सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने का भी प्रभावी माध्यम है। शिक्षित महिलाएं बाल विवाह, दहेज प्रथा, लैंगिक भेदभाव और अशिक्षा जैसी समस्याओं

के विरुद्ध जागरूकता फैलाती हैं। वे अपने बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के प्रति अधिक सजग रहती हैं, जिससे आने वाली पीढ़ियां भी बेहतर बनती हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने भी महिलाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को विशेष प्राथमिकता दी है। सरकार द्वारा विभिन्न छात्रवृत्ति योजनाएं, आवास सहायता, परिवहन सहायता और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान संचालित किए जा रहे हैं ताकि कोई भी बेटी शिक्षा से वंचित न रहे।

आज आवश्यकता इस बात की है कि समाज का प्रत्येक वर्ग बेटियों की शिक्षा को अपना दायित्व समझे। अभिभावकों को यह विश्वास रखना चाहिए कि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं। उन्हें उच्च शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसर प्रदान करना समय की मांग है। एक शिक्षित बेटी न केवल अपने परिवार का गौरव बढ़ाती है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हर बेटी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, क्योंकि शिक्षित बेटी ही सशक्त समाज और समृद्ध भारत की आधारशिला है।

बेटी पढ़ेगी, तभी देश बढ़ेगा।

डॉ नीलेश पांडेय
प्राचार्य,
हितकारिणी महिला महाविद्यालय

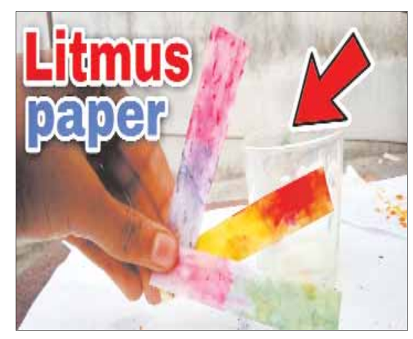

लिटमस पेपर रंग बदलने वाला जादुई कागज

कल्पना कीजिए कि आपके पास एक ऐसा कागज है जो किसी तरल पदार्थ में डालते ही उसका स्वभाव बता देता है। वह बता देता है कि पदार्थ अम्ल (एसिड) है या क्षार (बेस)। यह कोई जादू नहीं, बल्कि विज्ञान का कमाल है, जिसे लिटमस पेपर कहते हैं। लिटमस पेपर भले ही एक साधारण कागज जैसा दिखाई दे, लेकिन यह रसायन विज्ञान का एक छोटा-सा वैज्ञानिक जासूस है। केवल रंग बदलकर यह हमें बता देता है कि कोई पदार्थ अम्लीय है या क्षारीय। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है

लिटमस पेपर क्या है?

लिटमस पेपर एक विशेष प्रकार का कागज होता है जिस पर लाइकेन नामक जीव से प्राप्त प्राकृतिक रंग लगाया जाता है। यह रंग अम्ल और क्षार के संपर्क में आने पर अपना रंग बदल लेता है। लिटमस पेपर में मौजूद रंग के अणु घोल में उपस्थित हाइड्रोजन आयन हाइड्रॉक्साइड आयन के प्रभाव से अपना रंग बदल लेते हैं।

एक रोचक उदाहरण

मान लीजिए आपके पास दो गिलास हैं

गिलास 1- जिसने नींबू का रस है। आपने उसमें नीला लिटमस पेपर डाला। क्या होगा? नींबू का रस अम्लीय होता है, इसलिए नीला लिटमस लाल हो जाएगा।

गिलास 2- साबुन का घोल लीजिए। अब उसमें लाल लिटमस पेपर डालिए। क्या होगा? साबुन का घोल क्षारीय होता है, इसलिए लाल लिटमस नीला हो जाएगा।

दैनिक जीवन में लिटमस पेपर का उपयोग

- पानी की जांच के लिए
- प्रयोगशालाओं में रसायनों की पहचान के लिए
- मिट्टी की अम्लीयता जांचने में
- उद्योगों में रासायनिक परीक्षण के लिए
- शैक्षणिक प्रयोगों में

विज्ञान के प्रयोग

विज्ञान केवल किताबों में पढ़ने का विषय नहीं है, बल्कि उसे समझने का सबसे प्रभावी तरीका प्रयोगों के माध्यम से सीखना है। जब कोई वैज्ञानिक सिद्धांत हमारी आंखों के सामने घटित होता है, तो उसे समझना और याद रखना दोनों आसान हो जाता है। घर पर उपलब्ध सामान्य सामग्री की सहायता से भी कई रोचक और सुरक्षित विज्ञान प्रयोग किए जा सकते हैं। ये प्रयोग न केवल बच्चों और विद्यार्थियों की जिज्ञासा बढ़ाते हैं, बल्कि उनके भीतर वैज्ञानिक सोच, तर्कशक्ति और खोज की भावना का भी विकास करते हैं। इस विशेष कॉलम में हम ऐसे ही मजेदार विज्ञान प्रयोगों के बारे में जानेंगे, जिनमें आवश्यक सामग्री, प्रयोग करने की विधि, उसके पीछे छिपा वैज्ञानिक सिद्धांत और रोचक तथ्य सरल भाषा में प्रस्तुत किए गए हैं। आइए, विज्ञान की इस रोमांचक दुनिया में कदम रखें और सीखें कि रोजमर्रा की साधारण वस्तुओं में भी कितने अद्भुत वैज्ञानिक रहस्य छिपे हुए हैं।

1. बोतल में बनाएं बादल

क्या आपने कभी सोचा है कि बादल केवल आसमान में ही नहीं, बल्कि एक साधारण बोतल के अंदर भी बनाए जा सकते हैं? यह रोचक विज्ञान प्रयोग हमें बादलों के बनने की वास्तविक प्रक्रिया को बेहद आसान तरीके से समझाता है। आइए जानें कि कैसे कुछ साधारण सामग्रियों की मदद से बोतल में कृत्रिम बादल तैयार किए जा सकते हैं।

आवश्यक सामग्री

इस प्रयोग को करते समय अत्यंत सावधानी बरतें। केवल बड़ों की निगरानी में प्रयोग करें।

1- पारदर्शी प्लास्टिक की बोतल
2- थोड़ा गर्म पानी
3- माचिस
4- बोतल का ढक्कन

कैसे शुरू करें- घर के किसी बड़े की निगरानी में एक बोतल में थोड़ा गर्म पानी डालें। माचिस जलाकर तुरंत बुझाएं और उसका धुआं बोतल में जाने दें। बोतल का ढक्कन बंद कर दें। बोतल को हल्का दबाएं और छोड़ दें। अब क्या होगा, बोतल के अंदर बादल जैसा धुंधला सफेद धुआं दिखाई देगा।

यह कैसे काम करता है

धुएं के छोटे-छोटे कणों पर जलवाष्प जमा हो जाती है और सूक्ष्म पानी की बूंदें बनती हैं। यही प्रक्रिया आसमान में बादल बनने के दौरान होती है। यह विज्ञान के सिद्धांत संघनन और जल पर आधारित है।

घर पर मिनी ज्वालामुखी

क्या आपने कभी ज्वालामुखी को लावा उगलते हुए देखा है? अब आप उसी रोमांचक दृश्य का एक छोटा मॉडल घर पर भी बना सकते हैं। यह मजेदार विज्ञान प्रयोग रासायनिक अभिक्रिया की शक्ति को सरल और रोचक तरीके से समझाता है।

आवश्यक सामग्री

इस प्रयोग को करते समय अत्यंत सावधानी बरतें। केवल बड़ों की निगरानी में प्रयोग करें।

1- बेकिंग सोडा
2- सिरका
3- लाल फूड कलर
4- एक छोटा कप

कैसे शुरू करें?

एक कप में थोड़ा सा बेकिंग सोडा डालें। अब उसमें थोड़ा लाल रंग मिलाएं। ऊपर से सिरका डालें। देखिए अब क्या होगा? लाल झाग तेजी से बाहर निकलेगा और ज्वालामुखी जैसा दृश्य बनेगा।

कैसे काम करता है यह

सिरका और बेकिंग सोडा की प्रतिक्रिया से कार्बन डाइऑक्साइड गैस बनती है जो झाग को ऊपर धकेलती है। यह रासायनिक अभिक्रिया और गैस निर्माण के विज्ञान के सिद्धांत पर काम करता है।

दुनिया के अनसुलझे वैज्ञानिक रहस्य जिनके जवाब आज भी खोज रहा है विज्ञान

विज्ञान ने मानव जीवन को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाया है। अंतरिक्ष की खोज से लेकर मानव जीनोम को समझने तक वैज्ञानिकों ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। इसके बावजूद ब्रह्मांड और प्रकृति में कई ऐसे रहस्य मौजूद हैं, जिनका उत्तर आज भी विज्ञान पूरी तरह नहीं खोज पाया है। आइए जानते हैं कुछ ऐसे ही अनसुलझे वैज्ञानिक रहस्यों के बारे में।

डार्क मैटर क्या है?

वैज्ञानिकों का मानना है कि ब्रह्मांड का अधिकांश भाग डार्क मैटर से बना है, लेकिन इसे आज तक सीधे देखा नहीं जा सका है। यह दिखाई नहीं देता, फिर भी इसकी गुरुत्वाकर्षण शक्ति आकाशगंगाओं को प्रभावित करती है।

डार्क एनर्जी का रहस्य

ब्रह्मांड लगातार फैल रहा है और उसकी गति बढ़ती जा रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इसके पीछे डार्क एनर्जी

नामक कोई रहस्यमय शक्ति है, लेकिन इसकी वास्तविक प्रकृति कैसी है आज भी अज्ञात है।

जीवन की शुरुआत कैसे हुई?

पृथ्वी पर पहला जीव कैसे बना? निर्जीव पदार्थों से जीवन की उत्पत्ति कैसे हुई? यह प्रश्न विज्ञान के सबसे बड़े रहस्यों में से एक है। कई सिद्धांत हैं, लेकिन कोई अंतिम उत्तर नहीं।

सपने क्यों आते हैं?

हर व्यक्ति सपने देखता है, लेकिन उनका वास्तविक उद्देश्य क्या है? क्या वे केवल मस्तिष्क की गतिविधि हैं या उनका कोई गहरा अर्थ भी है? विज्ञान अभी तक इसका निश्चित उत्तर नहीं दे पाया है।

बरमूडा ट्रायंगल का रहस्य

अटलांटिक महासागर का यह क्षेत्र लंबे समय से जहाजों और विमानों के गायब होने की घटनाओं के कारण चर्चा में रहा है। हालांकि कई वैज्ञानिक स्पष्टीकरण दिए गए हैं, फिर भी यह विषय लोगों की जिज्ञासा का केंद्र बना हुआ है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

नगर परिषद मानपुर के पीएम आवास योजना शहरी 2.0 के छठी सूची का दावा..आपत्ति सूचना जारी

मानपुर (स्वतंत्रमत) । म0प्र0 शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग मंत्रालय बल्लभ भवन भोपाल द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देश एवं संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास म0प्र0 भोपाल के द्वारा दिये गये निर्देशोंनुसार कार्यालय नगर परिषद मानपुर जिला उमरिया द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 के छठी सूची (बीएलसी घटक) के तहत ऑनलाइन आवेदन पत्रों की जांच कर पोर्टल में स्वीकृत एवं अस्वीकृत करने के साथ-साथ, पात्र-अपात्र की सूची तैयार करने हेतु जांच दल गठित किया गया। कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन प्राप्त आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों अनुसार वार्ड में जाकर स्थल निरीक्षण..परीक्षण पश्चात् पात्र हितग्राहियों की छठी सूची तैयार की गई है जिसका प्रकाशन पत्र क्रमक 595 दिन शुक्रवार दिनांक 05.06.2026 को कार्यालय के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है। प्रकाशित सूची में किसी भी हितग्राही को दावा..आपत्ति हो तो दस्तावेजी सबूतों के साथ प्रकाशित दिनांक से लेकर दिनांक 15.06.2026 को कार्यालयीन समय में नगर परिषद मानपुर में प्रस्तुत कर सकते है, बाद म्यादी किसी भी प्रकार के दावा-आपत्ति मान्य नहीं होंगे।

मीनाक्षी मीनाक्षी नटराजन के राज्यसभा चुनाव में नामांकन रद्द होने के विरोध में कांग्रेस ने रखा उपवास

उमरिया (स्वतंत्रमत)

राज्यसभा चुनाव के दौरान कथित रूप से झूठ और षड्यंत्र के तहत कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सुश्री मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द किए जाने के विरोध में बुधवार 10 जून को जिला मुख्यालय के गांधी चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा उपवास रखकर विरोध प्रदर्शन किया गया। यह उपवास कार्यक्रम मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी के निर्देशानुसार सुबह 11 बजे से गांधी चौक, उमरिया में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी उमरिया के अध्यक्ष इंजी विजय कोल ने किया। सभी कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से उपवास रखकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और निष्पक्ष न्याय की मांग की। उपवास कार्यक्रम में पत्रकार के सम्बोधन के दौरान जिलाध्यक्ष इंजी विजय कोल ने अपने संबोधन में आरोप लगाया कि राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता का अभाव रहा है और एक योग्य प्रत्याशी का नामांकन सुनियोजित तरीके से रद्द कराया गया

है।उन्होंने इसे लोकतंत्र के सिद्धांतों के विपरीत बताते हुए इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी एवं निर्वाचन आयोग के खिलाफ विरोध दर्ज कराते हुए निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। उपवास कार्यक्रम में महिला सेवादल संघठक संगीता कंकरिया, उमरिया सेवा दल जिला प्रभारी संध्या वर्मा, संगठन महासचिव पुष्पराज सिंह, उमरिया ब्लॉक अध्यक्ष मिथलेश राय, ब्यौहारी विधानसभा प्रभारी त्रिभुवन प्रताप सिंह, सेवा दल जिलाध्यक्ष संतोष सिंह, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुराग सिंह अम्बुज, एनएसयूआई अध्यक्ष मो. असलम, वीरेंद्र सिंह सेंगर, लालभवानी सिंह, राजकुमार सिंह चौहान, ओमप्रकाश गुप्ता, अमृतलाल यादव, रघुनंदन विश्वकर्मा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छिंदवाड़ा की बेटी का गौरव: प्रिया मालवी बनीं इंडियन एयरफोर्स में फ्लाइंग ऑफिसर

छिंदवाड़ा (स्वतंत्रमत) । शहर के लिए एक गौरवपूर्ण क्षण में, स्थानीय निवासी प्रिया मालवी का चयन भारतीय वायुसेना में फ्लाइंग ऑफिसर के पद पर हुआ है। अपनी इस उपलब्धि से उन्होंने न केवल अपने परिवार का, बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है।

मेहनत और लगन का परिणाम

प्रिया मालवी, छिंदवाड़ा पुलिस विभाग में एएसआई (ए एस आई) के पद पर कार्यरत श्री रवि मालवी और श्रीमती उर्मिला मालवी की सुपुत्री हैं। प्रिया की इस सफलता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत, अटूट संकल्प और परिवार का निरंतर सहयोग रहा है। बचपन से ही देश सेवा का जज्बा रखने वाली प्रिया ने अपनी शिक्षा और तैयारी के दौरान कठिन परिश्रम किया, जिसका सुखद परिणाम आज उनके चयन के रूप में सामने आया है।

परिवार में हर्ष का माहौल

प्रिया के चयन की खबर मिलते ही उनके परिवार और शुभचिंतकों में खुशी की लहर दौड़ गई। माता-पिता ने अपनी बेटी की इस उपलब्धि पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए अत्यंत भावुक और गौरव का पल है। उन्होंने बताया कि प्रिया ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और परिवार के मार्गदर्शन को दिया है।

व्यापारियों की समस्याओं एवं शहर के विकास को लेकर कैट की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

उमरिया (स्वतंत्रमत)

अखिल भारतीय व्यापारी परिषद(कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स) कैट के जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी के नेतृत्व में दिनांक 9 जून दिन मंगलवार को रात्रि 9 बजे ज्वालामुखी रोड स्थित पूजा फर्नीचर मार्ट में व्यापारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले भर के व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा व्यापार एवं शहरहित से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करते हुए अपनी सहमति व्यक्त की। बैठक को संबोधित करते हुए कैट जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने कहा कि व्यापारी संगठन सदैव व्यापारियों की समस्याओं एवं शहर के विकास के लिए

संघर्षरत रहेगा। उन्होंने शहर की यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यापारियों से जुड़ी प्रशासनिक समस्याओं के समाधान हेतु प्रशासन से गंभीर पहल करने की मांग की। बैठक में सर्वसम्मति से यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि व्यापारियों की सहमति से प्रत्येक सोमवार को बाजार बंद रखा जाएगा। व्यापारियों ने कहा कि यह निर्णय सामूहिक हित एवं व्यापारिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। बैठक में प्रमुख रूप से शहर के प्रत्येक प्रमुख चौक पर पुलिसकर्मियों की तैनाती किए जाने की मांग रखी गई। व्यापारियों ने किराना व्यवसायियों को खाद्य विभाग से राहत प्रदान किए जाने की अपेक्षा भी व्यक्त की। इसके अतिरिक्त गांधी चौक उमरिया से खलेश्वर नई पुल तक पूर्व में लागू वन-वे यातायात व्यवस्था को पुन: प्रारंभ करने की मांग पुलिस अधीक्षक उमरिया से विशेष रूप से की गई। व्यापारियों ने कहा कि वन-वे व्यवस्था लागू रहने से यातायात सुचारु रूप से संचालित होता जिससे व्यापार बढ़ता है एवं जाम की संभावना कम हो जाती है। बैठक में जिला अस्पताल की अव्यवस्थाओं एवं डॉक्टरों की कमी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया कि अस्पताल केवल रेफर सेंटर बनकर रह गया है। व्यापारियों ने स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार की मांग प्रशासन से की।

25 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन का शुभारम्भ

रीवा (स्वतंत्रमत)

सतना जिले के ग्राम बक्रिया स्थित माँ चन्द्रिका धाम प्रांगण में 25 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ एवं विराट संत सम्मेलन का शुभारम्भ 6 जून को विशाल शोभायात्रा के साथ प्रात: स्मरणीय अनंतश्री विभूषित महान संत श्री सनकादिक ब्रह्मचारी जी महाराज के पावन सानिध्य में हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन प्रात: 6꞉30 बजे से यज्ञशाला में यजमानों के मंडप प्रवेश के साथ वरिष्ठ विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक विधि-विधान से पूजन-अर्चन, हवन एवं मंत्रोच्चारण कराया जा रहा है, जो दोपहर 1꞉30 बजे तक सम्पन्न होता है। धर्म, संस्कृति एवं मानव कल्याण के उद्देश्य से आयोजित इस महायज्ञ में आसपास सहित दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। सम्पूर्ण क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर है तथा ग्रामीणजन पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं। प्रतिदिन सायं 4 बजे से श्री अयोध्या धाम से पधारे विद्वान रामकथा वाचक पूज्य श्री केशवदास शास्त्री जी महाराज द्वारा श्रीराम कथा का रसास्वादन कराया जा रहा है। वहीं रात्रि 8 बजे से श्रीधाम वृंदावन के पूज्य श्री गोपीकृष्ण महाराज जी की रासलीला मंडली द्वारा भव्य एवं मनोहारी रासलीला का मंचन किया जा रहा है, जिसका श्रद्धालु भरपूर आनंद ले रहे हैं। आयोजन के अंतर्गत 11 जून को विराट संत सम्मेलन तथा 13 जून को पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। संत सम्मेलन में संत-महात्माओं एवं धर्मप्रेमियों के शामिल होने की संभावना है। आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ प्राप्त करने की अपील की

भाजपा पार्षद मनीषा कोचर ने विशेष बैठक का किया बहिष्कार

कटंगी(स्वतंत्र मत)

नगर परिषद की कार्यशैली और पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए वार्ड क्रमांक 14 की पार्षद और सभापति मनीषा कोचर ने बुधवार 10 जून को अध्यक्ष के नाम पत्र लिखकर नगर परिषद में होने वाले विशेष सम्मेलन का बहिष्कार कर दिया। दिलचस्प बात यह है कि मनीषा कोचर न सिर्फ निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं, बल्कि नगर परिषद में सभापति का पद संभाल रही हैं और सत्ताधारी दल भाजपा की स्थानीय लीडर भी हैं। बावजूद इसके उन्हें आवश्यक जानकारी नहीं मिलने से नाराज होकर उन्होंने बैठक से किनारा कर लिया। पार्षद मनीषा कोचर ने 10 जून बुधवार को नगर परिषद कार्यालय में अध्यक्ष को संबोधित पत्र सौंपा। पत्र के माध्यम से उन्होंने आज होने वाली विशेष बैठक में अनुपस्थित रहने का कारण स्पष्ट कर दिया। पार्षद ने लिखा कि सीएमओ कार्यालय द्वारा उन्हें नगर परिषद से जुड़ी तमाम महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं। बार-बार मांग करने के बाद भी फाइलें नहीं दिखाई जा रहीं और लिखित जवाब टाल दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब सत्ताधारी दल की पार्षद और सभापति होने के बावजूद उनकी बात नहीं सुनी जा रही, तो आम जनता और विपक्षी पार्षदों का क्या हाल होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। पार्षद ने इसे जनप्रतिनिधि की उपेक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर आघात बताया। बहिष्कार की वजह बताते हुए मनीषा कोचर ने कहा कि उन्होंने सीएमओ से कई बार शिक्षा उपकर की वसूली और उसके खर्च का पूरा लेखा-जोखा मांगा था। शिक्षा उपकर सीधे नागरिकों से वसूला जाता है और इसका उपयोग शिक्षा के विकास में होना चाहिए। साथ ही नगर परिषद के वाहनों, जेसीबी और अन्य मशीनों में पेट्रोल-डीजल की खपत, मासिक खरीद और व्यय का ब्यौरा भी मांगा था। पार्षद का आरोप है कि इन जानकारियों के लिए उन्होंने मौखिक और लिखित दोनों रूप में आवेदन दिए, लेकिन आज तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उनका कहना है कि बिना जानकारी के बैठक में शामिल होकर केवल खानापूर्ति करना जनता के साथ धोखा होगा। इसी से आहत होकर उन्होंने विशेष सम्मेलन का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। फिलहाल मनीषा कोचर के बहिष्कार ने नगर परिषद कटंगी में पारदर्शिता और जवाबदेही का मुद्दा एक बार फिर गर्म कर दिया है। अब देखना होगा कि प्रशासन पार्षद की मांग मानता है या यह विवाद और गहराता है।

प्रधानमंत्री के सेवा,सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा नेताओं ने मंदिरों में किये कार्यक्रम

उमरिया (स्वतंत्रमत)

बुधवार 10 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने और लगातार सर्वाधिक समय तक प्रधानमंत्री के रूप में उनके गौरवपूर्ण योगदान के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जिला उमरिया के द्वारा जिले के सभी मंडलों के अंतर्गत प्रमुख मंदिरों में धार्मिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर जिले की प्रमुख देवी मंदिर मां बिरासिनी और ग्राम सिलौड़ी स्थित राम जानकी मंदिर में नेताओं ने पूजा अर्चना कर भजन कीर्तन का कार्यक्रम किया। साथ ही प्रधानमंत्र नरेंद्र मोदी के उत्तम

स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर यशस्वी नेतृत्व के लिए विशेष प्रार्थना करते हुए विकसित भारत-2047 के संकल्प की सफलता हेतु मंगलकामनाएं की गईं। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में राष्ट्र के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण के लिए चलाए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के संकल्प को दोहराया। उन्होंने आगे कहा कि हमारा देश बीते 12 वर्षों में विकास, सुशासन, राष्ट्रीय सुरक्षा, आधारभूत संरचना, आत्मनिर्भरता, डिजिटल नवाचार, गरीब कल्याण एवं वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में अभूतपूर्व उपलब्धियां प्राप्त की हैं। बांधवगढ़ क्षेत्र के विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने विश्व पटल पर अपनी एक सशक्त, आत्मविश्वासी एवं निर्णायक राष्ट्र के रूप में विशिष्ट पहचान स्थापित की है। वहीं संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। आज भारत आत्मनिर्भरता, नवाचार, आर्थिक प्रगति तथा सांस्कृतिक गौरव के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

कबाड़ी बनकर करते थे रेकी रात में उड़ाते थे राशन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में पिछले डेढ़ माह से लगातार हो रही खाद्यान्न चोरी की घटनाओं का पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। कबाड़ खरीदने की आड़ में गांव-गांव घूमकर राशन दुकानों की रेकी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर पुलिस ने करीब 250 क्विंटल चोरी किया गया गेहूं एवं चावल, एक पिकअप वाहन और मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपियों ने जिले के चार थाना क्षेत्रों में हुई 13 चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से प्रशासन और ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बालाघाट के निर्देश पर विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र और सतत निगरानी के आधार पर आरोपियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। पुलिस के अनुसार थाना गढ़ी, बैहर, बिरसा और मलाजखण्ड क्षेत्र अंतर्गत संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों में चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही थीं। आरोपियों ने घुईटोला, जत्ता, मजगांव, डुडगांव, करेली,

खुर्सीपार, टिंगीपुर, पल्हेरा, परसाही और सुरवाही सहित विभिन्न गांवों की राशन दुकानों के शटर, चैनल गेट और ताले तोड़कर सरकारी खाद्यान्न चोरी किया था। इन घटनाओं में करीब 250 क्विंटल गेहूं और चावल चोरी होना पाया गया। हाल ही में मलाजखण्ड थाना क्षेत्र के ग्राम पल्हेरा स्थित राशन दुकान में चोरी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने संभावित मार्गों पर नाकाबंदी की। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर सूचना के आधार पर बछेरा पाठ-भोरा जंगल मार्ग पर एक संदिग्ध पिकअप वाहन का पीछा कर घेराबंदी की गई। वाहन में सवार चार आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने जिलेभर में हुई चोरी की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। उनकी निशानदेही पर चोरी किया गया पूरा खाद्यान्न बरामद कर लिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के जालौन जिले के निवासी हैं। इनमें से दो आरोपी वर्तमान में छत्तीसगढ़ के कबीरधाम (कवर्धा) जिले में रह रहे थे। सभी आरोपी पहले से एक-दूसरे के परिचित थे और संगठित रूप से वारदातों को अंजाम देते थे। आरोपी दिन के समय मोटरसाइकिल से गांवों में कबाड़ खरीदने और बेचने के बहाने घूमते थे। इस दौरान वे शासकीय राशन दुकानों की रेकी करते और ऐसी दुकानों को चिन्हित करते जहां सीसीटीवी कैमरे नहीं लगे हों या सुरक्षा व्यवस्था कमजोर हो। इसके बाद रात में पिकअप वाहन लेकर पहुंचते और लोहे के सरियों से शटर व ताले तोड़कर गेहूं-चावल की बोरियां वाहन में भरकर गांव से बाहर सुनसान स्थानों पर छिपा देते थे।

इन चोरी की घटना में सानू मंसूरी (27), निवासी कबीरधाम, छत्तीसगढ़, रज्जन वर्मा (26), निवासी कबीरधाम, छत्तीसगढ़, सद्दाम शाह (28), निवासी जालौन, उत्तर प्रदेश और रिजवान शाह (28), निवासी जालौन, उत्तर प्रदेश को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया। उनके पास से पिकअप वाहन क्रमांक मप्र 20-जेडटी-5980 और लगभग 250 क्विंटल शासकीय गेहूं एवं चावल सहित वारदात में प्रयुक्त अन्य सामग्री जब्त किया गया है। इस बड़ी कार्रवाई में एसआईटी के अधिकारियों, साइबर सेल और विभिन्न थाना क्षेत्रों के पुलिसकर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक बालाघाट ने पूरी टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए नगद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस ने आरोपियों का रिमांड प्राप्त कर लिया है और उनसे जिले एवं आसपास के क्षेत्रों में हुई अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में पूछताछ जारी है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ से कई और मामलों का खुलासा हो सकता

वार्डबॉय का मैसेज- 'मेरा इंतजार मत करना' और दूसरे दिन मिला संदिग्ध शव

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। भरवेली थाना अंतर्गत ग्राम जरेरा के पास मंगलवार की दोपहर में खेत में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक युवक की पहचान हेमंत पिता रामकिशोर यादव उम्र 28 वर्ष वार्ड नंबर 1 नेमा कॉलोनी बालाघाट निवासी बताया गया हैं। पुलिस ने शव बरामद कर अग्रिम कार्रवाई करते हुए शव को शाम में जिला अस्पताल की मस्चुरी में रख दिया गया, जहां शव का पोस्टमार्टम बुधवार की दोपहर में किया गया और शव परिजनों को सौंपा दिया गया। जानकारी अनुसार, हेमंत यादव जिला अस्पताल में वार्डबॉय के पद पर पदस्थ था। जो रोजाना की तरह 8 जून की दोपहर में जिला अस्पताल के लिए घर से निकला था, लेकिन शाम तक घर नहीं पहुंचा लेकिन शाम को अपने रिश्तेदार ममेरे भाई को मैसेज किया कि च्मेरा इंतजार मत करनाज्ज जिसके बाद परिजनों ने जिला अस्पताल पहुंचकर तलाशी की तो पता चला कि वह सुबह से ही जिला अस्पताल नहीं पहुंचे फिर उन्होंने अपने परिचितों से चर्चा की तो कहीं पता नहीं चला तो उन्होंने कोतवाली पुलिस थाना में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज की। फ़िर परिजनों ने जरेरा में पैतृक खेती में तलाश शुरू की गई तो उन्हें क़रीब 3꞉00 बजे हेमंत यादव का संदिग्ध शव दिखाई दिया। जहां शरीर से कपड़े उतरे हुए थे, बाईक दूर गिरी हुई थी और डिस्पोजल, पानी की बोतल व कीटनाशक दवा भी पास में पाई गई, हेमंत यादव के मुंह से खून निकल रहा था। सूचना मिलने ही भरवेली पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई पश्चात शव बरामद कर जिला अस्पताल पहुंचा गया, बुधवार को शव का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया गयाहै। परिजनों ने कहा की बॉडी फ्रीजर में सही रखी गई थी लेकिन सुबह जब निकाला गया तो बॉडी बहुत ही

ज्यादा गल चुकी थी उन्होंने आरोप लगाया की रात्रि में फ्रीजर बंद था इसीलिए ही बॉडी खराब हो चुकी थी। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन ने कहा कि मृतक अस्पताल में ही वार्डबॉय के पद पर अनुकंपा में पदस्थ था बहुत ही दुख की बात है लेकिन उसकी मौत हुई 8 घंटे कड़ी धूप में अर्धनंग अवस्था में खेत में पड़ा रहा इसीलिए ही उसका बॉडी में पॉपुलर पड़ गए थे अगर फ्रीजर बंद रही होगी तो उसकी भी जांच की जाएगी। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। हेमंत को उनके पिता की मृत्यु के बाद जिला अस्पताल में वार्डबॉय के पद पर अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। डेढ़ महीने पहले ही उनका विवाह हुआ था। उनके परिवार में मां, भाई-भाभी, भतीजी और पत्नी हैं। पुलिस ने इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। भरवेली थाना प्रभारी भूपेन्द्रसिंह पंद्रो ने बताया कि युवक की गुमशुदगी की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई थी। चूंकि युवक बालाघाट के बूढ़ी में रहता था, लेकिन उसका शव उनके थाना क्षेत्र के जरेरा गांव में मिला है। घटनास्थल के आसपास तलाशी में जहरीली दवा भी मिली है।

विकास के नाम पर सरकारी धन जनता के हित में लगाया या फिर कागजों में ही कर दिया खर्च, उठी जांच की मांग

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

जिले की जनपद पंचायत नैनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत पाण्डीवारा के ग्रामीणों ने जनसुनवाई में शिकायत की है। ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव पर लाखों रुपये के विकास कार्यों में अनियमितता वित्तीय गड़बड़ी और राशि के दुरुपयोग के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों पर कार्रवाई मांग की है। ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए आवेदन में पंचायत के कामकाज को लेकर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार पंचायत में विकास कार्यों के नाम पर सरकारी धन का उपयोग तो दिखाया गया लेकिन जमीनी स्तर पर कई कार्य अधूरे गुणवत्ताहीन या फिर संदिग्ध परिस्थितियों में किए गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत में पारदर्शिता नाम की कोई चीज नहीं बची है और आम लोगों को विकास कार्यों का हिसाब तक नहीं दिया जाता। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जुलाई 2024 से अब तक नल-जल योजना के तहत लिए गए नल कनेक्शनों से वसूली गई राशि का कोई स्पष्ट लेखा-जोखा नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि उपभोक्ताओं से वसूली गई रकम का हिसाब सार्वजनिक नहीं किया गया और राशि के गबन की आशंका है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह सीधे तौर पर ग्रामीणों की मूलभूत सुविधा से जुड़े धन के दुरुपयोग का मामला बन सकता है। आवेदन में उल्लेख किया गया है कि विधायक निधि से वर्ष 2022 में स्वीकृत तीन लाख रुपये की सीसी सड़क का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है लेकिन इसमें काम करने वाले श्रमिकों को आज तक भुगतान नहीं किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि राशि आहरित कर ली गई लेकिन मजदूर अपने मेहनताना के लिए भटक रहे हैं। इससे पंचायत की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके अलावा शारदा चौक मंच से उपस्वास्थ्य केंद्र तक बनाई गई सीसी सड़क को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई गई है। आरोप है कि निर्धारित लंबाई से कम सड़क बनाकर पूरी राशि निकाल ली गई। ग्रामीणों का कहना है कि कागजों में विकास दिखाई दे रहा है लेकिन जमीन पर हकीकत कुछ और है। ग्रामीणों ने वर्ष 2024-25 में कराए गए कुआं निर्माण एवं सुधार कार्यों पर भी सवाल उठाए हैं। आरोप है कि कार्य केवल कागजों में सुधार दिखाकर राशि निकाल ली गई जबकि मौके पर गुणवत्तापूर्ण काम नहीं हुआ। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि बिना उचित सुधार कार्य कराए ही पूरी राशि का आहरण कर लिया गया जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका और गहरा गई है। सबसे गंभीर आरोप पांचवां वित्त आयोग और अन्य योजनाओं के तहत स्वीकृत निर्माण कार्यों को लेकर लगाए गए हैं। शिकायत के अनुसार श्मशान घाट निर्माण सामुदायिक भवन निर्माण तथा मुख्यमंत्री ग्राम सड़क अवसंरचना योजना के कार्यों के लिए लाखों रुपये की राशि स्वीकृत हुई। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण सामग्री आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम भुगतान तक कर दिया गया लेकिन आज तक सामग्री कार्यस्थल तक नहीं पहुंची।

यदि यह आरोप सत्य साबित होते हैं तो यह केवल वित्तीय अनियमितता नहीं बल्कि सरकारी योजनाओं की खुली लूट का मामला माना जाएगा। ग्रामीणों का कहना है कि विकास कार्यों के नाम पर सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाया गया और जनता को केवल आश्वासन मिला। ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन पर पारदर्शिता खत्म करने का भी आरोप लगाया है। शिकायत के मुताबिक ग्रामसभा की बैठकों में जब ग्रामीण और वार्ड पंच निर्माण कार्यों का लेखा-जोखा मांगते हैं तो उन्हें जानकारी नहीं दी जाती। आय-व्यय का विवरण सार्वजनिक नहीं किया जाता और विकास कार्यों से संबंधित दस्तावेज भी नहीं दिखाए जाते। ग्रामीणों का कहना है कि लोकतंत्र की सबसे छोटी इकाई ग्राम पंचायत होती है लेकिन जब पंचायत ही जनता से जानकारी छिपाने लगे तो जवाबदेही की पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो जाते हैं। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि पंचायत के अधिकांश कार्य सरपंच के बजाय उनके पति द्वारा संचालित किए जा रहे हैं। शिकायतकर्ताओं का दावा है कि निर्माण कार्यों की निगरानी से लेकर बिल-वाउचर तैयार कराने तक में सरपंच पति की सक्रिय भूमिका रहती है।

ग्रामीणों ने इसे पंचायत व्यवस्था की भावना के विपरीत बताते हुए जांच मांग की है। ग्रामीणों ने पंचायत सचिव पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि सचिव समय पर पंचायत कार्यालय में उपस्थित नहीं रहते और निर्धारित समय से पहले ही कार्यालय छोड़ देते हैं। इसके कारण आम ग्रामीणों को अपने छोटे-छोटे कार्यों के लिए बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। लोगों का कहना है कि पंचायत कार्यालय में जवाबदेही की कमी के कारण ग्रामीण परेशान हैं और उनकी समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पाता।

पृथक सूचीकरण की मांग, सौंपा ज्ञापन

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेतृत्व में जनगणना के प्रथम चरण में ओबीसी वर्ग के मकानों का पृथक सूचीकरण नहीं किए जाने के विरोध में राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने आरोप लगाया कि वर्तमान जनगणना प्रक्रिया में अनुसूचित जाति एससी अनुसूचित जनजाति एसटी और अन्य श्रेणियों का उल्लेख है लेकिन ओबीसी वर्ग के लिए अलग विकल्प नहीं दिया गया है जिससे ओबीसी समुदाय के वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आ पाएंगे ज्ञापन में कहा गया कि जनगणना के पहले चरण में मकानों का सूचीकरण किया जा रहा है लेकिन यदि ओबीसी वर्ग के मकानों की अलग से गणना नहीं होगी तो भविष्य में ओबीसी जातिगत जनगणना के आंकड़े भी प्रभावित होंगे। संगठन ने मांग की कि जनगणना प्रक्रिया में ओबीसी वर्ग के लिए पृथक श्रेणी जोड़ी जाए ताकि उनके सामाजिक एवं आर्थिक आंकड़े स्पष्ट रूप से दर्ज किए जा सकें मोर्चा के पदाधिकारियों ने यह भी कहा कि जनगणना का कार्य डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप के जरिए किया जा रहा है। ऐसे में आंकड़ों की पारदर्शिता और सत्यता को लेकर लोगों के मन में सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया तो आगामी 22 जून को राष्ट्रव्यापी रैली और प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा।

युवा-संगम मेला 16 को

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला रोजगार कार्यालय आईटीआई एवं जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र द्वारा संयुक्त रूप से युवा-संगम मेला का आयोजन किया जा रहा है। यह रोजगार मेला 16 जून को ज्नगरपालिका मण्डला के हॉलज्ज् में प्रात: 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित होगा।

ग्रामीणों से किया संवाद

मण्डला (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं के प्रभावी समाधान एवं शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत गौराछापर में क्लस्टर स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया शिविर में कलेक्टर धोटे ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि जन समस्या निवारण शिविरों का उद्देश्य प्रशासन और आमजन के बीच संवाद को मजबूत बनाना तथा स्थानीय स्तर पर समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है।

प्रशिक्षु अधिकारी पहुंचे मंडला

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण पर आए 15 प्रशिक्षु अधिकारियों ने कलेक्टर से सौजन्य भेंट की। कलेक्ट्रेट में आयोजित इस मुलाकात के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों का स्वागत करते हुए जिले की प्रशासनिक कार्यप्रणाली, विकास योजनाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित गतिविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षु अधिकारियों में 14 सहायक संचालक वित्त तथा एक वन रेंज अधिकारी शामिल हैं।

जिले में लगेंगे जनकल्याण शिविर

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून तक जिले में विशेष जनकल्याण अभियान संचालित किया जाएगा। इस संबंध में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं। अभियान के तहत 12 जून से 18 जून तक जिले के प्रत्येक विकासखंड एवं नगरीय निकाय मुख्यालयों पर तीन दिवसीय जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों का उद्देश्य शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करना है। शिविरों में केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं के पात्र व्यक्तियों का पंजीयन स्वीकृति एवं लाभ वितरण किया जाएगा।

कलेक्टर ने बलराम से की मुलाकात

मण्डला (स्वतंत्र मत)। आधुनिकता की तेज रफ्तार के बीच अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संजोए रखने वाले माटी कला के कुशल शिल्पकार बलराम चक्रवर्ती से कलेक्टर ने उनके निवास पर पहुंचकर आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने चक्रवर्ती द्वारा वर्षों से संरक्षित और विकसित की जा रही पारंपरिक माटी कला को नजदीक से देखा तथा उनके अनुभवों को सुना मुलाकात के दौरान बलराम चक्रवर्ती ने मिट्टी से घी रखने के लिए उपयोग किए जाने वाले पारंपरिक पात्र का निर्माण कर उसकी विशेषताओं से अवगत कराया उन्होंने बताया कि प्राचीन समय में भोजन, अनाज, घी और अन्य आवश्यक वस्तुओं के भंडारण के लिए मिट्टी के विभिन्न प्रकार के बर्तनों का उपयोग किया जाता था, जो न केवल पर्यावरण के अनुकूल थे बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी लाभकारी माने जाते थे यह मुलाकात केवल एक कलाकार और प्रशासनिक अधिकारी के बीच संवाद भर नहीं थी बल्कि मिट्टी से जुड़ी उस सांस्कृतिक चेतना को सम्मान देने का प्रयास थी जिसने सदियों से भारतीय जीवन शैली को आकार दिया है।

वीएचएसएनडी का निरीक्षण

मण्डला (स्वतंत्रमत)। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती शालिनी तिवारी ने विकासखंड समनापुर अंतर्गत आयोजित टीकाकरण एवं स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान समनापुर पंचायत के आंगनवाड़ी केंद्र समनापुर तथा टिकरिया पंचायत के आंगनवाड़ी केंद्र टिकरिया एवं मझगांव में आयोजित ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस कार्यक्रम का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिन्हित गर्भवती महिलाओं का एएनसी प्रसव पूर्व जांच परीक्षण किया गया।

श्रीराम धुन के समापन पर संतों का सम्मान, रामभोग भंडारा में पहुंचे धर्मप्रेमी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मां नर्मदा तट स्थित माहिष्मति घाट में आयोजित सात दिवसीय संगीतमय श्रीराम धुन संकीर्तन का बुधवार को श्रद्धा भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ समापन हुआ। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में जिले भर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भगवान श्रीराम के नाम का सामूहिक जाप किया। समापन अवसर पर विधि-विधान से भगवान श्रीराम दरबार, भगवान भोलेनाथ एवं बांके बिहारी लाल का पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद भजन, कीर्तन और रामधुन के बीच श्रद्धालुओं ने श्रीराम नाम का स्मरण कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

पूरे सात दिनों तक माहिष्मति घाट राममय वातावरण में डूबा रहा जहां सुबह से लेकर शाम तक श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। आयोजन फट्टी वाले बाबा के शिष्य अंजनिया वाले गुरुजी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि पुरुषोत्तम मास में श्रीराम नाम का जाप विशेष पुण्यदायी माना जाता है। इसी उद्देश्य से सात दिवसीय रामधुन का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांसकार ने बताया कि श्रीराम धुन के माध्यम से समाज में धार्मिक जागृति संस्कारों का संरक्षण और भगवान के नाम के प्रति आस्था को मजबूत करने का संदेश दिया गया। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमियों, सहयोगकर्ताओं, सेवादारों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे धार्मिक आयोजनों के माध्यम से समाज को आध्यात्मिक रूप से जोड़ने का प्रयास जारी रहेगा। रामधुन समापन पर हवन पूजन पाठ के साथ संत समाज का शॉल श्रीफल से सम्मान करते हुए भंडारा का आयोजन किया गया जहां पर भक्तों ने रामभोग का आनंद लिया।

कार्यक्रम में पधारे संत महात्माओं का आभार सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश कछवाहा ने मंच का संचालन कर कार्यक्रम को गति दी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं वृक्षारोपण

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

वर्ल्ड ह्यूमंस राइट रिसर्च काउंसिल व आदर्श चौरसिया महिला मंच तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में आयुष विभाग द्वारा श्रीराम वार्ड स्थित कबीर चौक में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया शिविर में आयुर्वेदिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. एकता वाल्को ने उपस्थित क्षेत्रवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक तानुसार नि:शुल्क औषधियों का वितरण किया

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी आश्रम की मीना चौरसिया मुख्य अतिथि तथा वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं कार्यक्रम के दौरान वर्ल्ड ह्यूमंस राइट रिसर्च काउंसिल की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती शिखा श्रीवास्तव ने संगठन के उद्देश्यों एवं सामाजिक कार्यों की जानकारी दी वहीं सुश्री प्रेरणा मर्सकोले ने वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिलाओं एवं जरूरतमंदों को प्रदान की जाने वाली विभिन्न सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर श्रीराम वार्ड स्थित पुत्री शाला परिसर में औषधीय पौधों का रोपण भी किया गया इस अवसर पर चौरसिया महासभा प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती ममता चौरसिया, जिला अध्यक्ष श्रीमती रिंकू चौरसिया, किरण मोदी, अनुपमा चौरसिया, वर्षा चौरसिया, संजू चौरसिया, शालिनी चौरसिया, नीलिमा चौरसिया, राखी चौरसिया, ज्योत्सना चौरसिया, संगीता चौरसिया, सरिता महान, विनीत दुबे, संगीता गुप्ता, सारिका मिश्रा, पुत्री शाला की प्राचार्य जयति शुक्ला, शैलजा उपाध्याय, वरिष्ठ समाजसेवी राधा गुप्ता दीपक कुमार पाठक औषधि संयोजक, श्रीमती रामप्यारी यादव एवं बलराम नंदा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जगन्नाथ रथयात्रा की तैयारियों पर बैठक

मण्डला (स्वतंत्रमत)। भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा को लेकर उत्साह का माहौल है। इस्कॉन मंदिर उज्जैन के मार्गदर्शन में मंडला में द्वितीय वर्ष श्री जगन्नाथ रथयात्रा का आयोजन आगामी 24 जुलाई शुक्रवार को किया जाएगा रथयात्रा को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप देने के उद्देश्य से स्थानीय भक्तवृंद द्वारा तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं इसी क्रम में बैठक का आयोजन इस्कॉन सेंटर जगन्नाथ हाई स्कूल के सामने एसपी ऑफिस के पास कलेक्ट्रेट रोड में किया गया जहां उपस्थित भक्तों ने आयोजन की सफलता के लिए अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने तथा विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा के लिए एक सामूहिक बैठक का

आयोजन किया गया बैठक में रथ यात्रा की तैयारियों, प्रचार-प्रसार, सेवा कार्यों, सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रसाद वितरण एवं श्रद्धालुओं की सुविधाओं सहित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों, समाजसेवियों, धर्मप्रेमी नागरिकों एवं भक्तों से अधिक से अधिक संख्या में जुड़कर आयोजन को सफल बनाने का आह्वान किया गया। बैठक में वरिष्ठ समाजसेवी गणेश जसवानी नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सब्जी मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष उमाशंकर गुड्डू सिंधिया, सामाजिक कार्यकर्ता इंद्रेश बब्बल खरया, सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल, अंकित नामदेव ने अपने विचार व्यक्त करते हुए 24 जुलाई को आयोजित रथ यात्रा को सफल बनाने की चर्चा करते हुए रणनीति तय की।

सड़क से हटाए अतिक्रमण मिली राहत

मण्डला/घुघरी (स्वतंत्रमत)। क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और वर्षों से चली आ रही जाम की समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही की अनुविभागीय अधिकारी एसडीएम सचिन जैन स्वयं तेज धूप और दोपहरी में मौके पर पहुंचे तथा बस स्टैंड परिसर एवं जनपद रोड पर अव्यवस्थित रूप से लगी दुकानों को हटवाकर पुराने बाजार हाट परिसर में स्थानांतरित कराया घुघरी के जनपद रोड और बस स्टैंड क्षेत्र में प्रत्येक सप्ताह लगने वाले बाजार के कारण यातायात बाधित हो जाता था सड़क पर दुकानों के फैलाव से पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता था प्रशासन द्वारा पूर्व में कई बार समझाइश देने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हुआ था प्रशासन ने सभी दुकानदारों को पुराने बाजार हाट परिसर में दुकान लगाने के निर्देश दिए कार्यवाही के दौरान कुछ व्यापारियों ने पूर्व स्थान पर ही दुकान लगाने का प्रयास किया जिस पर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए उनका सामान जब्त कर लिया बाजार शिफ्टिंग के साथ ही बस स्टैंड से बस्ती की ओर जाने वाले मार्ग पर किए गए अवैध अतिक्रमण को भी हटाया गया। कई दुकानदारों द्वारा सड़क पर टीन शेड और अतिरिक्त निर्माण कर रास्ता संकरा कर दिया गया था जिसे प्रशासन ने मौके पर हटवा दिया।

ड्रोन पायलट भर्ती कैम्प आज

मण्डला (स्वतंत्र मत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था आईटीआई मंडला एवं जिला रोजगार कार्यालय के सहयोग से आज सुरक्षा जवान, ड्रोन पायलट, सुरक्षा सुपरवाइजर एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर पदों के लिए भर्ती कैंप आयोजित किया जाएगा। यह भर्ती शिविर सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक आईटीआई परिसर में आयोजित होगा।

मतदाता संशोधित कार्यक्रम

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल द्वारा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण वर्ष 2026 की तैयारी के लिए प्रक्रिया एवं समय-सारणी में संशोधन करते हुए नया कार्यक्रम जारी किया गया है। इस संबंध में आयोग ने प्रदेश के सभी कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों स्थानीय निर्वाचन को निर्देश जारी किए हैं आयोग द्वारा जारी पत्र के अनुसार पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण कार्यक्रम के द्वितीय चरण की समय-सीमा में संशोधन किया गया है संशोधित कार्यक्रम के तहत दावा-आपत्ति प्राप्त करने, उनका निराकरण करने तथा अंतिम मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएगी।

अपनी मांगों को लेकर पेंशनरों ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

नैनपुर।

प्रोग्रेसिव पेंशनर एसोसियेशन तहसील शाखा नैनपुर द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर एस डी एम के माध्यम से प्रदेश शासन को एक ज्ञापन सौंपा गया । मध्य प्रदेश शासन के पेंशनरों के प्रति उपेक्षा पूर्ण निर्णयों के विरोध में तहसील शाखा नैनपुर ने अपनी मुख्य मांग में कैश लेश बीमा में पेंशनरों से 4ल बीमाराशि देने, धारा 49/6 को, समाप्त करने, विगत समय के डी आर के एरियर्स को लंबित न रखने के साथ ही अन्य मागों के लिए संघर्ष करना शामिल किया गया है।

इस अवसर पर सभी पेंशनरों ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया । जिसमें ए एस राजपूत संभागीय उपाध्यक्ष, आर जी पटले अध्यक्ष, ई एन भारती, ओ पी अग्रवाल,चंद्रशेखर धुर्वे, जे एस ठाकुर , सालीवाड़ा अध्यक्ष सुदामा प्रसाद राय, पिंडरई से देवव्रत झरिया, सुमति जैन, बम्हनीबंजर से जे पी सिंगौर ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन की शक्ति प्रदर्शन पर जोर दिया और अपनी मांगो को मनवाने के लिए हर स्तर तक जाने की बात कही कल के शक्ति प्रदर्शन में बड़ी संख्या में मातृ शक्तियों और पेंशनरों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष आर जी पटले ने किया। सभी पेंशनर साथियों को उनके अपेक्षित सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी अपने अधिकारों के लिए लड़ते रहने की अपेक्षा जताई गई।

संपादकीय

वार-पलटवार के सौ दिन

ईरान युद्ध के 100 दिन बीत चुके हैं। अब यह अनचाहा युद्ध बनता जा रहा है। न तो अमरीका जीत का दावा कर सकता है और न ही ईरान को आत्मसमर्पण के लिए विवश किया जा सका है। उसके भी विनाशक पलटवार जारी हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिससे अमरीका और ईरान अब बाहर निकलना और एक साझा समझौता करना चाहते हैं, लेकिन जिद और महत्वाकांक्षाएं रोड़े अटका रही हैं। यह ऐसा युद्ध है, जिसने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को हिला कर रख दिया है, महामंदी के आकलन किए जा रहे हैं, 146 देशों में तेल-गैस-खाद के संकट गहराते जा रहे हैं और समुद्री सप्लाई चेन का एक महत्वपूर्ण मार्ग लगभग बंद है। नतीजतन विश्व आर्थिकी को 474 लाख करोड़ रुपए की चोट लग चुकी है। यह विभिन्न एजेंसियों के आकलन के निष्कर्ष हैं। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने चेताया है कि यदि ऊर्जा-बाधा और संकट जारी रहे, तो वैश्विक जीडीपी और रोजगार को गंभीर झटके लगेंगे। विश्व बैंक और आईएमएफ के आकलन पहले ही सामने आ चुके हैं कि वैश्विक जीडीपी की विकास दर 2 फीसदी तक लुढ़क सकती है। बीते 80 साल में, लगभग द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, यह पहला युद्ध है, जिसमें 14 देश प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से जुड़े हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पहली बार बंद हुआ है। युद्ध में करीब 7000 लोग मारे जा चुके हैं और करीब 55,000 घायल बताए गए हैं। ईरान के करीब 32 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। लेबनान में 10 लाख से अधिक लोग विस्थापित बताए गए हैं। ऐसा नहीं है कि अमरीका और इजरायल के नुकसान नहीं हुए हैं। अमरीका के सैन्य खर्च, महंगाई और अप्रत्यक्ष प्रभाव आदि पर 100 लाख करोड़ रुपए से अधिक की चपत लग चुकी है। आज अमरीका पर 39 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज है, जबकि उसकी कुल अर्थव्यवस्था 32 ट्रिलियन डॉलर से कुछ अधिक की है। ईरान के जीडीपी और बुनियादी ढांचे को लेकर 28.5 लाख करोड़ रुपए और खाड़ी देशों को ऊर्जा-ढांचों को ध्वस्त करने या जला देने के कारण 5.54 लाख करोड़ रुपए के नुकसान आंके गए हैं। वैश्विक जीडीपी पर 339 लाख करोड़ रुपए का भारी नुकसान माना जा रहा है। इन नुकसानों और विपरीत, ढहती आर्थिक परिस्थितियों के बावजूद और 100 दिनों के टकराव, तनाव के बाद भी युद्ध खत्म होने के आसार दिख नहीं रहे हैं। भारत पर ईरान युद्ध के प्रभावों को लेकर हम विश्लेषण करते रहे हैं, लेकिन अब आम आदमी और रसोई गैस के संदर्भ में विश्लेषण करें, तो कई दरारें सामने आ रही हैं। भारत में रसोई की एलपीजी के उपभोक्ता करीब 33 करोड़ हैं। 'उज्ज्वला योजना' के 10.58 करोड़ लाभार्थी हैं। जब से एलपीजी का संकट पैदा हुआ है और लगातार उसके दाम बढ़ाए जा रहे हैं, तब से एलपीजी की खपत 30 फीसदी कम हो गई है। लोग इंडक्शन चूल्हे पर आ गए हैं या लकड़ी-कोयला जला कर रसोई का चूल्हा जिंदा रखे हैं। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और अन्य मंत्रियों ने बयान जारी रखे हैं कि भारत में अन्य देशों की तुलना में गैस सस्ती दी जा रही है। ये तुलनाएं ही गलत हैं। अब तो एलपीजी की राशनिंग भी शुरू हो गई है। लिहाजा, सरकार को महंगाई के साथ औसत कमाई भी देखना चाहिए।

कब होगा राहुल गांधी का निष्पक्ष राजनीतिक मूल्यांकन?

दिलीप कुमार पाठक
लेखक पत्रकार हैं

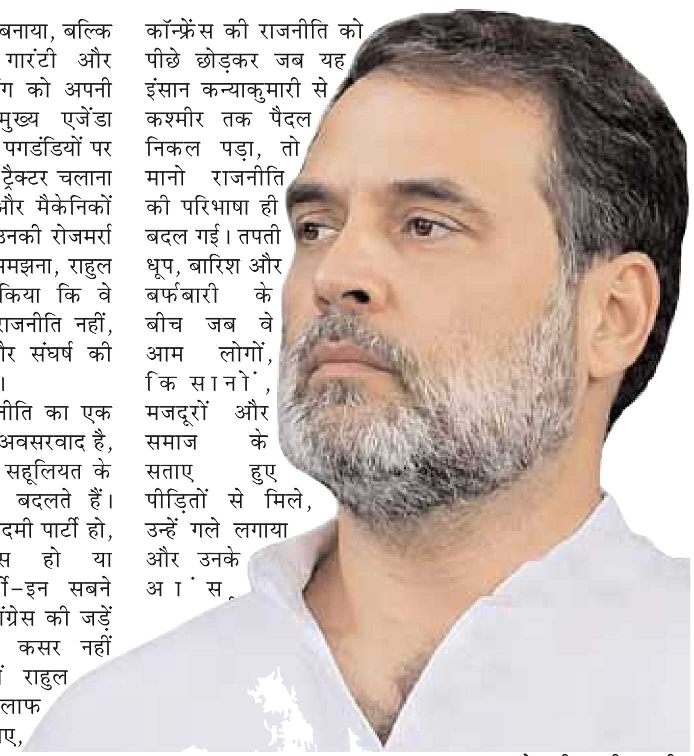

राजनीति में किसी नेता की छवि को बनाने और बिगाड़ने का खेल नया नहीं है। लेकिन जो खेल राहुल गांधी के साथ खेला गया, उसकी मिसाल पूरी दुनिया के लोकतांत्रिक इतिहास में नहीं मिलती। एक पूरे तंत्र ने, असीमित पैसे और सोशल मीडिया की ताकत के दम पर, बरसों तक उनकी एक खास तरह की छवि गढ़ने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी। सुबह से शाम तक मुख्यधारा के मीडिया और ट्रोल सेना का बस एक ही काम था-राहुल गांधी को खारिज करना। लेकिन वक्त की सबसे अच्छी बात यह है कि वह हमेशा एक जैसा नहीं रहता। आज जब हम भारतीय राजनीति के बदलते समीकरणों को देखते हैं, तो हवा का रुख बदला हुआ साफ महसूस होता है।एक निष्पक्ष नजरिए से देखें तो यह बात हैरान करती है कि पिछले एक दशक से अधिक समय से जो पार्टी सत्ता में बैठी है, उसके निशाने पर आज भी विपक्ष का एक नेता ही क्यों सबसे ऊपर रहता है?

देश में कोई भी मुद्दा हो, बेरोजगारी की बात हो या महंगाई की, जवाब सत्ता से मांगा जाना चाहिए, लेकिन यहाँ हर सवाल का रुख मुड़कर राहुल गांधी की तरफ कर दिया जाता है। यह राजनीतिक क्रूरता नहीं तो और क्या है कि एक इंसान को कदम-कदम पर खुद को साबित करने के लिए मजबूर किया जाता है? यहाँ तक कि उनके परिवार के शहीदों तक पर उंगलियां उठाई गईं, लेकिन उस इंसान ने कभी अपनी शालीनता और मर्यादा का दामन नहीं छोड़ा। राहुल गांधी की राजनीति की सबसे बड़ी खूबी उनकी दूरदर्शिता रही है। अतीत में उन्होंने देश की आर्थिक नीतियों, महामारी के खतरों या सीमाओं की सुरक्षा को लेकर जो भी बातें कहीं, शुरुआत में भले ही सत्ता पक्ष ने उनका मज़ाक उड़ाया हो, लेकिन वक्त ने साबित किया कि उनकी एक-एक बात सच थी। राजनीति में अपनी बात का सही साबित होना ही किसी नेता की सबसे बड़ी परिपक्वता होती है। आज यही वजह है कि जनता उन्हें बेहद संजीदगी से सुनने लगी है। इस देश के युवा और किसान आज जिस गहरे संकट से गुजर रहे हैं, उनकी पीड़ा को राहुल गांधी ने बेहद करीब से महसूस किया है। परीक्षाओं के पेपर लीक होने से बर्बाद होते युवाओं के भविष्य की बात हो या रोजगार की तलाश में भटकते डिग्रीधारियों का दर्द, राहुल ने सड़क से लेकर संसद तक हर जगह युवाओं की बेबाक आवाज बनकर सरकार को घेरा है। ठीक इसी तरह, जब कड़कड़ाती ठंड और चिलचिलाती धूप में देश का अन्नदाता दिल्ली की सीमाओं पर अपने हक की लड़ाई लड़ रहा था, तब राहुल गांधी उनके बीच जाकर खड़े हुए। उन्होंने किसानों के दर्द को सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं बनाया, बल्कि उनकी कानूनी गारंटी और एमएसपी की मांग को अपनी राजनीति का मुख्य एजेंडा बनाया। खेतों की पगडंडियों पर किसानों के साथ ट्रैक्टर चलाना हो या कुलियों और मैकेनिकों के साथ बैठकर उनकी रोजमर्रा की जिंदगी को समझना, राहुल ने यह साबित किया कि वे ड्राइंग रूम की राजनीति नहीं, बल्कि पसीने और संघर्ष की सियासत करते हैं।

भारतीय राजनीति का एक और कड़वा सच अवसरवाद है, जहाँ नेता अपनी सहूलियत के हिसाब से रिश्ते बदलते हैं। चाहे वह आम आदमी पार्टी हो, तृणमूल कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी-इन सबने कभी न कभी कांग्रेस की जड़ें खोदने में कोई कसर नहीं छोड़ी। दिल्ली में राहुल गांधी के खिलाफ पोस्टर लगाए गए, बंगाल और उत्तर प्रदेश में कड़वाहट घोली गई। लेकिन राहुल गांधी का बड़प्पन देखिए कि जब भी इन क्षेत्रीय क्षत्रपों पर मुसीबत आई, वे सब कुछ भूलकर मदद के लिए आगे आए। अरविंद केजरीवाल के संकट के समय पैरवी के लिए वरिष्ठ वकीलों को खड़ा करना हो या विपक्षी एकजुटता के लिए हर कड़वाहट को पीना हो, राहुल ने हमेशा बड़े दिल का परिचय दिया। यह राजनीति की वह विडंबना है जहाँ मदद पाने वाले ही पीठ पीछे वार करने से नहीं चूकते, फिर भी राहुल अपनी धुन में आगे बढ़ते रहते हैं। उनकी इस सियासी यात्रा का सबसे खूबसूरत मोड़ था भारत जोड़ो यात्रा। बंद कमरों, बयानों और प्रेस कॉन्फ्रेंस की राजनीति को पीछे छोड़कर जब यह इंसान कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल निकल पड़ा, तो मानो राजनीति की परिभाषा ही बदल गई। तपती धूप, बारिश और बर्फबारी के बीच जब वे आम लोगों, किसानों, मजदूरों और समाज के सताए हुए पीड़ितों से मिले, उन्हें गले लगाया और उनके आंसू पोंछे, तो जनता ने उनके भीतर छिपे एक सच्चे और संवेदनशील इंसान को देखा। यह नफ़रत के बाज़ार में मोहब्बत की दुकान खोलने का कोई सियासी नारा नहीं था, बल्कि एक ऐसा जज्बा था जिसने करोड़ों लोगों के दिलों को सीधे छुआ।

हैरानी की बात यह है कि जिस इंसान पर चौतरफा हमले होते हैं, वह दूसरों के प्रति कितना उदार हो सकता है। चुनाव हारने के बाद जब उनकी धुर विरोधी स्मृति ईरानी को सोशल मीडिया पर बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा था, तब राहुल गांधी ही वह अकेले नेता थे जिन्होंने आगे आकर अपने समर्थकों से मर्यादा बनाए रखने की अपील की। यह दिखाता है कि राजनीति में गहरी वैचारिक दुश्मनी के बावजूद एक न्यूनतम मानवीय संवेदना बची रहनी चाहिए। आज सवाल यह नहीं है कि राहुल गांधी खुद को और कितना साबित करें। सवाल यह है कि इस देश का लोकतंत्र आख़िर कब तक एकतरफा नफ़रत और दुष्प्रचार की इस राजनीति को झेलता रहेगा? करोड़ों रुपये फूंकने के बाद भी अगर एक इंसान को जनता के दिलों से नहीं निकाला जा सका, तो इसका सीधा सा मतलब है कि सच को कुछ समय के लिए परेशान तो किया जा सकता है, लेकिन उसे कभी पराजित नहीं किया जा सकता।

प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर गंभीरता जरूरी

महात्मा गांधी ने वर्ष 1928 में ही उत्पादन और खपत के पश्चिमी मॉडल के चलते वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय असंतुलन की चेतावनी देते हुए कहा था-'ईश्वर कभी नहीं चाहता कि भारत कभी पश्चिम की तरह औद्योगिकीकरण अपनाए।' साथ ही कहा था कि 'एक छोटे से द्वीप साम्राज्य (इंग्लैंड) के आर्थिक साम्राज्यवाद ने आज दुनिया को जंजीरों से जकड़ रखा है। यदि तीस करोड़ की आबादी वाले देश ने ऐसा आर्थिक शोषण किया तो पूरी दुनिया टिड्डियों की तरह बेकार हो जाएगी।' गांधीजी का मानना था कि देश को आज़ादी के बाद गरीबी दूर करने और लोगों के सम्मानजनक जीवनयापन की दृष्टि से आर्थिक विकास करना ही होगा। ऐसे में भारत को अपने प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग में कहीं अधिक जिम्मेदारी दिखानी होगी और पर्यावरण को कम से कम नुकसान पहुंचाना होगा। दुखद है कि आज़ाद भारत की सरकारों ने गांधी के विचारों को पूरी तरह बिसरा दिया। परिणामस्वरूप, जहां मानव जीवन प्रभावित हुआ, वहीं संसाधनों पर कॉर्पोरेट घरानों के कब्जे से ग्रामीण और आदिवासी समाज बेदखली का शिकार हुआ। साथ ही औद्योगिक परियोजनाओं को प्रोत्साहन देने के कारण प्रदूषण की समस्या ने भयावह रूप ले लिया। इस तबाही के विरोध में देश में चिपको, नर्मदा और मछुआरों के आंदोलन सामने आए। इसके उपरांत देश में पर्यावरण मंत्रालय की स्थापना हुई और पारिस्थितिक नुकसान रोकने के लिए अनेक कानून बने। लेकिन सत्ता पर काबिज विभिन्न सरकारों ने समाज के व्यापक हित के बजाय निजी कॉर्पोरेट घरानों के हितों को सर्वोपरि मानकर उनके आगे झुकना उचित समझा। कॉर्पोरेट घरानों के निजी स्वार्थ के चलते प्रदूषित शहर, भयावह स्तर तक प्रदूषित वातावरण, मरती जीवनदायी नदियां, प्रदूषित जल, प्रदूषित वायु, गिरता भूजल स्तर, खत्म होते जलस्रोत व जंगल, प्रदूषित मिट्टी, बंजर होती जमीन आदि पर्यावरण विनाश और तबाही के स्पष्ट सबूत हैं। इसका सीधा असर मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसके बावजूद यह सिलसिला बेरोकटोक जारी है। वैश्विक स्तर पर देखें तो बीस वर्ष पहले हम सालाना आठ अरब मीट्रिक टन कार्बन वायुमंडल में छोड़ रहे थे, जिसका आंकड़ा बढ़कर आज डेढ़ गुणा से भी अधिक हो गया। इसके कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है। आज दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग की चर्चा जोरों पर है। प्रकृति का मिजाज बदल रहा है, और इसमें जलवायु परिवर्तन ने अहम भूमिका निभाई है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के कार्यकारी निदेशक का कहना है कि दुनिया में ऊर्जा की जरूरत पूरी करने के लिए कोयला, तेल और गैस का अधिक इस्तेमाल हो रहा है। भारत के संदर्भ में ब्राउन टू ग्रीन रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन रोकने के भारत के प्रयास अभी भी नाकाफी हैं। भारत ने 2030 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 33-35 प्रतिशत तक कमी लाने का ऐलान किया था, लेकिन पेरिस समझौते के मुताबिक डेढ़ डिग्री के लक्ष्य के हिसाब से यह पर्याप्त नहीं है। देश को विभिन्न क्षेत्रों के लिए अपने उत्सर्जन लक्ष्य नए सिरे से तय करने की आवश्यकता है, अन्यथा 2095 तक धरती का तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। यदि कार्बन उत्सर्जन में कमी न आई तो जल संकट बढ़ेगा, बीमारियां बढ़ेंगी, खाद्यान्न उत्पादन में कमी आएगी, ध्रुवों की बर्फ तेज गति से पिघलेगी, समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ेगा। नतीजन, दुनिया के कई देश पानी में डूब सकते हैं। समुद्र किनारे बसे सैकड़ों शहर-महानगर जलमग्न होंगे, और लगभग 20 लाख से अधिक प्रजातियां सदा-सदा के लिए खत्म हो जाएंगी। वहीं, सदियों से जीवन के आधार रहे खाद्य पदार्थों के पोषक तत्व कम हो जाएंगे। विशेष रूप से बी-1, बी-2, बी-5 और बी-8 जैसी विटामिनों में कमी आएगी। बीमारियों से बचाने वाले जैव रसायनों में भी कमी आने की संभावना है। यदि पृथ्वी का तापमान और अधिक बढ़ गया तो धरती का एक-चौथाई हिस्सा रेगिस्तान में तब्दील हो जाएगा। वहीं 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे का शिकार होगा। नतीजतन, दुनियाभर में लगभग 150 करोड़ से अधिक लोग प्रभावित होंगे। जंगलों में आग की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि होगी। इसका सबसे ज्यादा असर भारत समेत दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण यूरोप, मध्य अमेरिका और दक्षिण ऑस्ट्रेलिया पर पड़ेगा। चौंकाने वाली बात यह कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते पहले बीते चार दशकों में कम हो चुकी उर्वरा शक्ति वाली जमीन की सेहत बिगड़ने की दर अब सौ गुणा बढ़ गई है। उस हालत में भविष्य में दुनिया की आबादी का पेट भरने के लिए अन्य संसाधनों पर निर्भर होना पड़ेगा।

- ज्ञानेन्द्र रावत
(लेखक पर्यावरणविद् हैं)

जिस बगावत से बनी थी टीएमसी, क्या वही बगावत उसे तोड़ देगी?

राज कुमार सिन्हा
बरगी बांध विस्थापित एवं प्रभावित संघ

पश्चिम बंगाल की राजनीति हमेशा से तेज राजनीतिक संघर्ष और नाटकीय घटनाक्रमों के लिए जानी जाती रही है। 1998 में ममता बनर्जी ने खुद कांग्रेस से बगावत कर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) बनाई थी। ठीक वैसे ही आज टीएमसी में विभाजन हो रहा है और विद्रोही गुट खुद को असली टीएमसी बता रहा है। टीएमसी अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी के 58 विधायकों ने बगावत कर दी है। बागी गुट ने ममता बनर्जी के बजाय ऋतब्रत बनर्जी को विधायक दल का नया नेता चुन लिया है और पार्टी में टूट का दौर जारी है। संकट उस समय और गहरा गया जब ममता बनर्जी दिल्ली में इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने आई थी और उसी दौरान टीएमसी के कई असंतुष्ट सांसद बीजेपी नेता भूपेंद्र यादव के आवास पर बैठक करते नजर आए। संकट अब संसद तक पहुंच चुका है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर रॉय ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है।खबर आई कि कम से कम 20 असंतुष्ट सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर एनडीए में शामिल होने की इच्छा जताई है। हालांकि इस पर अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है लेकिन इस घटनाक्रम ने पार्टी नेतृत्व की चिंता कई गुना बढ़ा दी है।।टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी अपनी पार्टी को बिखरने से बचाने के लिए बागी विधायकों व सांसदों से व्यक्तिगत संपर्क साध रही हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है।पार्टी को टूटने से बचाने के लिए ममता ने संगठन में व्यापक बदलाव करते हुए अभिषेक बनर्जी के प्रभाव को सीमित किया है और पुराने, भरोसेमंद नेताओं को वापस कमान सौंपी है। तृणमूल कांग्रेस में पिछले कुछ वर्षों के दौरान अभिषेक बनर्जी का राजनीतिक प्रभाव लगातार बढ़ा है। पार्टी के भीतर कई फैसलों में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती रही है। पार्टी के भीतर लंबे समय से दो अलग-अलग धाराओं की चर्चा होती रही है। एक ओर वे नेता हैं जो पार्टी के शुरुआती संघर्ष के दिनों से जुड़े रहे हैं, जबकि दूसरी ओर नई पीढ़ी के नेता हैं जो हाल के वर्षों में प्रभावशाली बने हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि इन दोनों समूहों के बीच बढ़ती दूरी ने संगठनात्मक संकट को और गहरा किया है। कई वरिष्ठ नेताओं को लगता है कि पार्टी में उनकी भूमिका पहले जैसी नहीं रही, जबकि नई पीढ़ी संगठन में अधिक प्रभाव चाहती है।

इस गंभीर राजनीतिक उथल-पुथल के बीच राष्ट्रीय स्तर पर ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस को कांग्रेस में विलय करने का प्रस्ताव भी दिए जाने की चर्चाएं जोरों पर है।इधर मौजूदा टीएमसी बागी गुट का इरादा अलग पार्टी बनाने का नहीं है, वे खुद को असली तृणमूल करार दे रहे हैं। उनकी कोशिश पार्टी के संगठन चुनाव चिह्न और टीएमसी की पूरी राजनीतिक विरासत पर कब्जा करने की है। बागी गुट सीधे तौर पर ममता बनर्जी पर हमला नहीं कर रहा है। बागी नेताओं का कहना है कि वे अभी भी ममता बनर्जी का सम्मान करते हैं और पार्टी बनाने में उनके योगदान को मानते हैं। ऋतब्रत बनर्जी ने तो यहां तक कहा कि वे ममता बनर्जी से इस विपक्षी मोर्चे की मुख्य सलाहकार बनने का अनुरोध करेंगे। उनकी असली लड़ाई अभिषेक बनर्जी और उनके करीबी सलाहकारों के बढ़ते प्रभाव से है। बागी गुट बंगाल में एक ऐसा नया राजनीतिक स्पेस बनाना चाहता है जो न तो मौजूदा टीएमसी का ढांचा हो और न ही भाजपा हो। इस गुट ने खुद की अलग छवि बनाने का एलान किया है। पिछले कुछ दिनों में जो कुछ हुआ है उसने पश्चिम बंगाल की राजनीति की दशा और दिशा बदल दी है। कभी बंगाल की राजनीति का सबसे मजबूत किला मानी जाने वाली तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी अपने अस्तित्व की सबसे कठिन परीक्षा से गुजर रही है। फिर भी टीएमसी के भीतर अभी भी एक बड़ा वर्ग ममता बनर्जी के साथ खड़ा दिखाई देता है लेकिन लगातार बढ़ती बगावत ने पार्टी के भविष्य को अनिश्चित बना दिया है।एक समय विरोधी दलों को चुनौती देने वाली तृणमूल कांग्रेस अब अपने ही संगठन को एकजुट रखने की चुनौती से जूझ रही है। पश्चिम बंगाल की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। जिस तृणमूल कांग्रेस ने तीन दशकों तक ममता बनर्जी के नेतृत्व में बंगाल की राजनीति को दिशा दी, आज वही पार्टी अपने इतिहास के सबसे गंभीर आंतरिक संकट का सामना कर रही है। यह संघर्ष केवल कुछ विधायकों और सांसदों की नाराजगी का मामला नहीं है, बल्कि नेतृत्व, संगठनात्मक संरचना, राजनीतिक विरासत और भविष्य की दिशा को लेकर गहरे मतभेदों का परिणाम है। बागी गुट द्वारा स्वयं को च्असली टीएमसीज घोषित करना इस संकट को और जटिल बना देता है, क्योंकि लड़ाई केवल सत्ता की नहीं बल्कि पार्टी की पहचान और विरासत की भी है। ममता बनर्जी अब उस दौर से गुजर रही हैं जहां उनकी राजनीतिक कुशलता, संगठन पर पकड़ और जनाधार की वास्तविक शक्ति की परीक्षा हो रही है। यदि वे असंतुष्ट नेताओं को साथ लाने और संगठन में विश्वास बहाल करने में सफल होती हैं तो टीएमसी इस संकट से उबर सकती है। लेकिन यदि बगावत का दायरा और बढ़ता है, तो यह केवल तृणमूल कांग्रेस ही नहीं बल्कि पूरे पश्चिम बंगाल के राजनीतिक समीकरणों को बदल सकता है। आने वाले महीनों में यह स्पष्ट होगा कि टीएमसी इस चुनौती को अवसर में बदल पाती है या बंगाल की राजनीति किसी नए अध्याय की ओर बढ़ती है।आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पार्टी नेतृत्व इस संकट से कैसे बाहर निकलता है और क्या संगठन दोबारा पहले जैसी मजबूती हासिल कर पाता है?

सेवा और सुविधा का फर्क

आप घर से बाहर कहीं भी जाइए, आपको हर स्थान पर सहायकों का एक दल मिलेगा जिसे उस संस्था के आयोजक सेवा दल का नाम देते हैं। सरकारी नौकरी करने वाले लोग भी सेवक कहलाते हैं। नौकरी देने वाली संस्था का नाम ही लोक सेवा आयोग है। राजनीति में आने वाले लोग भी स्वयं को जनता का सेवक कहते हैं, लेकिन उनका तो उद्देश्य अपना हित ज्यादा होता है। मेरी दृष्टि में हर वह कार्य जिसके लिए आपको वेतन मिलता है वह आपकी जीविका का साधन है, सेवा नहीं। इन सभी स्थानों पर परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से आप स्वयं ही इन सेवाओं का भुगतान करते हैं जिसे आज की प्रचलित भाषा में सुविधा शुल्क कहा जाता है। सेवा कभी खरीदी या बेची नहीं जा सकती। सेवा एक अमूर्त भावना है जिसके प्रतिदान में कोई भी अपेक्षा या प्रत्याशा नहीं होती। यह सिर्फ अनन्य प्रेम, करुणा, दया या श्रद्धा से जुड़ी भावना है जिसके पीछे न कोई स्वार्थ होता है न ही लालच। सेवा के पीछे परोपकार की भावना जुड़ी होती है जहां आप निर्मल मन से केवल सामने वाले के कष्ट को कम करने के प्रयास में तन मन धन से जुट जाते हैं। हर हाल में उसे सुख पहुंचाना चाहते हैं, यह जानते हुए भी कि आपको इसके प्रतिदान में कुछ मिलने वाला नहीं है। सेवा एक विशुद्ध सात्विक कर्म है जो सेवा पाने वाले और सेवा करने वाले दोनों को ही अनिर्वचनीय आनंद से भर देता है। इस निष्काम सेवा के भी तीन रूप होते हैं- एक सेवा वह है, जिसके तहत हम किसी साधु-महात्मा या किसी बुज़ुर्ग को सम्मान देने के लिए उनके सारे काम करते हैं, उनके पैर दबाते हैं, उनके भोजन पानी की व्यवस्था करते हैं ताकि उनकी सहायता हो जाए और हमें उनका आशीर्वाद मिल जाए। दूसरी सेवा के तहत आता है मंदिरों या गुरुद्वारों में जाकर सेवा कार्य करना जैसे इन देवस्थानों की साफ़-सफाई, जूते चप्पलों का रख-रखाव या वहां की रसोई में भोजन बनाने या परोसने खिलाने में मदद करना। तीसरी सेवा वह होती है जो बिलकुल दीन-हीन, असहाय, लाचार अस्वस्थ रोगियों के लिए की जाती है। जिन्हें मदद न मिले तो उनका जीवन संकट में आ जाए। हर मनुष्य जिसमें मानवता शेष है। अपनी क्षमता और सामर्थ्य के अनुसार कुछ न कुछ सेवा तो अवश्य ही करता है।

- साधना वैद्य

सिस्टम की आग में जलते मजदूर, प्रगति का स्वांग कब तक?

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद

जब रोज़ी-रोटी कमाने निकले हाथ आग की लपटों में खो जाएं, तब हादसे सिर्फ दुर्घटनाएं नहीं, व्यवस्था की नाकामी का आईना बन जाते हैं। विशाखापत्तनम स्टील प्लांट में 8 जून 2026 की वह शाम भी ऐसा ही दर्दनाक सच बनकर उभरी। स्टील मेल्टिंग शॉप-1 में लेडल फटने के बाद 1600 डिग्री तापमान की पिघली धातु मजदूरों पर बरसी तो केवल आठ श्रमिकों की जान नहीं गई, बल्कि सुरक्षित और मानवीय औद्योगिक विकास का दावा भी सवालों के घेरे में आ गया। आग ने उनके शरीर झुलसाए, लेकिन उससे कहीं गहरा घाव हमारी व्यवस्था की संवेदनहीनता पर लगा। विकास की चकाचौंध के पीछे छिपा यह अंधेरा पूछ रहा है-क्या इस देश में एक मजदूर की कीमत अब लोहे से भी कम रह गई है?

हर बड़ी त्रासदी से पहले लापरवाही की कई अनदेखी परतें होती हैं। यह हादसा भी अचानक नहीं हुआ। जर्जर मशीनें, सुरक्षा में चूक, अधूरा रखरखाव, कमजोर प्रशिक्षण और ठेका श्रमिकों के प्रति उपेक्षा ने मिलकर वह हालात बनाए, जिनमें आठ जिंदगियां बुझ गईं। विडंबना यह है कि खतरे के संकेत पहले ही मिल चुके थे। कुछ सप्ताह पूर्व इसी संयंत्र में कार्बन मोनोऑक्साइड रिसाव से चार श्रमिक अस्पताल पहुंचे थे। चेतावनी साफ थी, लेकिन व्यवस्था ने उसे नजरअंदाज कर दिया। सच यह है कि हादसे विस्फोट के दिन नहीं होते; वे उसी दिन शुरू हो जाते हैं, जब चेतावनियों को फाइलों में दफना दिया जाता है।

यह सिर्फ विजाग (विशाखापत्तनम) स्टील प्लांट का हादसा नहीं, बल्कि देश की औद्योगिक व्यवस्था का कड़वा सच है। मैन्युफैक्चरिंग, खनन और इस्पात क्षेत्रों में हर वर्ष सैकड़ों श्रमिक मौत के मुंह में समा जाते हैं। जो आंकड़े दिखते हैं, वे अधूरी तस्वीर हैं; असंगठित क्षेत्र में तो कई मौतें रिकॉर्ड तक नहीं बन पातीं। ठेकेदारी व्यवस्था ने श्रमिक को अधिकारों वाले इंसान से ज्यादा एक इस्तेमाल की वस्तु बना दिया है। न पर्याप्त सुरक्षा, न समुचित प्रशिक्षण, न संकट से बचाव की ठोस व्यवस्था। जब एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक संयंत्र में सुरक्षा का यह हाल है, तो उन निजी इकाइयों की स्थिति का अनुमान सहज लगाया जा सकता है, जहां मुनाफा अक्सर इंसानी जिंदगी पर भारी पड़ जाता है।

इस त्रासदी का सबसे असहज सवाल जवाबदेही का है। हमारे यहां हर बड़े हादसे के बाद वही घिसा-पिटा क्रम दोहराया जाता है-शोक, मुआवजा, जांच समिति और कुछ दिनों तक मीडिया की हलचल। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। पर क्या कभी सचमुच जिम्मेदारों की पहचान होती है? क्या दोष केवल मशीन का था या महज तकनीकी विफलता का? बिल्कुल नहीं। इस हादसे की जिम्मेदारी प्रबंधन, सुरक्षा तंत्र, निरीक्षण एजेंसियों, श्रम विभाग, सरकारों और उस राजनीतिक संस्कृति पर भी है, जो जवाबदेही से अधिक संरक्षण को महत्व देती है। यदि निरीक्षण निष्पक्ष होते, सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होती और भ्रष्टाचार की परतें इतनी मोटी न होतीं, तो शायद यह त्रासदी टाली जा सकती थी। दुर्भाग्य से हमारे यहां हादसों की जांच होती है, व्यवस्था की नहीं।

एक ओर भारत तेज़ आर्थिक विकास, निवेश, विनिर्माण और बुनियादी ढांचे के नए कीर्तिमान गढ़ने का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर श्रमिकों की सुरक्षा लगातार सवालों के घेरे में है। किसी भी विकास की असली कसौटी आंकड़े नहीं, बल्कि सबसे कमजोर व्यक्ति की सुरक्षा होती है। यदि उत्पादन बढ़ाने की कीमत श्रमिकों के प्राण बन जाए, तो उसे प्रगति नहीं, संस्थागत अमानवीयता कहना अधिक उचित होगा। किसी राष्ट्र की महानता उसकी गगनचुंबी इमारतों से नहीं, उन हाथों की सुरक्षा से तय होती है जो उन्हें खड़ा करते हैं। दुर्भाग्य यह है कि हमारे यहां अक्सर उत्पादन के लक्ष्य इंसानी जीवन से अधिक मूल्यवान मान लिए जाते हैं।

इस संकट की जड़ें मशीनों में नहीं, मानसिकता में छिपी हैं। यह केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक विफलता है। भ्रष्टाचार, लागत घटाने की होड़, प्रशासनिक उदासीनता और राजनीतिक संरक्षण ने ऐसी व्यवस्था गढ़ दी है, जहां मजदूर को इंसान नहीं, बदले जा सकने वाले संसाधन की तरह देखा जाता है। एक श्रमिक की जगह दूसरा मिल सकता है, लेकिन किसी परिवार का सहारा, बच्चों के सपने और माता-पिता की उम्मीदें नहीं लौट सकतीं। सबसे खतरनाक बात यह है कि व्यवस्था अक्सर ऐसी त्रासदियों को सामान्य मानकर आगे बढ़ जाती है। जब किसी वर्ग की पीड़ा साधारण लगने लगे, तब हादसे सिर्फ कारखानों में नहीं, समाज की संवेदनाओं में भी होने लगते हैं।

हर नई त्रासदी यह साबित कर रही है कि चेतावनियों को अब और अनसुना नहीं किया जा सकता। औद्योगिक सुरक्षा को औपचारिकता नहीं, अनिवार्य जिम्मेदारी बनाना होगा। प्रत्येक इकाई में स्वतंत्र सुरक्षा ऑडिट हों और लापरवाही से हुई मौतों पर जिम्मेदार प्रबंधकों, अधिकारियों व ठेकेदारों के खिलाफ केवल विभागीय कार्रवाई नहीं, बल्कि आपराधिक मुकदमे चलें। ठेका श्रम व्यवस्था पर सख्त नियंत्रण, श्रमिकों को प्रभावी प्रशिक्षण, आधुनिक सुरक्षा उपकरण और आपात स्थितियों से निपटने की पूरी तैयारी सुनिश्चित की जाए। श्रम कानून कागजों से निकलकर कारखानों तक पहुंचें। सबसे महत्वपूर्ण, सुरक्षा को खर्च नहीं, मानव जीवन की रक्षा में किया गया सबसे आवश्यक निवेश माना जाए।

किसी राष्ट्र की महानता उसकी फैक्ट्रियों की ऊंचाई से नहीं, बल्कि अपने श्रमिकों के जीवन के प्रति उसकी संवेदनशीलता से मापी जाती है। भारत को महाशक्ति बनने का स्वप्न अवश्य देखना चाहिए, लेकिन उसकी नींव श्रमिकों की चिताओं पर नहीं रखी जा सकती। विजाग की यह त्रासदी केवल आठ परिवारों का शोक नहीं, पूरे देश के लिए एक गंभीर चेतावनी है। यदि विकास की दौड़ में मानवीय गरिमा और सुरक्षा को यूं ही नजरअंदाज किया गया, तो कल केवल स्थान, संयंत्र और आंकड़े बदलेंगे, लेकिन श्मशानों की आग और परिवारों का विलाप वही रहेगा। तब इतिहास दर्ज करेगा कि भारत स्टील की भट्टियों में नहीं, अपनी ही संवेदनहीनता और लापरवाही में पिघल रहा था।

ईरान का जॉर्डन में अमेरिकी एयरबेस पर मिसाइल हमला

दुबई

ईरान ने कहा है कि उसने जॉर्डन में स्थित उस हवाई अड्डे पर मिसाइल हमला किया है, जहां अमेरिकी सैन्य बल तैनात हैं। हालांकि, जॉर्डन और अमेरिका दोनों ने जॉर्डन को निशाना बनाकर किए गए किसी भी हमले की अभी पुष्टि नहीं की। ईरान के अर्धसैन्य बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने कहा कि उसने मुवाफ्फक सल्ती एयर बेस पर मिसाइलें दागी हैं। इस एयर बेस पर अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान और अन्य सैन्य विमान तैनात रहे हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के समीप अमेरिकी सेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद अमेरिका ने बुधवार को ईरान पर हमले किए, जिसके बाद तेहरान ने इनका जवाब देने की चेतावनी दी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस दुर्घटना के लिए ईरान को दोषी ठहराया है। ईरान ने जवाबी कार्रवाई की कसम खाई, जिससे ईरान युद्ध में स्थायी युद्धविराम की संभावनाओं पर फिर सवाल खड़े हो गए। इस युद्ध के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग अवरुद्ध हो गया है और वैश्विक ऊर्जा कीमतों में तेज उछाल आया है। इस बीच बहरीन में मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजने लगे, जहां अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा तैनात है। तेहरान ने कहा कि उसने जवाबी कार्रवाई के तहत इस ठिकाने को निशाना बनाया है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने कहा कि अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने ईरान मेंवायु रक्षा प्रणालियों, जमीनी नियंत्रण स्टेशन और निगरानी रडार ठिकानों को निशाना बनाकर हमले किए। ईरान ने बंदर अब्बास और केश्म द्वीप के आसपास हमलों की पुष्टि की, लेकिन नुकसान के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। सेंट्रल कमांड ने कहा, यह अभियान अमेरिकी बलों और क्षेत्रीय समुद्री मार्गों से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक जहाजों पर हालिया हमलों के उसी तरह जवाब के रूप में चलाया गया। इसके बाद ईरान ने दावा किया कि उसने बहरीन में अमेरिकी नौसेना के पांचवें बेड़े के मुख्यालय और कुवैत में अमेरिकी सैनिकों वाले सैन्य अड्डे को ड्रोन से निशाना बनाया। हालांकि, बहरीन और कुवैत दोनों ने ऐसे किसी हमले को लेकर कोई चेतावनी जारी नहीं की। ट्रंप ने इससे पहले सोशल मीडिया पर लिखा था कि ईरान ने जलडमरूमध्य के ऊपर गश्त कर रहे अमेरिकी विमान को मार गिराया। राष्ट्रपति ने कहा था कि अमेरिका को इस हमले का जवाब देना ही होगा।

बिना जवाब दिए नहीं छोड़ेंगे: अराघची

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान के क्षेत्र के पास मौजूद विदेशी सैन्य बल लगातार खतरे मे हैं और बाद में उन्होंने अमेरिकी हमलों का जवाब देने की भी चेतावनी दी। अराघची ने एक्स पर लिखा, ईरानी बल किसी भी हमले या खतरे को बिना जवाब दिए नहीं छोड़ेंगे। यदि सुरक्षित रहना चाहते हैं, तो हमारे क्षेत्र से दूर चले जाएं। अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर को गिराए जाने और उसके बाद किए गए अमेरिकी हमलों ने दो महीने से लागू युद्धविराम को और कमजोर कर दिया। इससे एक दिन पहले ही युद्धविराम लागू होने के बाद पहली बार ईरान और इस्राइल के बीच गोलेबारी हुई थी।

'हमारा मिशन पूरा हुआ'

होर्मुज के पास ईरान के तीन ठिकानों पर अटैक के बाद बोला अमेरिका

वाशिंगटन

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर एक बार फिर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ गया है। अमेरिका ने ईरान के बंदर अब्बास, जास्क और केशम द्वीप पर हमला किया है। इन हमलों के बाद सेंटकॉम की ओर से कहा गया कि हमारा मिशन पूरा हुआ। ये हमले सेल्फ डिफेंस में किए गए, साथ ही एक दिन पहले अपाचे हेलिकॉप्टर को मार गिराए जाने के जवाब में किए गए हैं। बता दें कि ये कार्रवाई अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे के बाद की गई जिसमें उन्होंने दावा किया था कि ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिकी अपाचे हेलिकॉप्टर को मार गिराया है। इसके बाद अमेरिका ने मंगलवार को ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई की।

दूसरी तरफ ईरान का दावा है कि अमेरिका के अपाचे हेलिकॉप्टर को उन्होंने नहीं गिराया। साथ ही दावा किया गया है कि अमेरिका ने इस घटना के बहाने से ईरान पर हमला किया है। उधर, अमेरिकी सेना की ओर से कहा गया है कि उसने ईरान के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई पूरी कर ली है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बताया कि यह अभियान सेल्फ डिफेंस में की गई सैन्य कार्रवाई थी। जिसे 9 जून को राष्ट्रपति के आदेश अंजाम दिया गया था। एक दिन पहले अमेरिकी सेना के अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया गया था। सेंटकॉम के अनुसार, अमेरिकी वायुसेना और नौसेना के लड़ाकू विमानों ने प्रिसिजन म्यूनिशन का इस्तेमाल करते हुए स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़के निकट स्थित ईरानी एअर डिफेंस सिस्टम, ग्राउंड कंट्रोल स्टेशनों और सर्विलांस रडार साइट्स को निशाना बनाया। यह हमला उसके इंटरनेशनल कॉमर्शियल शिप्स पर हुए हालिया हमलों के जवाब में किया गया।

पूर्व चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ को वकील का कानूनी नोटिस

मुंबई

मुंबई के एक वकील ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ को 28 मई को मासिक धर्म स्वच्छता सप्ताह के दौरान उनके द्वारा सुनाए गए एक किस्से को लेकर कानूनी नोटिस भेजा है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने कहा था, जब मेरे बेटे की शादी हुई, तो हमारे घर में पहला गणपति उत्सव था। मेरी बहू मेरे पास आई और बोली, पापा, मुझे मासिक धर्म हो रहा है। क्या मैं उस कमरे में आ सकती हूं जहां गणपति विराजमान हैं और क्या मैं पूजा कर सकती हूं? चंद्रचूड़ ने आगे कहा था, मैंने उसकी ओर देखा और कहा बेटी, किसी भी इंसान में कोई अशुद्धता नहीं होती। अशुद्धता मन की अवस्था होती है, शरीर की नहीं। इसलिए, चाहे आपको मासिक धर्म हो या न हो, आप पूरी तरह से स्वतंत्र हैं यहां आकर बैठ सकती हैं और पूजा कर सकती हैं। आप इस घर के हर हिस्से का इस्तेमाल कर सकती हैं और पूजा में भाग ले सकती हैं। और उसने ठीक वैसा ही किया। कानूनी नोटिस भेजने वाले एडवोकेट

घनश्याम उपाध्याय ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश से बिना शर्त माफी मांगने और अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से सफाई देने की मांग की है। उपाध्याय का कहना है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश को स्पष्ट करना चाहिए कि उनकी टिप्पणियां केवल उनके निजी पारिवारिक मामलों तक सीमित थीं। साथ ही उन्हें यह भी कहना चाहिए कि उन्हें सनातन धर्म के धार्मिक ग्रंथों और परंपराओं की नई व्याख्या करने या उनमें बदलाव सुझाने का कोई धार्मिक अधिकार नहीं है। नोटिस में यह भी मांग की गई है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश साफ करें कि उनका उद्देश्य सबरीमाला मामले से जुड़ी सुप्रीम कोर्ट में चल रही कार्यवाही को किसी भी तरह से प्रभावित करना नहीं था।

अफगानिस्तान में पाक सेना का बर्बर हमला, 13 की मौत

काबुल

अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव एक बार फिर गहरा गया है। बीती रात पाकिस्तानी सेना के लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान की हवाई सीमा का उल्लंघन किया। पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में स्थित आम नागरिकों के घरों को निशाना बनाकर भारी बमबारी की है। इस हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों समेत कई नागरिक हताहत हुए हैं।

अफगान प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, पाकिस्तानी हमलावर सेना ने कल रात एक बार फिर अफगानिस्तान की संप्रभुता का खुलेआम उल्लंघन किया। जबीउल्लाह ने आगे बताया कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान के तीन प्रमुख प्रांतों- कुनार, खोस्त और पक्तिका में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। इन इलाकों में रहने वाले आम नागरिकों के घरों पर अंधाधुंध बमबारी की गई, जिससे कई घर पूरी तरह तबाह हो गए। इस हमले में जान-माल का भारी नुकसान हुआ है। बमबारी में कुल

13 लोग मारे गए हैं, जिन्हें अफगान प्रशासन ने शहीद घोषित किया है। मरने वालों में सबसे ज्यादा संख्या मासूम बच्चों की है। इस हमले में 11 बच्चे, एक महिला और एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई। इसके अलावा हमले में 14 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कइयों की हालत नाजुक बनी हुई है। सोशल मीडिया पर इस हमले के बाद की कुछ दर्दनाक तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिनमें पीड़ित बच्चों की स्थिति देखी जा सकती है। इस हमले के बाद अफगान सरकार का गुस्सा फूट पड़ा है। प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने अपने बयान में इस कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा, हम इस अमानवीय अपराध और हमले की कड़े से कड़े शब्दों में पुरजोर निंदा करते हैं। अफगानिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन और आम नागरिकों के खिलाफ एक क्रूर अपराध बताया है। अफगानिस्तान के पूर्व प्रेसिडेंट हामिद करजई ने हमले की निंदा की है। उन्होंने शहीदों के परिवारों के साथ गहरा दुख और एकजुटता दिखाते हुए, कहा कि पाकिस्तान इस इलाके में अपनी गलत नीतियों और दुश्मनी भरी कार्रवाइयों के नतीजों से जूझ रहा है।

लुट गया 12 करोड़ के मोबाइल फोन से भरा ट्रक

अररिया। बिहार के अररिया जिले में करीब 12 करोड़ रुपये मूल्य के मोबाइल फोन से भरे ट्रक की संदिग्ध लूट और ड्राइवर-खलासी के गायब होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना ने पुलिस और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा दिया है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने एसआईटी यानी विशेष जांच दल का गठन कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार विभिन्न कंपनियों के 1100 से अधिक पैकेट विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन लेकर एक कंटेनर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा से असम के गुवाहाटी जा रहा था। इसी दौरान मोबाइल से भरा ट्रक संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया और उसके साथ ड्राइवर एवं खलासी का भी कोई पता नहीं चल सका। बताया जाता है कि अररिया जीरो माइल के समीप इस मामले की जानकारी सामने आई, जिसके बाद पुलिस हरकत में आई। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि लूट की वास्तविक घटना कहां हुई। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है। इस मामले में ट्रांसपोर्ट कंपनी के संचालक के आवेदन पर अररिया नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। मामले की पुष्टि करते हुए अररिया के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार ने बताया कि मोबाइल फोन से लदा ट्रक ग्रेटर नोएडा से गुवाहाटी जा रहा था। जांच के दौरान अररिया जीरो माइल के पास ट्रक बरामद किया गया है। पुलिस ने ट्रक की आवाजाही से जुड़े कई टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की है।

फ्लोर टेस्ट में विजय का सपोर्ट करने वाले 21 विधायकों को नहीं मिलेगी सजा

चेन्नई

एआईएडीएमके के विरोधी गुटों के बीच सुलह होने के कुछ दिनों बाद, तमिलनाडु विधानसभा के स्पीकर जेसीडी प्रभाकर ने घोषणा की है कि 13 मई को हुए फ्लोर टेस्ट के दौरान टीवीके सरकार (सीएम विजय) के पक्ष में वोट करने वाले विपक्षी पार्टी के 21 विधायकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह फैसला एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी की ओर से मामले को खत्म करने के औपचारिक अनुरोध के बाद लिया गया है। बता दें कि बागी नेताओं शनमुगम और एसपी वेलुमणि के नेतृत्व वाले एआईएडीएमके गुट के कम से कम 25 विधायकों ने विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पार्टी के पक्ष में मतदान किया था, जिससे विधानसभा में उसके सपोर्ट की संख्या 119 से बढ़कर 144 हो गई, और अभिनेता से राजनेता बने विजय को आराम से बहुमत मिल गया। दूसरी तरफ, ई पलानीस्वामी के प्रति वफादार बचे 22 विधायकों ने विजय के खिलाफ मतदान किया, जिससे पार्टी के भीतर फूट साफ दिखी। इस घटनाक्रम से पलानीस्वामी की स्थिति काफी कमजोर हो गई, और अब उनके खेमे में केवल 22 विधायक ही बचे थे। हालांकि, एआईएडीएमके के बागी विधायकों में से पांच ने पार्टी प्रमुख टीवीके का साथ देना शुरू कर दिया है। इसके साथ ही विधानसभा में पलानीस्वामी का समर्थन करने वाले विधायकों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। इस बीच, विद्रोह के बावजूद, बागी विधायकों के पास दलबदल विरोधी कानून के तहत टीवीके में औपचारिक रूप से विलय करने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं थी, जिसके लिए एक विधायी पार्टी के कम से कम दो-तिहाई सदस्यों के समर्थन की जरूरत होती है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

कौन थीं कुमुद राणे? जिसके निधन पर रोया सलमान का परिवार

बॉलीवुड के दबंग सलमान खान का परिवार गमगीन है। मंगलवार से सलमान और उनके परिवार के लोगों की तस्वीरें और वीडियो सामने आ रही हैं जिनमें वो रोते हुए दिख रहे हैं। पूरा परिवार इमोशनल नजर आया। सलमान खान भी हैरान परेशान दिखे। उनकी आंखों में आंसू नजर आए। ऐसे में सवाल ये है आखिर कौन है वो शख्स जिसके जाने से खान परिवार में मातम पसरा हुआ है। 9 जून 2026 को खान परिवार ने अपनी फैमिली फ्रेंड कुमुद राणे को खो दिया है। चर्चा है कैंसर की वजह से कुमुद का निधन हुआ है। अस्पताल के बाहर से सलमान की इमोशनल तस्वीरों को देखकर फैंस का दिल टूटा है। उनके इमोशंस बताते हैं कुमुद उनकी कितनी खास दोस्त थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुमुद दुबई बेस्ड एंटरप्रन्योर थीं। वो दुबई में एक ब्यूटी बार की फाउंडर थीं। वेलनेस और ब्यूटी इंडस्ट्री में उनका खास योगदान रहा था। कुमुद खान परिवार के लिए फैमिली की तरह थीं। उनका सलमान खान के परिवार संग सालों पुराना रिश्ता था। कुमुद को अंतिम विदाई देने सलमान खान के अलावा सलमा, अरबाज, हेलेन, सोहेल खान, अरहान, अर्पिता और निर्वाण नजर आए थे। बाकी फिल्मी सितारों संग भी कुमुद के अच्छे रिश्ते थे। कुमुद के इंस्टा पर उनकी बॉबी देओल, मलाइका अरोड़ा, बीना काक संग फोटो मौजूद हैं। फिल्म जगत के सितारों ने भी कुमुद की मौत पर शोक जताया है। कुमुद की शादी जग्गी राण से हुई थी। जग्गी सलमान के लॉन्ग टाइम फ्रेंड हैं। खान फैमिली की पार्टीज में कुमुद अक्सर नजर आती थीं। कुमुद के इंस्टा पर 15 हजार फॉलोअर्स हैं। इसी साल कुमुद ने अपना 60वां जन्मदिन मनाया था, जिसे सलमान खान ने भी अटेंड किया था। सोहेल खान ने कुमुद के संग अपनी फोटो शेयर कर उन्हें याद किया है। वो लिखते हैं- मैंने अपनी खूबसूरत बहन को खो दिया है। इस दुनिया में उसे कोई रिप्लेस नहीं कर सकता। जग्गी और कबीर के बारे में सोचकर मेरा दिल बैठ जाता है। क्योंकि कुमुद उनकी लाइफलाइन थी। ऐसा वक्त आपको बताता है कि जिंदगी कितनी अनफेयर होती है। ऐसे हालातों में आप भगवान से सवाल पूछने लगते हो। मैं दुआ करूंगा कि वो जहां भी हो, खुश हो, हम उसे हमेशा मिस करेंगे। सलमान की बहन अर्पिता ने इंस्टा स्टोरी पर कुमुद को श्रद्धांजलि दी है। वो लिखती हैं- प्यारी कुमुद, मैं हमारा साथ में बिताया हुआ वक्त मिस करूंगी। तुम्हारा प्यार, ह्यूमर, गर्मजोशी सब मिस किया जाएगा। हम तुमसे बहुत प्यार करते हैं।

मिस्ट्री गर्ल की बांहों में बादशाह

बॉलीवुड के फेमस रैपर और सिंगर बादशाह इस समय हेडलाइन्स में हैं। उन्होंने अपनी नई पोस्ट से फैंस के बीच हलचल मचा दी है। दरअसल, बादशाह ने मिस्ट्री गर्ल संग अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नई तस्वीरें शेयर की हैं। वो मिस्ट्री गर्ल संग खेतों में रोमांटिक होते नजर आए। एक तस्वीर में मिस्ट्री गर्ल बादशाह के कंधे पर सिर रखकर खड़ी है। उसने बादशाह का हाथ भी पकड़ा हुआ है। एक फोटो में बादशाह मिस्ट्री गर्ल का हाथ थामकर खेतों में टहलते नजर आए। दोनों शहर के शोर शराबे से दूर हरियाली के बीच सुकून के पल बिताते दिखे। मिस्ट्री गर्ल संग तस्वीरें शेयर करते हुए बादशाह ने कैपशन में लिखा- कायनात का अपना एक अजीब तरीका है, जो लोगों को आपकी जिंदगी में लाती है। हालांकि, बादशाह ने मिस्ट्री गर्ल का चेहरा नहीं दिखाया है। ऐसे में फैंस ये जानने के लिए बेकरार हैं कि बादशाह की मिस्ट्री गर्ल कौन है? वहीं, कई लोग ये कयास लगा रहे हैं कि तस्वीरों में दिखाई दे रही लड़की पाकिस्तानी एक्ट्रेस हानिया आमिर हैं, क्योंकि लड़की का हेयर स्टाइल हानिया आमिर जैसा ही है। दोनों के रिलेशनशिप की खबरें भी कई दफा चर्चा में रह चुकी हैं। कई लोग कमेंट सेक्शन में पूछ रहे हैं कि क्या तस्वीरों में हानिया आमिर हैं? सिंगर का कैप्शन दोनों के रिश्ते में होने का हिंट दे रहा है। अब ये बड़ा सवाल है कि क्या बादशाह प्यार में हैं या फिर ये तस्वीरें उनके किसी आने वाले प्रोजेक्ट की हैं। बादशाद की पर्सनल लाइफ की बात करें तो पहली पत्नी संग उनका तलाक हो चुका है। बादशाह की पहली शादी 2012 में जैस्मिन मसीह से हुई थी।

आमिर के सौतेले भाई से शादी करके पछताई ईवा ग्रोवर

टेलीविजन एक्ट्रेस ईवा ग्रोवर ने अपनी टूटी शादी पर बात की है। ईवा ने आमिर खान के सौतेले भाई हैदर अली खान से शादी रचाई थी। परिवार के खिलाफ जाकर ईवा ने दूसरे धर्म के हीरो संग घर बसाया, लेकिन जल्द ही उनका तलाक हो गया। ये शादी एक्ट्रेस के लिए खुशी नहीं, बल्कि एक टॉर्चर थी। विक्की लालवानी के पॉडकास्ट में ईवा ने कहा कि हैदर बहुत गुस्से वाले थे। जब मैं 15-16 साल की थी, तो मुझ पर शादी का भूत सवार था। मैंने शादी के लिए 16 सोमवार के व्रत किए। शादी और बच्चे करने मेरा सपना था। मैं शादी के बाद एक फिल्मी लाइफ सोच रही थी, लेकिन हकीकत बिल्कुल अलग थी। ईवा ने कहा कि जब मैं 27 साल की थी, तो मैंने हैदर से शादी की थी। मैंने उन्हें सिर्फ 18 दिन डेट किया था। शादी के चौथे दिन मुझे पता चला कि ये शख्स मेरे लिए नहीं है। हैदर वो इंसान नहीं थे, जैसा मैंने 18 दिन की डेटिंग में सोचा था। पहले मैं कहती थी कि वो गलत थे, लेकिन अब मैं सारा दोष उन पर नहीं दे सकती। शायद शादी में मेरी गलती भी रही। वो दूसरे धर्म से थे। मेरी मम्मी और दोस्तों ने मना किया, लेकिन 18 दिन की डेटिंग के बाद 19वें दिन मैंने घर से भागकर उनसे शादी रचा ली। उस समय मैं अपने करियर के पीक पर थी। ईवा कहती हैं कि शादी के बाद मुझे एहसास हुआ कि मुझसे गलती हो गई। मैंने गलत इंसान से शादी कर ली। वो बहुत गुस्सैल थे। मेरे साथ मारपीट करते थे। गाली गलौच करते थे। मैंने कभी अपने घर में किसी मर्द को ऐसा बर्ताव करते नहीं देखा था। एक्ट्रेस कहती हैं कि मारपीट होने के बावजूद उन्होंने कुछ सालों तक शादी निभाई, ये सोचकर कि शायद चीजें बेहतर हों, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उस वक्त मैं हालात और खुद को दोष देती थी।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
गुरुवार 11 जून 2026

नवत्रिशा युवती मंडल ने नर्मदा तट पर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का किया आयोजन

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। पूर्वी मध्य प्रदेश माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वाधान में प्रादेशिक प्रकल्प प्रखर श्रीमती उर्मिला सादानी के सानिध्य में नवत्रिशा युवती मंडल नर्मदा संभाग व्दारा नर्मदा के पावन तट पर स्थित पूज्य (बापोली) ब्रह्मचारी जी महाराज के आश्रम, पर भव्य धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन केवल आध्यात्मिक चेतना का ही नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और नारीशक्ति सशक्तिकरण का भी उत्कृष्ट उदाहरण बना।कार्यक्रम का शुभारंभ कलश यात्रा के साथ हुआ उपरांत पूज्य ब्रह्मचारी जी महाराज द्वारा अधिक मास के महत्व पर पावन आशीर्वचनो का सभी बहनों ने लाभ लिया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीमती अनीता जावंधिया, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती शोभा लाहोटी, प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती राजश्री राठी, प्रदेश प्रकल्प प्रखर श्रीमती उर्मिला सादानी, प्रदेश संगठन मंत्री श्रीमती शिखा जावंधिया, कोषाध्यक्ष श्रीमती प्राची मूंदड़ा, प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती करुणा माहेश्वरी, प्रदेश सह सचिव श्रीमती जयश्री बजाज, समिति प्रबंधक श्रीमती हंसा केला, मध्यान्चल सहप्रभारी श्रीमती मनीषा लड्ढा, संभागीय उपाध्यक्ष श्रीमती कविता चांडक, संभागीय संयुक्त सचिव श्रीमती सरला माहेश्वरी, संभागीय सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती नीलम भूतड़ा सहित प्रदेश एवं संभागीय पदाधिकारियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम के व्दितीय चरण में गौ-पूजन, पौधारोपण, कन्या पूजन, ब्राह्मण भोजन, महाप्रसादी, माँ नर्मदा पूजन, चुनरी मनोरथ एवं भव्य दीपदान का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों का लाभ प्राप्त किया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री आदरणीय अनीता जावन्धिया द्वारा युवती संगठन के सभी सदस्यों को संगठन के प्रति संपूर्ण समर्पण भाव से कार्य करने हेतु संकल्प दिलवाया गया। युवती संगठन अध्यक्ष लक्ष्मी काबरा द्वारा सभी आदरणीय पदाधिकारी का श्रीफल द्वारा स्वागत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में गाडरवारा से आदरणीय गीतिका काबरा के सानिध्य में पूजा मालपानी, रुचि मालपानी, शिवानी काबरा एवं रायसेन से आइशा बिसानी द्वारा माँ नर्मदा के प्राकट्य पर आधारित बहुत सुन्दर नाटिका प्रस्तुत की गई। वहीं पिपरिया समूह की ओर से दीपशिखा गोदानी, श्रुतिका डागा, भावना मालानी, नेहा गोदानी, नंदनी मनिहार, नंदनी मोहता, दीपिका राठी एवं जया बल्दवा ने महारास की मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी का हृदय जीत लिया। गाडरवारा से जिला अध्यक्ष आदरणीय श्रीमती सुधा पलोड़ एवं सहसंयोजीका श्रीमती गरिमा काबरा ने कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति से गाडरवारा का प्रतिनिधित्व किया। अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा काबरा द्वारा कन्या भोजन में कन्याओं के लिए स्टेशनरी उपलब्ध कराई गई। गाडरवारा से युवती संगठन के सदस्य पूजा मालपानी, शिवानी काबरा, तृप्ति पलोड़ एवं रुचि मालपानी ने व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया। संचालन गुंजन राठी द्वारा किया गया। नर्मदा मैया के पावन तट पर धर्म, सेवा, संस्कार एवं समाजोत्थान का यह सुंदर संगम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ऐसे आयोजनों से युवा पीढ़ी में संस्कार, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्रहित की भावना सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम का समापन धर्म, संस्कृति, सेवा एवं सामाजिक समरसता के संदेश के साथ हुआ। कार्यक्रम प्रेरणादायी और प्रशंसनीय रहा।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए एवं अन्याय के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत।

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में कलेक्टर कार्यालय नरसिंहपुर के सामने धरना देकर उपवास कर विरोध प्रदर्शन कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर पत्रकारों से चर्चा करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए एवं अन्याय के विरोध में हम विरोध प्रकट कर रहे हैं। क्योंकि भाजपा, प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार के दबाव में आकर रिटर्निंग अधिकारी ने मीनाक्षी नटराजन का फॉर्म निरस्त किया है। इस कार्रवाई से खुलेआम लोकतंत्र की हत्या की गई है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता पटेल ने कहा कि देश के सभी कानून के जानकार , विशेषज्ञ इस कार्रवाई को गलत बता रहे हैं। परंतु अफसोस है कि निर्वाचन आयोग लगातार चुनाव में लूट मचाए हुए है। पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मैथिलीशरण तिवारी, जिला कांग्रेस संगठन मंत्री दीवान शैलेंद्र सिंह ने कहा कि इस अनुचित करवाई का हम गांधीवादी तरीके से विरोध करेंगे और पार्टी नेतृत्व सुप्रीम कोर्ट तक जाएगा। इस अवसर पर शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष धनीराम पटेल,नगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित पटेल, जिला पंचायत सदस्य मोना कौरव, जनपद उपाध्यक्ष कंछेदी पटेल, नपा नेता प्रतिपक्ष रूद्रेश तिवारी , प्रदेश सचिव नगरीय निकाय प्रकोष्ठ अस्सू नेमा, जिला सेवादल अध्यक्ष अतुल चौरसिया,जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल, जिला एन एस यू आई अध्यक्ष ईशान राय, युवा कांग्रेस के प्रदेश सचिव जितेंद्र लोधी के साथ बड़ी संख्याओं कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

एनटीपीसी विंध्याचल सुहासिनी संघ का ग्रामीण महिलाओं के लिए सराहनीय सीएसआर पहल

सिंगरौली (स्वतंत्रमत)।

एनटीपीसी विंध्याचल में उत्तरा क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सीमा कौशिक का आगमन हुआ, जहां उनका स्वागत श्रीमती निशी सिन्हा, प्रभारी कल्याण प्रकोष्ठ, सुहासिनी संघ; श्रीमती शिल्पा कोहली, महासचिव, सुहासिनी संघ तथा क्लब की वरिष्ठ सदस्याओं द्वारा किया गया। उनका यह दौरा सुहासिनी संघ की शिक्षा, करुणा एवं सामुदायिक कल्याण के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाने वाली एक महत्वपूर्ण सीएसआर पहल का हिस्सा रहा।

इस अवसर पर उत्तरा क्लब की अध्यक्षा श्रीमती सीमा कौशिक द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की वार्षिक शैक्षणिक आवश्यकताओं के लिए सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय को ?91,250 की सहायता राशि का चेक प्रदान किया गया। साथ ही बच्चों को छाते वितरित किए गए, जो उनके प्रति स्नेह, संरक्षण और सहयोग का प्रतीक रहे। अपने दौरे के दौरान श्रीमती सीमा कौशिक ने सुहासिनी संघ के तत्वावधान में सीएसआर सहयोग तथा उद्यमिता विकास संस्थान भारत के सहयोग से स्थापित मसाला उत्पादन इकाई का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इस इकाई से जुड़ी महिलाओं की मेहनत, समर्पण और उद्यमशीलता की सराहना की तथा इसकी लाभप्रदता एवं ग्रामीण आजीविका पर पड़ रहे सकारात्मक प्रभाव की प्रशंसा की। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भरता एवं आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में अपने प्रयास निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया।

यह पहल न केवल शिक्षा को प्रोत्साहन दे रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी सृजित कर रही है। सुहासिनी संघ की यह पहल एनटीपीसी विंध्याचल की सामाजिक उत्तरदायित्व, महिला सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

गणेश मंदिर में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर 30 को

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। श्री गणेश देवस्थानम सिद्धपीठ में 30 जून मंगलवार को नि:शुल्क नेत्र जांच व परामर्श शिविर गणनायक फाउंडेशन द्वारा आयोजित है। हर वर्ष की तरह स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती चेरिटेबल ट्रस्ट से संचालित शंकराचार्य नेत्रालय की टीम मौजूद रहेगी। इसमें जिन भी मरीजों को मोतियाबिंद या अन्य ऑपरेशन की अवस्था पाई जाएगी, उन्हें झोतेश्वर चिकित्सालय ले जाकर नि:शुल्क उपचार किया जाएगा। जागरूकजनों से अपेक्षा की गई है कि वे अपने आसपास के जरूरमंद व्यक्तियों को शिविर का लाभ दिलाकर नेक कार्य में भागीदार बनें।

कलेक्टर ने निर्माण कार्यों की ली जानकारी

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने वाहन वार्किंग,ओपीडी संचालन, सर्जिकल वार्ड एवं चिकित्सालय में किये जाने वाले निर्माण कार्यों की जानकारी ली एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा, सिविल सर्जन डॉ. शिल्फी सराफ, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय, अधिकारी उपस्थित रहें।

गृहग्राम और ससुराल में नहीं रह सकेंगे पंचायत सचिव

नई तबादला नीति जारी, रिश्तेदार सरपंच या उप सरपंच बने तो भी हटाए जाएंगे

भोपाल (स्वतंत्र मत)। तबादला सीजन के बीच पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने पंचायत सचिवों के स्थानांतरण को लेकर नई गाइडलाइन जारी कर दी है। नई नीति के तहत अब कोई भी पंचायत सचिव अपने गृहग्राम या ससुराल की पंचायत में पदस्थ नहीं रह सकेगा। इसके साथ ही जिस पंचायत में सचिव के रिश्तेदार सरपंच या उपसरपंच बन जाएंगे, वहां से भी सचिव का तबादला किया जाएगा। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश के आधार पर यह नई गाइडलाइन जारी की है। विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तय समय सीमा के भीतर स्थानांतरण प्रक्रिया पूरी कराई जाए। बता दें कि मध्य प्रदेश में 23 हजार से ज्यादा पंचायत सचिव हैं। 9 जून को जारी आदेश के अनुसार 15 जून तक जिले के भीतर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण किए जा सकेंगे। स्थानांतरण प्रस्ताव जिला कलेक्टर की अनुशंसा और प्रभारी मंत्री की स्वीकृति के बाद जारी किए जाएंगे। यह प्रक्रिया एक जून से ही मान्य की जाएगी। विभागीय निर्देशों के मुताबिक स्थानांतरण आदेश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत द्वारा जारी किए जाएंगे। नई गाइडलाइन में जिला एवं अंतरजिला स्तर पर पंचायत सचिवों के स्थानांतरण की प्रक्रिया भी तय की गई है।

सरकार को इसलिए रखनी पड़ी शर्त

दिग्विजय सरकार ने वर्ष 1994 से 1996 के बीच पंचायत कर्मियों की नियुक्ति की थी, जो आज पंचायत सचिव हैं। तब नियुक्ति ग्राम सभा के अनुमोदन से की गई थी और ज्यादातर मामलों में ग्राम सभा ने सरपंच, उप सरपंच, पंच या गांव के प्रभावशाली व्यक्ति के रिश्तेदारों को नियुक्त किया था। ज्यादातर मामलों में देखने में आया है कि ये जनप्रतिनिधि रिश्तेदारी या अहसान के बदले सचिवों को वह सब करने के लिए राजी कर लेते हैं, जो वे चाहते हैं। ऐसे कई मामले जांच में आ चुके हैं। जिनमें सरपंच, उप सरपंच और सचिव ने मिलकर गड़बड़ी की है। इसलिए सरकार को तबादला नीति में यह शर्तें जोड़नी पड़ीं।

इन परिस्थितियों में स्थानांतरण होगा अनिवार्य

विभाग ने कुछ मामलों में ग्राम पंचायत सचिवों का स्थानांतरण अनिवार्य किया है, जिनमें इस तरह की परिस्थितियां शामिल हैं।

यदि किसी ग्राम पंचायत में सचिव का रिश्तेदार पंचायत का सरपंच या उपसरपंच चुन लिया गया हो।

सचिव को उसके पैतृक ग्राम या ससुराल स्थित ग्राम पंचायत में पदस्थ नहीं किया जाएगा।

जो सचिव एक ही ग्राम पंचायत में 10 वर्ष या उससे अधिक समय से पदस्थ हैं, उन्हें प्राथमिकता से स्थानांतरित किया जाएगा।

यदि 10 साल या अधिक समय से पदस्थ सचिवों की संख्या तबादला लिमिट से अधिक है तो पहले सबसे अधिक अवधि से पदस्थ सचिव का तबादला किया जाएगा। प्रतिबंध अवधि में भी संभव होगा इनका स्थानांतरण स्थानांतरण प्रतिबंध अवधि के दौरान विशेष परिस्थितियों में इन सचिवों के तबादले किए जा सकेंगे। भ्रष्टाचार, वित्तीय अनियमितता या गंभीर शिकायतों के मामले। अनुशासनात्मक कार्रवाई लंबित होने की स्थिति। लोकायुक्त, ईओडब्ल्यू अथवा अन्य जांच एजेंसियों की कार्रवाई से जुड़े प्रकरण।

उच्च प्राथमिकता वाले प्रशासनिक मामलों में शासन स्तर से प्राप्त निर्देश। ऐसे मामलों में विभागीय मंत्री की स्वीकृति के बाद आयुक्त, संचालक पंचायत राज द्वारा आदेश जारी किए जाएंगे।

अंतरजिला संविलियन केवल स्वैच्छिक आधार पर आदेश में अंतरजिला संविलियन (ट्रांसफर) को केवल स्वैच्छिक आधार पर अनुमति दी गई है। महिला सचिवों को विशेष सुविधा मिलेगी। इसमें विवाहित, विधवा एवं तलाकशुदा महिला ग्राम पंचायत सचिव अपने पति, ससुराल या माता-पिता के निवास वाले जिले में संविलियन के लिए आवेदन कर सकेंगी। अनुकंपा नियुक्ति प्राप्त सचिव, यदि उनकी नियुक्ति वाले जिले के अलावा किसी अन्य जिले से संबंध रखते हैं, तो वे भी अपने मूल जिले में संविलियन के लिए आवेदन कर सकेंगे। इच्छुक सचिव को वर्तमान पदस्थापना जिले के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को आवेदन देना होगा। आवेदन के साथ संबंधित जिले में रिक्त पद की उपलब्धता का सत्यापन किया जाएगा।रिक्त पद उपलब्ध होने पर प्रस्ताव पंचायत राज संचालनालय भोपाल भेजा जाएगा।

प्रशासनिक स्वीकृति के बाद संविलियन आदेश जारी किए जाएंगे।

संविलियन के बाद सचिव का नाम वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे रखा जाएगा।

अंतरजिला संविलियन का लाभ केवल एक बार ही दिया जाएगा।

एनसीएल के मेगा समर कैंप-आरोहण का समापन

प्रतिभाओं का आरोहण 13 विधाओं में निखरे 4700 से अधिक बच्चे

सिंगरौली। बुधवार को सिंगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफ़ील्डस लिमिटेड (एनसीएल) द्वारा आयोजित च्मेगा समर कैंप-आरोहणज्ञ का समापन हुआ। एनसीएल की सभी परियोजनाओं में कैंप स्थल पर समापन समारोह का आयोजन किया गया। समापन समारोह के दौरान परियोजनाओं में क्षेत्रीय महाप्रबंधकगण, श्रमिक संघ प्रतिनिधि, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड मेंबर्स, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में बच्चे उपस्थित रहे। एनसीएल मुख्यालय में आयोजित समारोह के दौरान महाप्रबंधक (मानव संसाधन/कल्याण) राजेश त्रिवेदी, मुख्यालय स्तरीय श्रमिक संघ प्रतिनिधि, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड मेंबर्स एवं अन्य अधिकारी व कर्मचारी तथा स्थानीय जन उपस्थित रहे। इस दौरान अपने उद्बोधन में राजेश त्रिवेदी ने प्रतिभागी बच्चों को बधाई दी एवं कहा कि एनसीएल ने बच्चों में प्रतिभा का बीज बो दिया है और अब अभिभावकों का दायित्व है कि वे उनके इस हुनर को जिंदा रखें और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर दें। साथ ही उन्होंने कहा कि हर बच्चे में एक अनूठी प्रतिभा होती है, जिसे बस सही मंच मिलने की देरी होती है, एनसीएल ने आरोहण के रूप में बच्चों को वही मंच देने का एक छोटा सा प्रयास किया है। अंत में त्रिवेदी ने आरोहण समर कैंप के प्रशिक्षकों को बच्चों को प्रशिक्षण देने के लिए सादर धन्यवाद दिया तथा एनसीएल कल्याण विभाग की पूरी टीम की भी सराहना की, जिनके अथक प्रयासों और कुशल प्रबंधन से च्आरोहण 2026च का यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रतिभागियों का हुआ सम्मान-समापन समारोह के दौरान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों में विजेता खिताब हासिल कर चुके च्आरोहणज्ञ के विभिन्न संस्करणों के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। इसके अलावा उपस्थित बच्चों ने कैंप के दौरान सीखे गए विभिन्न खेलों और सांस्कृतिक विधाओं का शानदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस वर्ष 21 मई से शुरू हुए इस ग्रीष्मकालीन शिविर में 6 से 14 वर्ष के आयु वर्ग के 4718 बच्चों ने भाग लिया। कैंप के दौरान योग्य और अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में बच्चों को कुल 13 अलग-अलग विधाओं में पारंगत किया गया। शिविर के आंकड़ों के अनुसार, सबसे अधिक जुड़ाव एथलेटिक्स में देखा गया जहां 1323 बच्चों ने हिस्सा लिया। इसके अलावा फुटबॉल में 632, डांस और म्यूजिक में 623, बैडमिंटन में 497, कबड्डी में 235, स्विमिंग में 234, आर्ट्स एंड क्राफ्ट में 219, वॉलीबॉल में 173, स्केटिंग में 114, जूडो-कराटे में 122, क्रिकेट में 515, टेबल टेनिस में 20 और बास्केटबाल में 11 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आरोहण- समर कैंप के समापन समारोह के दौरान उपस्थित सभी ने स्वच्छता शपथ ली एवं अपने आस-पास के परिसर को साफ सुथरा रखने, कचरा कूड़ेदान में डालने और एकल उपयोग प्लास्टिक का प्रयोग न करने का संकल्प लिया।

गौरतलब है कि एनसीएल द्वारा साल 2018 से लगातार हर वर्ष च्आरोहणज्ञ समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य बच्चों में खेलों और रचनात्मक गतिविधियों के प्रति गहरी रुचि पैदा करना है।

इसके साथ ही आज के डिजिटल दौर में बच्चों को मोबाइल और ऑनलाइन गेम्स की आभासी दुनिया से बाहर निकालकर शारीरिक फिटनेस, अनुशासन और टीम भावना की सीख भी देना है।

शिविर के दौरान बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए उनके लिए पौष्टिक आहार और जलपान की भी व्यवस्था की गई थी। एनसीएल का यह सार्थक प्रयास सिंगरौली क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा तराशने और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान कर रहा है।

दिवाकर कौशिक निदेशक एवं सीईओ ने किया एनटीपीसी विंध्याचल का दौरा

सिंगरौली (स्वतंत्रमत)।

एनटीपीसी विंध्याचल में 10 जून 2026 को श्री दिवाकर कौशिक, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (उत्तर) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एनएसपीसीएल) ने स्टेशन का दौरा कर विभिन्न परिचालन गतिविधियों एवं चल रही परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर उनका स्वागत श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने किया। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों में श्री ए. जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (मेंटेनेंस एवं एडीएम), श्री एस. के. सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), श्री देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट्स एवं टीएस) तथा श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल) उपस्थित रहीं।अपने दौरे के दौरान श्री कौशिक ने अत्याधुनिक अलार्म प्रणालियों से सुसज्जित नव विकसित फायर स्टेशन कंट्रोल रूम का उद्घाटन किया। इसके पश्चात उन्होंने स्टेज-कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने डेस्क इंजीनियरों से संवाद कर नवस्थापित प्रणालियों की जानकारी प्राप्त की।

श्री कौशिक ने एमजीआर सैलून के माध्यम से प्रस्तावित 20 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थल का भी दौरा किया तथा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने एमजीआर वर्कशॉप का निरीक्षण कर वहां संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। दौरे के दौरान आयोजित स्टेशन मैनेजमेंट कमेटी (एसएमसी) बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री कौशिक ने स्टेशन के प्रदर्शन, सुरक्षा मानकों, परियोजनाओं की प्रगति, महत्वपूर्ण परिचालन मुद्दों तथा विभिन्न विशेष पहलों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में स्टेशन के समग्र विकास एवं भविष्य की कार्य योजनाओं पर भी चर्चा की गई। अपने मार्गदर्शन में श्री कौशिक ने परिचालन उत्कृष्टता, सुरक्षा, नवाचार एवं सतत विकास के प्रति एनटीपीसी विंध्याचल की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। उनका यह दौरा स्टेशन के लिए प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ तथा भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के प्रति नई दिशा प्रदान करने वाला रहा।

निगम की सख्ती: दो मैरिज गार्डन पर लगा ताला

लाइसेंस और पंजीयन नियमों की अनदेखी पड़ी भारी, चौरसिया और दिव्यांचल मैरिज गार्डन सील

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर पालिक निगम ने शहर में बिना वैधानिक अनुमति संचालित हो रहे विवाह स्थलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मंगलवार को दो मैरिज गार्डनों को सील कर दिया। निगम की इस कार्रवाई के बाद शहर में संचालित अन्य विवाह स्थलों के संचालकों में भी हड़कंप की स्थिति है। निगम प्रशासन ने इंदिरा गांधी वार्ड स्थित नदीपार क्षेत्र के चौरसिया मैरिज गार्डन तथा महाराणा प्रताप वार्ड के बरगवां क्षेत्र में संचालित दिव्यांचल मैरिज गार्डन को सील करते हुए उनके संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी।

जांच में सामने आई अनियमितताएं

नगर निगम की जांच में पाया गया कि चौरसिया मैरिज गार्डन की अनुज्ञप्ति की अवधि समाप्त होने के बाद उसका नवीनीकरण नहीं कराया गया था। वहीं दिव्यांचल मैरिज गार्डन आवश्यक अनुमति और पंजीयन के बिना संचालित किया जा रहा था। यह स्थिति 'मध्यप्रदेश नगर पालिका विवाह स्थल पंजीयन एवं आदर्श उपविधि-2020' के प्रावधानों का उल्लंघन पाई गई।

नोटिस के बाद भी नहीं किया पालन

नोडल अधिकारी कॉलोनी सेल अंशुमान सिंह ने बताया कि दोनों संस्थानों को पूर्व में नोटिस जारी कर नियमों के अनुसार पंजीयन एवं अनुज्ञप्ति संबंधी प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। बावजूद इसके निर्धारित समय सीमा में आवश्यक दस्तावेज और अनुमतियां प्रस्तुत नहीं की गई, जिसके बाद निगम को सीलिंग की कार्रवाई करनी पड़ी निगम प्रशासन का कहना है कि शहर में संचालित सभी विवाह स्थलों की जांच की जा रही है। जिन संस्थानों द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जाएगा, उनके विरुद्ध भी इसी प्रकार की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना पंजीयन और वैधानिक अनुमति के किसी भी मैरिज गार्डन का संचालन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

नागरिकों को दी गई सलाह

नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि विवाह एवं सामाजिक आयोजनों के लिए बुकिंग करने से पहले संबंधित स्थल की वैधानिक स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। इससे आयोजन के दौरान किसी भी प्रकार की प्रशासनिक या कानूनी परेशानी से बचा जा सकेगा। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह सहित नगर निगम का अमला मौजूद रहा। निगम की इस कार्रवाई को शहर में नियमों के पालन को सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

खिरहनी तालाब विवाद में एसडीएम कोर्ट का बड़ा फैसला

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी के ग्राम खिरहनी स्थित खसरा नंबर 1091 एवं 1092 (रकबा 3.41 एकड़) पर स्थित तालाब के स्वामित्व को लेकर चल रहे लंबे विवाद पर एसडीएम न्यायालय ने महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा इस मामले को गंभीरता से लिये जाने के बाद न्यायालय ने राजस्व अभिलेखों को दुरुस्त करते हुए भूमि को पुनः शासकीय दर्ज करने का आदेश दिया है। ग्राम खिरहनी के निवासी राजकुमार, वृन्दावन पटेल और अन्य ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। ग्रामीणों का तर्क था कि यह भूमि पर स्थित तालाब ग्रामवासियों के सार्वजनिक उपयोग के लिए है, लेकिन कुछ लोगों ने अवैध रूप से अपना नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज करा लिया है। तहसीलदारए कटनी नगर की जांच रिपोर्ट और जिला अभिलेखागार से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 1962-63 में खसरे के कॉलम-3 पर सरकार दर्ज थी। वर्ष 1963-64 से 1965-66 तक यह भूमि प्रांतीय सरकार के नाम पर दर्ज थी। परंतु वर्ष 1966-67 से बिना किसी सक्षम आदेश के यह भूमि पर निजी व्यक्तियों नरबदा प्रसाद आदि के नाम भूमिस्वामी के रूप में दर्ज कर दिए गए। मामले में उपस्थित अनावेदकों के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि यह भूमि वर्ष 1907-08 से ही उनके पूर्वजों के नाम निजी भूमि के रूप में दर्ज चली आ रही है। उन्होंने तर्क दिया कि शासन के नाम प्रविष्टि त्रुटिपूर्ण थी और बाद में उसे सुधारकर पुनः उनके नाम दर्ज किया गया। अनावेदकों ने अपने दावे के समर्थन में व्यवहार न्यायालय के पूर्व निर्णयों और स्थगन आदेशों की प्रति भी प्रस्तुत की थी। सुनवाई के दौरान यह पाया गया कि वर्तमान भूमिस्वामियों द्वारा ऐसा कोई प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि राजस्व अभिलेख में उनका नाम किस सक्षम अधिकारी के आदेश से दर्ज हुआ। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि वर्ष 1963-64 के खसरा अभिलेख के अनुसार उक्त भूमि प्रांतीय सरकार के नाम पर दर्ज थी। किसी भी शासकीय भूमि को निजी दर्ज करने के लिए सक्षम अधिकारी का आदेश आवश्यक है, जिसका विवरण अभिलेखों में नहीं पाया गया। म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत खसरा प्रविष्टि में संशोधन की अनन्य अधिकारिता राजस्व न्यायालय को प्राप्त है। जिसके तहत न्यायालय ने आदेश दिया है कि राजस्व अभिलेख वर्ष 1963-64 से वर्ष 1966-67 के अनुसार पूर्ववत प्रांतीय सरकार की प्रविष्टि दर्ज की जाए। साथ ही, कैफियत कॉलम में तालाब है, पानी का निस्तार सुरक्षित दर्ज करने का निर्देश दिया गया है। इस आदेश के क्रियान्वयन के लिए प्रकरण तहसीलदार, कटनी नगर को प्रेषित कर दिया गया है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का हुआ नगर प्रशिक्षण वर्ग

कटनी (स्वतंत्रमत)

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कटनी नगर इकाई रीठी का नगर का प्रशिक्षण वर्ग राजीव गांधी महाविद्यालय रीठी में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत शुभारंभ ज्ञान की देवी माँ सरस्वती एवं युवाओं के प्रेरणास्त्रोत स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीपप्रज्वलन कर किया गया। नगर प्रशिक्षण वर्ग में विद्यार्थी परिषद के नगर के सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यह वर्ग 4 सत्रो में आयोजित की गई थी जिसमे कार्यपद्धित एवं दायित्व बोध विषय पर नरसिंहपुर विभाग संगठन मंत्री एवं प्रांत मंत्री सुव्रत बाझल जैन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सत्र के उद्घाटन एवं प्रस्ताविक सत्र में विद्यार्थी परिषद नरसिंहपुर विभाग के संगठन मंत्री व प्रांत मंत्री सुव्रत बाझल एवं मुड़वारा भाग संयोजक नितिन साहू जी उपस्थित रहे। अंतिम सत्र में नव निर्वाचित नगर अध्यक्ष डॉ. मनोज खरे ने नगर की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की। सत्र 2026-27 की नगर कार्यकारिणी में नगर मंत्री सतेंद्र नामदेव, नगर कोषाध्यक्ष विनय साहू, उपाध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र राजपूत, संतोष केवट, नगर सहमंत्री अर्पित ठाकुर, निशांत नामदेव, बेबी पटेल, अमन पटेल नगर कार्यालय मंत्री जयप्रकाश पटेल, नगर एसएफडी प्रमुख ध्रुव बेन, नगर एसएफएस प्रमुख निलेश महोबिया, नगर राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख शिवम साहू, सह प्रमुख भृगुराज सिंह, नगर तकनीकी कार्य प्रमुख सतीश पटेल, नगर स्टडी सर्कल प्रमुख शिवानी पटेल, नगर महाविद्यालीन प्रमुख वंशिका पटेल, नगर विद्यालीन प्रमुख सचिन पटेल, नगर खेलो भारत प्रमुख अंकुश सेन, एनएसएस प्रमुख हर्षिता राय, नगर कार्यकारिणी सदस्य सुजल दुबे, प्रभांश, भूपेंद्र, सतीश, अभिजीत, सोमवती सेन, अभि गुप्ता, वंदना पटेल, मयूर श्रीवास्तव, रोहित राजपाल, ब्रजेश पटेल का समावेश है।

जनसुविधा सर्वोपरि: सीवर एवं पाइपलाइन कार्यों की महापौर ने की विस्तृत समीक्षा

गुणवत्ता, समयबद्धता और जनसुरक्षा को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर निगम क्षेत्र में अमृत योजना के अंतर्गत संचालित सीवर नेटवर्क एवं पाइपलाइन विस्तार कार्यों की प्रगति की समीक्षा हेतु महापौर प्रीति संजीव सूरी ने मंगलवार को अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में अमृत योजना के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे सीवर एवं पाइपलाइन विस्तार के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए। महापौर ने अधिकारियों से क्षेत्रवार जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि सीवर एवं पाइपलाइन विस्तार कार्य शहर की महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजनाओं में शामिल हैं, कार्यों

के क्रियान्वयन में गुणवत्ता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन क्षेत्रों में कार्य संचालित हैं, वहां नागरिकों को न्यूनतम असुविधा हो, इसके लिए कार्यों का सुव्यवस्थित एवं चरणबद्ध संचालन सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा बैठक में महापौर ने रेस्टोरेशन कार्यों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पाइपलाइन एवं सीवर लाइन बिछाने के उपरांत सड़कों और मार्गों का पुनर्स्थापन भी तय समयसीमा में किया जाए। रेस्टोरेशन कार्य उच्च गुणवत्ता मानकों के अनुरूप हों तथा कार्य पूर्ण होने के बाद संबंधित क्षेत्र को सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप में नागरिकों के उपयोग हेतु उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी क्षेत्र में कार्य प्रारंभ करने से पूर्व संबंधित क्षेत्रीय पार्षदों एवं स्थानीय नागरिकों को आवश्यक सूचना प्रदान की जाए। साथ ही कार्यों के संबंध में व्यापक जनजागरूकता सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों को परियोजना की जानकारी रहे और उन्हें अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। महापौर ने कहा कि खुदाई कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि उतने ही क्षेत्र में खुदाई की जाए, जितने क्षेत्र में समय पर भराई एवं पुनर्स्थापन का कार्य किया जा सके। सभी कार्यस्थलों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा व्यवस्थाएं अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाएं, जिससे आमजन की सुरक्षा बनी रहे और दुर्घटनाओं की संभावना न हो। बैठक में महापौर ने अधिकारियों को कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने, गुणवत्ता की सतत निगरानी बनाए रखने तथा सभी निर्माण कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि अमृत योजना के अंतर्गत शहरवासियों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक सीवर सुविधाओं का लाभ शीघ्र प्राप्त हो सके। बैठक के दौरान उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव, असिस्टेंट रेजिडेंट इंजीनियर सौरभ नोगज़ा सहित पीडीएमसी के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किराया बकाया पर बस स्टैंड की दुकानों में तालाबंदी

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर पालिक निगम द्वारा राजस्व वसूली अभियान के तहत निगम स्वामित्व की संपत्तियों से बकाया किराया वसूली को लेकर सख्ती बढ़ा दी गई है। इसी क्रम में मंगलवार को बस स्टैंड परिसर स्थित दो दुकानों पर किराया बकाया होने पर तालाबंदी की कार्रवाई की गई। निगम प्रशासन के अनुसार दुकान क्रमांक 21 और दुकान क्रमांक 8 के आवंटियों द्वारा लंबे समय से किराया राशि जमा नहीं की जा रही थी। बार-बार नोटिस और सूचना दिए जाने के बावजूद बकाया राशि का भुगतान नहीं होने पर राजस्व वसूली अमले ने

मौके पर पहुंचकर नियमानुसार दुकानों में ताला लगाकर कार्रवाई की। राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक ने बताया कि दुकान क्रमांक 21 पर सितंबर 2025 से 15 हजार 996 रुपये तथा दुकान क्रमांक 8 पर अप्रैल 2024 से 5 हजार 104 रुपये की किराया राशि बकाया थी। समय सीमा के भीतर भुगतान नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई की गई। इस दौरान राजस्व निरीक्षक विनोद सिंह चौहान भी मौजूद रहे। कार्रवाई के बाद एक आवंटी द्वारा बकाया राशि निगम कोष में जमा कराए जाने पर संबंधित दुकान का ताला नियमानुसार खोल दिया गया। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निगम की संपत्तियों का उपयोग करने वाले सभी किरायेदारों के लिए निर्धारित समय पर किराया जमा करना अनिवार्य है।

बाढ़ आपदा प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)

मध्यप्रदेश के आपदा प्रबंधन संस्थान के निर्देशानुसार सिविल डिफेंस टाउन, कटनी में कलेक्टर आशीष तिवारी के मार्गदर्शन में बाढ़ आपदा प्रबंधन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण होमगार्ड कार्यालय, झिंझरी, कटनी में संपन्न हुआ। जिसमें जिले की मछुआरा समिति के लगभग 100 सदस्यों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डिप्टी कलेक्टर विंकी सिंहमारे एवं तहसीलदार

नेहा जैन प्रभारी राहत शाखा, कटनी उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेंट राजेन्द्र सिंह बघेल एवं प्लाटून कमाण्डर विजयांश चौधरी द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। इसके पश्चात सिंहमारे ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं सरस्वती पूजन कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण के दौरान मछुआरा समिति के सदस्यों को मुख्य अतिथि द्वारा बाढ़ आपदा की स्थिति में सतर्कता, बचाव एवं प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। यह प्रशिक्षण सिविल डिफेंस कटनी के सेवानिवृत्त सीडीआई आर.पी. त्रिपाठी एवं सेवानिवृत्त होमगार्ड तिलकेश्वर परौहा द्वारा प्रदान किया गया।

आयुध निर्माणी कटनी में एआईडीईएफ पदाधिकारियों का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

कटनी (स्वतंत्रमत)

आयुध निर्माणी कटनी में मजदूर संघ द्वारा एआईडीईएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. एन. पाठक, सीईसी सदस्य अंबरीश सिंह, जेसीएम द्वितीय सदस्य राजा पाण्डेय, खमरिया लेबर यूनियन के अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह तथा जीसीएफ मजदूर संघ के महामंत्री रोहित यादव का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वागत समारोह में बड़ी संख्या में कर्मचारियों एवं मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने भाग लिया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया तथा कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए एस. एन. पाठक ने कर्मचारियों के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों जैसे एमसीएम से चार्जमैन पदोन्नति, आठवां वेतन मान, लेबर कोड कर्मचारियों की सर्विस कंडीशन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा किए एआईडीईएफऊ सदैव कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है और भविष्य में भी कर्मचारियों के अधिकारों, पदोन्नति, वेतन, भत्तों तथा सेवा संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयास करती रहेगी। उन्होंने कर्मचारियों से संगठित रहने तथा मजदूर हितों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य शिव पाण्डेय ने कहा किए गत 44 वर्षों से लगातार, आईडीईएफ्फ के साथ मिलकर मजदूर संघ का एक एक सिपाही कर्मचारी हित में संघर्षरत है। कार्यक्रम का संचालन कार्यवाहक महामंत्री संजय तिवारी और समापन धन्यवाद कार्यवाहक अध्यक्ष राजेश दुबे ने किया। मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों एवं कर्मचारियों का कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आभार व्यक्त किया।

लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस का उपवास

कटनी (स्वतंत्रमत)। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी एवं महिला कांग्रेस के संयुक्त नेतृत्व में जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों पर उपवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से कांग्रेसजनों ने लोकतांत्रिक मूल्यों पर किए गए इस प्रहार के विरुद्ध अपना शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। उपवास कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि राज्यसभा चुनाव की प्रक्रिया में जिस प्रकार से झूठ, षड्यंत्र और राजनीतिक दुर्भावना का सहारा लेकर विपक्ष की मजबूत आवाज को दबाने का प्रयास किया गया, वह लोकतंत्र की मूल भावना के विपरीत है। कांग्रेस पार्टी संविधान,

लोकतांत्रिक संस्थाओं और निष्पक्ष चुनावी व्यवस्था की रक्षा के लिए निरंतर संघर्ष करती रहेगी। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक और राजनीतिक दल को समान अवसर मिलना चाहिए। यदि चुनावी प्रक्रियाओं को प्रभावित कर विपक्ष की भागीदारी को बाधित किया जाता है तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इसी के विरोध में कांग्रेसजनों ने उपवास कर लोकतंत्र एवं संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष सौरभ सिंह, शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, महिला कांग्रेस अध्यक्ष रजनी वर्मा, राजा जगवानी, विजय पटेल, राजेश जाटव, जितेन्द्र गुप्ता, अजय जैसवानी, विवेक पांडे, कमल पांडे, मोसुफ अहमद बिट्टू, मंगल सिंह, नारायण निषाद, रंजीत सिंह, श्याम यादव, कल्लू दास बैरागी, विनीत जायसवाल, राजकुमार विश्वकर्मा, सुशील जायसवाल, अजय कोल, सचिन गर्ग, रमेश अहिरवार, दिलदार खान, आदि उपस्थित रहे।

एसपी के नाम सौंपा ज्ञापन

कटनी (स्वतंत्रमत)। ग्राम जोहला में आदिवासी समाज के ऊपर हुए हमले को लेकर एनकेजे थाने में कार्यवाही एवं सुनवाई न होने के कारण जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर

सौरभ सिंह एवं कार्यकर्ताओं द्वारा ग्राम वासियों महिलाओं एवं पीड़ितों के साथ मिलकर एसपी के नाम एक ज्ञापन सौंपा कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने की मांग की गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, कटनी (म.प्र.)

क्र./765/विद्युत विभाग /2026-27

कटनी, दिनांक-01/06/2026

// निविदा सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2026_UAD_ 512366-1	नगर पालिक निगम कटनी के विभिन्न विद्यालय साधुराम ए रवीन्द्रराव एवं के.सी.एस. में विद्युतीकरण कार्य।	30 दिवस लागत 8,05,650/-	2,000/- 8,056/-	17/06/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://mptenders.gov.in की वेबसाईड पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (वास्ते-आयुक्त)
नगर पालिक निगम, कटनी

प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायकः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

प्रधानमंत्री ने देश के 25 करोड़ लोगों को मकान दिलवाए, 80 करोड़ नागरिकों को बांटा जा रहा है निःशुल्क अनाज

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व के 12 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारत की आज़ादी के बाद निर्वाचित रूप से सबसे अधिक अवधि तक देशसेवा करने का रिकॉर्ड आज अपने नाम किया है। वे दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नायक हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में सर्वाधिक लंबे समय तक कार्य किया है। यह सभी देशवासियों के लिए गौरवशाली क्षण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी, जनता के हित में एकजुटता के साथ कार्य करते हैं। वे अपनी पूर्ण क्षमता के साथ भारत को दुनिया में नंबर-1 देश बनाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आंतरिक रूप से सुरक्षित है, और सीमा से बाहर भी दुश्मनों के दांत खट्टे कर भारतीय सेना ने अपनी सामर्थ्य सिद्ध की है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में

राष्ट्र सेवा के 12 वर्ष पूर्णहोने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव, भोपाल के गुफा मंदिर में आयोजित हनुमान चालीसा और प्रार्थना कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हनुमान चालीसा का श्रवण कर भगवान का पूजन अर्चन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के बाद उपस्थित नागरिकों को संबोधित करते हुए यह विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्थानीय सांसद आलोक शर्मा, रविन्द्र यति तथा अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

देश के भीतर सशक्त हुई है जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राम राज्य में कोई भूखा नहीं सोता था, बेटियां सुरक्षित थीं, गौमाता के पूजन के साथ-साथ सनातन संस्कृति के मंदिरों का वैभव था। प्रधानमंत्री श्री मोदी का कार्यकाल भी इन्हीं उपलब्धियों का साक्षी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी सादगीपूर्ण जीवनशैली के साथ देश सेवा में समर्पित हैं। उन्होंने देश के 25 करोड़ लोगों को मकान दिलवाए, 80 करोड़ नागरिकों को निश्शुल्क अनाज वितरित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में करोड़ों लोग गरीबी रेखा से बाहर निकलकर सम्मानपूर्वक जीवनयापन कर रहे हैं। हम सभी के लिए गर्व की बात है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश के भीतर जनसेवा और सीमा पर सामरिक सुरक्षा सशक्त हुई है।

देश में है एक नए संकल्प का वातावरण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भगवान श्री राम और हनुमान जी के आशीर्वाद से पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी पवित्र गीता में बताए कर्मवाद के सिद्धांत पर काम करते हैं। उन्होंने अपने कार्यों से पृथ्वी पर अपने जन्म को सार्थक किया है। गरीब परिवार में जन्मे प्रधानमंत्री श्री मोदी आज देश के गरीब परिवारों के लिए एक आदर्श हैं। देश में एक नए संकल्प का वातावरण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में सबको अवसर मिलता है। प्रदेशवासी अपने जीवन में संकल्प लें, संघर्ष करें और आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज अयोध्या में श्रीराम का भव्य मंदिर बन चुका है। देश-दुनिया से श्रद्धालु मंदिर में प्रभु श्रीराम और हनुमान जी का आशीर्वाद ले रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। प्रभु श्रीराम की विशेष कृपा मध्यप्रदेश पर है, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है।

मध्यप्रदेश को लगातार मिल रहा प्रधानमंत्री का आशीर्वाद

स्थानीय सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश ने विगत वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता, डिजीटल नवाचार और इन्फ्रास्ट्रक्टर निर्माण में अभूतपूर्व उपलब्धियां दर्ज की हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में गरीब, किसान, नारी सशक्तिकरण और युवाओं के गहरी संवेदना हैं। मध्यप्रदेश को हर पल उनका आशीर्वाद और मार्गदर्शन निरंतर प्राप्त हो रहा है।

महिला आयोग ने शुरू की टोल-फ्री हेल्पलाइन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिलाओं के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन 1800-233-6112 का शुभारंभ किया। हेल्पलाइन के माध्यम से प्रदेश की महिलाएं सीधे आयोग से संपर्क कर अपनी शिकायतें, समस्याएं और सुझाव दर्ज करा सकेंगी। भोपाल स्थित राज्य महिला आयोग कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आयोग की अध्यक्ष श्रीमती रेखा यादव, सदस्य श्रीमती साधना स्थापक तथा आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने हेल्पलाइन का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर आयोग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। श्रीमती यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण केवल योजनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को न्याय और सहायता तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि नई टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं और आयोग के बीच सीधा संवाद स्थापित करेगी, जिससे उनकी समस्याओं का त्वरित संज्ञान लेकर प्रभावी

अब एक कॉल पर मिलेगी सहायता, शिकायतों के त्वरित निराकरण की होगी प्रभावी व्यवस्था

कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए उपयोगी होगी जो किसी कारणवश सीधे आयोग तक नहीं पहुंच पाती हैं।

पारदर्शी होगी शिकायत निवारण प्रक्रियामध्यप्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा शुरू की गई यह टोल-फ्री हेल्पलाइन महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने तथा न्याय तक उनकी पहुंच को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। श्रीमती यादव प्रदेश की सभी महिलाओं से अपील की है कि आवश्यकता पड़ने पर वे निःसंकोच टोल-फ्री नंबर 1800-233-6112 पर संपर्क कर अपनी समस्याएं दर्ज कराएं और उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाएं। श्रीमती स्थापक ने कहा कि आयोग का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, सम्मानजनक और न्यायपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराना है। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता, गंभीरता और प्राथमिकता के साथ कार्रवाई की जाएगी, जिससे पीड़ित महिलाओं को शीघ्र राहत मिल सके। आयोग के सचिव सुरेश तोमर ने बताया कि हेल्पलाइन महिलाओं की शिकायतों के पंजीयन, मार्गदर्शन, परामर्श तथा संबंधित मामलों के फॉलोअप के लिए एक प्रभावी माध्यम के रूप में कार्य करेगी। इससे शिकायत निवारण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनेगी।

सांसद ने किया कवियत्री डॉ. प्रेमलता नीलम का सम्मान

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व मे केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य मे भाजपा द्वारा चलाए जा रहे विशेष जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत सांसद राहुल सिंह लोधी वरिष्ठ कवियित्री डॉ. प्रेमलता नीलम के निवास पर पहुंचे उनसे हिन्दी बुंदेली बाल साहित्य एंव देशभक्ति काव्य पर वार्ता हुई। मप्र शासन संस्कृति विभाग साहित्य अकादमी भोपाल द्वारा बाल साहित्य पुरस्कार 2024 मे प्रदान किया गया। हरदौल कुंजा पुस्तक पर राज्यपाल महामहिम बलराम जाकड़ ने बुंदेली पुरस्कार प्रदान किया था। साक्षात्कार के बाद सांसद ने डॉ. प्रेमलता नीलम को शाल श्रीफल से सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री अरुण तिवारी जिला मंत्री रानू नामदेव मंडल अध्यक्ष रमाकांत वाजपेयी राजेंद्र चौरसिया एवं समस्त कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सायबर जालसाजों से सावधान रहें, बिल भुगतान केवल अधिकृत माध्यमों से करें : ऊर्जा मंत्री

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सऐप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। मंत्री श्री तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिये किसी निजी मोबाइल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सऐप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा निर्धारित आईडी से ही एसएमएस एवं व्हाट्सऐप केवल 075525-51222 सेंडर आईडी से ही प्रेषित किए जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत

देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सऐप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ताओं से अपील की गई है कि वे किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सऐप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें।

कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है। इसमें बिल भुगतान कराने के लिये भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं। इस प्रकार के एसएमएस, व्हाट्सऐप मैसेज एवं आई.व्ही.आर. फोन कॉल फर्जी हैं। इन पर ध्यान नहीं दिया जाए। उपभोक्ताओं से अपील की गयी है इस प्रकार के फर्जी सायबर जालसाजों से सतर्क और सावधान रहें। सायबर फ्रॉड संबंधित किसी भी घटना की सूचना तत्काल भारत सरकार की हेल्पलाइन 1930 पर दर्ज कराए।

मोदी सरकार के फैसलों ने बदली देश की दिशा और दशा : राज्यमंत्री पटेल

ग्राम झागर में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर देशभर में विकास, विश्वास और जनकल्याण की उपलब्धियों को याद किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार 4,399 दिनों तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करते हुए नया इतिहास रच दिया। इस आशय के विचार प्रदेश के पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने ग्राम झागर में सामुदायिक भवन के भूमिपूजन के उपरांत आयोजित गरियामय समारोह में व्यक्त किये। ग्राम झागर पहुँचने पर सर्वप्रथम भगवान गणेश मंदिर पहुँचकर पूजा अर्चना की। राज्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने तेज गति से विकास किया है और जनकल्याण की अनेक योजनाओं को धरातल पर उतारा गया है। सरकार द्वारा लिए गए कई

ऐतिहासिक निर्णयों ने देश की दिशा और दशा बदलने का कार्य किया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल विहारी बाजपेयी के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाओं ने ग्रामीण भारत की तस्वीर बदल दी थी। उसी प्रकार प्रधानमंत्री ने हर घर नल से जल जैसी महत्वाकांक्षी योजना को गति देकर देश के करोड़ों परिवारों तक स्वच्छ पेयजल पहुँचाने का कार्य किया है।

देश के विभिन्न हिस्सों में पाइपलाइन के माध्यम से घर-घर पानी पहुँचाने का कार्य तेजी से चल रहा है। कई स्थानों पर योजना शुरू हो चुकी है जबकि अन्य क्षेत्रों में टेंडर प्रक्रिया पूरी होकर कार्य प्रारंभ होने वाला है। आने वाले समय में हर घर तक नल से जल पहुँचाने का लक्ष्य पूरा किया जाएगा। प्रधानमंत्री की विदेश नीति और रणनीतिक नेतृत्व के कारण आज विश्व में भारत की प्रतिष्ठा लगातार बढ़ी है। जिन देशों में कभी भारत के प्रधानमंत्री को महत्व नहीं दिया जाता था। आज वही देश भारत के नेतृत्व का सम्मान करते हुए स्वागत के लिए आगे आते हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की मजबूत नीति और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का परिणाम है। प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में लगातार 9013 दिनों तक जनता की सेवा की है और इस दौरान एक भी दिन अवकाश नहीं लिया। यह उनकी कार्यशैली और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। राज्यमंत्री पटेल ने कहा आज देश के कई राज्यों में विकास कार्यों के लिए शगुजरात मॉडलश् का उदाहरण दिया जाता है। यह मॉडल निर्माण, विकास और सुशासन का प्रतीक बन चुका है और देश की दिशा बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होने कार्यक्रम के अंत में सभी नागरिकों को शुभकामनाएँ देते हुए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सहायक ग्रेड 3 संजू पटेरिया प्रतिनियुक्ति पर देवेंद्रनगर मंडी भेजे गए

हटा (स्वतंत्र मत)। कृषि उपज मंडी समिति हटा में लंबे समय से पदस्थ सहायक ग्रेड 3 संजू पटेरिया को जिला पन्ना की कृषि उपज मंडी समिति देवेंद्रनगर में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है। संयुक्त संचालक कृषि विपणन बोर्ड सागर द्वारा जारी आदेश के अनुसार उन्हें एक वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ किया गया है। जानकारी के अनुसार संजू पटेरिया का नाम इन दिनों चर्चित भावांतर योजना प्रकरण से जुड़े घटनाक्रमों के संदर्भ में भी चर्चा में है। कृषि उपज मंडी हटा में दर्ज अपराध क्रमांक 428/25 से संबंधित मामले में 29 मई को मप्र उच्च न्यायालय में आरोपी गल्ला व्यापारी प्रखर अग्रवाल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई हुई थी। सुनवाई के दौरान मंडी कार्यालय से न्यायालय को भेजे गए एक प्रतिवेदन का उल्लेख हुआए जिसमें बिट्ठल ट्रेडर्स के गोदाम का निरीक्षण नहीं किए जाने की बात कही गई थी।

अवैध रेत परिवहन करते डम्पर जब्त

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशन में खनिज विभाग द्वारा खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में तहसील पटेरा अन्तर्गत क्षेत्र भ्रमण के दौरान हटा रोड पटेरा मे डम्पर नम्बर सीजी 04 एनटी 5024 द्वारा

रेत का ओव्हर लोड परिवहन पाए जाने पर जप्त कर पुलिस थाना पटेरा में खड़ा किया जाकर सुरक्षार्थ सुपुर्द किया गया है। प्रकरण में खनिज नियमों के तहत कारवाई प्रस्तावित कर प्रकरण कलेक्टर यादव के समक्ष निराकरण हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। जिले में खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन और भंडारण के रोकथाम की कारवाई सतत जारी रहेगी।

नाम सुधार सूचना

मैं गोपाल डुडेजा (GOPAL DUDEJA) पिता श्री श्याम सुन्दर डुडेजा निवासी 772/2 मंडला रोड शिविर गार्डन कॉलोनी, तिलहरी, बिलहरी एस.ओ., बिलहरी जबलपुर मध्यप्रदेश 482020 यह कथन करता हूँ कि मेरा पूर्व में नाम गोपाल कुमार डुडेजा था परन्तु मेरे सभी शासकीय दस्तावेज में मेरा नाम गोपाल डुडेजा दर्ज है अतः अब से मुझे मेरे नया नाम गोपाल डुडेजा पिता श्री श्याम सुंदर डुडेजा के नाम से जाना व पहचाना जावे। गोपाल डुडेजा और गोपाल कुमार डुडेजा दोनों एक ही व्यक्ति है।

पुराना/ गलत नाम
गोपाल कुमार डुडेजा
(Gopal Kumar Dudeja)
नया/ सही नाम - गोपाल डुडेजा
(GOPAL DUDEJA)

कार्यालय नगर पालिक निगम जबलपुर (म.प्र.)

// निविदा आमंत्रण सूचना //

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https:/mptender.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1.	2.	3.	4.	5.	6.
1.	PRO-279 2026_UAD_514472_1 Date : 10-06-2026	मुख्यायल अंतर्गत राजस्व विभाग में एल्यूमीनियम पॉटीशन कार्य, टीनशेड, टॉयलेट रिपेयरिंग प्लास्टर रिपेयरिंग पुताई पुट्टी कार्य एवं अन्य आवश्यक कार्य।	02 माह रू. 7.76 लाख	रू. 2,000/- रू. 7765/-	25/06/2026

नोटः- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाईड https:/mptender.gov.in पर किया जावेगा. पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
नगर पालिक निगम, जबलपुर

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन ने 6 सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

हटा (स्वतंत्र मत)। प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन की तहसील शाखा हटा द्वारा बुधवार को प्रांतीय संगठन के आह्वान पर तहसीलदार डॉ. आलोक जैन को एक ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम प्रेषित किया गया। ज्ञापन में पेंशनरों की छह सूत्रीय लंबित मांगों का उल्लेख करते हुए उनके शीघ्र निराकरण की मांग की गई। प्रमुख मांगों में लंबित एरियर्स का भुगतानए कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना में प्रीमियम भुगतान से पेंशनरों को छूट प्रदान करना तथा मप्र राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 (6) को तत्काल समाप्त करना शामिल है। पेंशनर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि लंबे समय से लंबित मांगों के कारण प्रदेश के पेंशनरों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 10/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुनील कुमार सराफ पिता स्व. डी.पी. सराफ ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक 1683 एलआईजी 24 गोविंद भवन हाउसिंग बोर्ड सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000400780 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित द्वितीय तल 600 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री आर.के. दशोरे पिता एस.एस. दशोरे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 10/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुनील कुमार सराफ पिता श्री डी.पी. सराफ ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक 1683 गोविंद भवन हाउसिंग बोर्ड कालोनी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000400406 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित प्रथम तल 550 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री/श्रीमती मुक्ता मिश्रा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 10/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सुनील कुमार सराफ पिता श्री डी.पी. सराफ ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक 1684 अनिल भवन टंकी के पास सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000398643 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित प्रथम तल 600 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती प्रेमलता दशोरे पति स्व. शिवनारायण दशोरे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 10/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहित अग्रवाल पिता श्याम सुंदर अग्रवाल ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक ब्लाक नं. 21 प्लाट नं. 7/13 जी डिलाइट चौराहा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000398767 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 600 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 300 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री जफरूद्दीन पिता हमीदुद्दीन का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 10/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता देवी गोस्वामी पति स्व. श्री रतन गिरी गोस्वामी ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक म.नं. 2097 नई बस्ती कजरवारा सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000387449 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 1155 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री रतन गिरी गोस्वामी पिता हल्के गिरी का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-11 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र./सं.क्र. 11/2026-27
दिनांक 10/06/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) जितेन्द्र गुप्ता पिता आर.डी. गुप्ता (2) श्रीमति ज्योति गुप्ता पति जितेन्द्र गुप्ता ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. एफ 05 चग्गर फार्म शंकर मंदिर के पास के पिन क्रमांक 1000378527 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1744 व.फु. पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री मिथलेश्वर प्रसाद सिंह पिता स्व. राम सेवक सिंह का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11, नगर निगम, जबलपुर

इंग्लैंड के हैरी ब्रूक नंबर-1 टेस्ट बैटर, जो रूट को पीछे छोड़ा

गिल आठवें नंबर पर पहुंचे, बॉलर्स में बुमराह टॉप पर

दुबई। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक आईसीसी टेस्ट बैटर रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अपने करियर में दूसरी बार यह पोजिशन हासिल की है। बुधवार को जारी रैंकिंग में उन्होंने इंग्लैंड के ही जो रूट को पीछे छोड़ा। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड दूसरे और जो रूट तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल को दो स्थान का फायदा हुआ है। वे 8वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ इकलौते टेस्ट में 126 रन की पारी खेली थी।न्यूजीलैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए पहले टेस्ट में ब्रूक ने अर्धशतक जड़ा था। इंग्लैंड ने यह मैच 115 रनों से जीता। इस प्रदर्शन का फायदा ब्रूक को रैंकिंग में मिला। दिसंबर 2024 में भी हैरी ब्रूक पहली बार नंबर-1 टेस्ट बल्लेबाज बने थे। लॉर्ड्स टेस्ट में जो रूट का बल्ला शांत रहा था। वे दोनों पारियों में 1 और 8 रन ही बना सके। इस प्रदर्शन के चलते रूट तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं।

भारतीय स्टार शुभमन गिल को दो स्थान का फायदा

ताजा रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाजों को भी फायदा हुआ है। अफगानिस्तान के खिलाफ शतक जड़ने वाले शुभमन गिल दो पायदान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के बेन डकेट तीन स्थान के सुधार के साथ 15वें नंबर पर आ गए हैं। जेमी स्मिथ 5 पायदान चढ़कर 23वें और न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स 15 स्थान चढ़कर 40वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजों में गस एटकिंसन की टॉप-10 में एंट्री

लॉर्ड्स टेस्ट की आखिरी पारी में 30 रन देकर 5 विकेट लेने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को फायदा हुआ है। वे टेस्ट रैंकिंग में 7 पायदान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वे ऑलराउंडर्स की लिस्ट में भी दो स्थान के सुधार के साथ छठे नंबर पर आ गए हैं। लंबे ब्रेक के बाद टेस्ट क्रिकेट में लौटे काइल जैमीसन 22वें और ओली रॉबिन्सन 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि नाथन स्मिथ 16 पायदान चढ़कर 43वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

सेरेना विलियम्स ने कनाडा की विक्टोरिया म्बोको के साथ डबल्स मैच जीता

चार साल बाद टेनिस कोर्ट पर जीत के साथ शानदार वापसी

लंदन। यह कहना कम होगा कि टेनिस की दुनिया की नज़रें नंबर 3 सीड एरिन रूटलिफ़ और निकोल मेलिचर-मार्टिनेज़ और चर्चा में रही जोड़ी विक्टोरिया म्बोको और सेरेना विलियम्स के बीच महिला डबल्स मैच पर टिकी थीं। एंडी मरे एरिना में एक भी सीट खाली नहीं थी। 44 साल की उम्र और 23 बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन ने प्रोफेशनल टेनिस में शानदार वापसी की। उन्होंने युवा टैलेंट म्बोको के साथ मिलकर सीडेड जोड़ी को सीधे सेटों में 7-6(2), 6-2 से हराया। विलियम्स और म्बोको के हर सर्व, शॉट, बचाव और जीते गए हर पॉइंट पर दर्शकों ने ज़ोरदार उत्साह दिखाया। लंदन के क्वींस क्लब में अलग-अलग पीढ़ी की इस जोड़ी ने खेल के अतीत और भविष्य का शानदार प्रतिनिधित्व किया। पहले सेट में शुरुआती ब्रेक पॉइंट ने मैच का माहौल बना दिया। कागज़ पर कम रैंकिंग वाली जोड़ी होने के बावजूद, विलियम्स और म्बोको ने रूटलिफ़ और मेलिचर-मार्टिनेज़ पर दबाव बनाए रखा।अनुभवी डबल्स खिलाड़ियों ने भले ही टाई-ब्रेक तक संघर्ष किया, लेकिन अहम मौकों पर वे नॉर्थ अमेरिकन जोड़ी को नहीं हरा पाए और दर्शकों की पसंदीदा जोड़ी को पहला सेट गंवा दिया।पूरे जोश के साथ खेलते हुए, विलियम्स और म्बोको ने ब्रिटिश राजधानी में सबको हैरान करना जारी रखा।उन्होंने दूसरे सेट में 2-1 पर एक और शुरुआती ब्रेक हासिल किया और धीरे-धीरे रूटलिफ़ और मेलिचर-मार्टिनेज़ पर अपनी पकड़ मज़बूत कर ली। 5-2 के स्कोर पर एक अहम ब्रेक पॉइंट का फ़ायदा उठाते हुए, नॉर्थ अमेरिकन जोड़ी ने अपनी सर्विस बरकरार रखी और शानदार अंदाज़ में मैच जीत लिया। इस मुश्किल जीत का जश्न दर्शकों के साथ मनाया गया, जिनमें अल्पाइन स्कीइंग की दिग्गज लिंडसे वॉन और विलियम्स की बेटियाँ, ओलंपिया और आदिरा रिवर भी शामिल थीं।मैच के बाद विलियम्स ने कहा, विक्टोरिया के साथ खेलने में मुझे बहुत मज़ा आया। उन्होंने टीम को संभाले रखा और अहम मौकों पर शानदार खेल दिखाया। मैं उन पर भरोसा कर सकती थी।

फीफा वर्ल्ड कप के लिए एक्सपर्ट पैनल में शामिल हुए बाइचुंग भूटिया

मुंबई। जी 5 अपने प्लेटफॉर्म पर शानदार और हाई-क्वालिटी स्ट्रीमिंग के ज़रिए लाखों फैंस तक फीफा का रोमांच पहुंचाकर फुटबॉल देखने के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए तैयार है।अपनी बड़ी पहुंच और बेहतरीन डिजिटल क्षमताओं के साथ, जी 5 ग्यारह जून से लाइव मैच, हाइलाइट्स और खास कंटेंट दिखाएगा, ताकि दर्शक किसी भी डिवाइस पर इस ग्लोबल फुटबॉल इवेंट के हर पल से जुड़े रह सकें।यह साझेदारी जी 5 के स्पोर्ट्स पोर्टफोलियो को मजबूत करने के साथ-साथ दर्शकों को फीफा टूर्नामेंट के जुनून और बड़े पैमाने के हिसाब से एक शानदार, आसान और प्रीमियम एंटरटेनमेंट अनुभव देने की उसकी प्रतिबद्धता को दिखाती है। देखने के अनुभव को और भी रोमांचक बनाते हुए, भारतीय फुटबॉल के दिग्गज बाइचुंग भूटिया फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए जी 5 के एक्सपर्ट पैनल में शामिल हो रहे हैं।भारत के सबसे महान फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले भूटिया ने अपने शानदार करियर, लीडरशिप और भारतीय फुटबॉल में योगदान के ज़रिए देश में इस खेल को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

फीफा विश्वकप से पहले हुए मुकाबले में मेसी के गोल से अर्जेंटीना ने आइसलैंड को हराया

अलबामा। स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी के शानदार प्रदर्शन से अर्जेंटीना ने फीफा विश्वकप से पहले अपने दोस्तान मैच में आइसलैंड को 3-0 से हरा दिया। इस जीत से टीम का उत्साह बढ़ा है। इससे मेसी की फिटनेस पर उठे सवाल भी समाप्त हो गये। मांसपेशियों की चोट से उबरने के बाद मैदान पर लौट रहे मेसी ने मुकाबले की शुरुआत स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में की, लेकिन जब वह मैदान पर उतरे तो उन्होंने अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन किया। मेसी 70 वें मिनट में मैदान पर उतरे, जिससे स्टेडियम में मौजूद प्रशंसकों में जबरदस्त उत्साह भर गया। उनके मैदान पर आने के केवल दो मिनट बाद ही, 72वें मिनट में लोटारो मार्टिनेज के खिलाफ फाउल के लिए मिली पेनल्टी को उन्होंने गोल में बदल दिया। यह गोल उनकी शानदार फिटनेस और खेल कौशल का प्रमाण था, और इसने यह संकेत भी दिया कि वह एक बार फिर विश्व कप के बड़े मंच पर चमकने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

अर्जेन्टीना की टीम आइसलैंड के खिलाफ इस मुकाबले में पूरी तरह से हावी रही। मेसी के आने से पहले ही टीम ने दो अन्य गोल दागकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली थी, जिससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास और बढ़ा। पूरी टीम ने बेहतरीन तालमेल और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया।

जोहान बोथा का क्वींसलैंड बुल्स टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा

टिम पेन बन सकते हैं नये कोच

ब्रिस्बेन। पूर्व क्रिकेटर जोहान बोथा ने ऑस्ट्रेलियाई क्वींसलैंड बुल्स टीम के मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। बोथा दक्षिण अफ्रीका की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान रहे हैं। कोच के तौर पर बोथा का कार्यकाल एक साल और बचा था पर उन्होंने अचानक ही पद छोड़ दिया। क्वींसलैंड क्रिकेट ने कहा है कि उसने कोच के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। वहीं माना जा रहा है ऑस्ट्रेलिया के पूर्व टेस्ट कप्तान टिम पेन को नया कोच बनाया जा सकता है। पेन कोच पद के सबसे बड़े दावेदार हैं। 44 साल बोथा ने साल 2024-25 सत्र से पहले क्वींसलैंड टीम का कोच पद संभाला था। उनके नेतृत्व में क्वींसलैंड बुल्स ने पहले ही सत्र में शेफील्ड शील्ड के फाइनल में जगह बनाई थी। वहीं टीम शेफील्ड शील्ड और एकदिवसीय कप दोनों प्रतियोगिताओं में तीसरे स्थान पर रही।

भारत का पहला एआई डेटा सेंटर बनाएगी रिलायंस-मेटा

नई दिल्ली। मेटा भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी कर रही है। इस पार्टनरशिप के तहत गुजरात के जामनगर में 168 मेगावाट क्षमता का डेटा सेंटर तैयार किया जाएगा, जिसे दो साल के भीतर डिलीवर करने का लक्ष्य है। इस साझेदारी के तहत रिलायंस जामनगर में डेटा सेंटर को पूरी तरह से विकसित करेगी। रिलायंस प्रोजेक्ट के लिए डिजाइन, कंस्ट्रक्शन, यूटिलिटी मैनेजमेंट, रिन्यूएबल पावर, नेटवर्क कनेक्टिविटी और मैनेज्ड सर्विसेज सहित एंड-टू-एंड सर्विसेज देगी। रिलायंस इंडस्ट्री के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर मुकेश अंबानी ने कहा, मेटा के साथ यह साझेदारी भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए एक बदलावकारी पल है। मेटा का भारत का पहला बिल्ट-टू-सूट डेटा सेंटर बनाना यह दर्शाता है कि भारत वैश्विक एआई क्रांति में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है। जामनगर हाइपरस्केल एआई कंप्यूटिंग के लिए एक लैंडमार्क डेस्टिनेशन बनेगा। मेटा के फाउंडर और सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने कहा, हमें भारत में अपना पहला एआई-इनेबल्ड डेटा सेंटर बनाने के लिए रिलायंस के साथ काम करने पर गर्व है।

सोने, चांदी के दामों में आई नरमी

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। आज इन दोनो कीमती धातुओं के वायदा दम में गिरावट आई। खुदेखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ ले। आज सुबह सोने के वायदा भाव 1,50,200 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,35,250 रुपये के करीब थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव में कमी रही। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध आज 2,517 रुपये टूटकर 1,49,926 रुपये के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,52,443 रुपये था। इसने 1,50,290 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,49,888 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 4,519 रुपये की गिरावट के साथ ही 2,34,009 रुपये पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 2,38,528 रुपये था। यह अनुबंध 3,272 रुपये की गिरावट के साथ 2,35,256 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 2,35,657 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 2,34,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर हासिल किया। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर हासिल किया।

दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना आज 4,276.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इसका पिछला बंद भाव 4,286.40 डॉलर प्रति औंस था। एक समय यह 83.50 डॉलर की गिरावट के साथ ही 4,202.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कामकाज कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 65.20 डॉलर के भाव पर खुले। इसका पिछला बंद भाव 65.24 डॉलर था।

सूक्ष्म ऋण संस्थानों के लिए कर्ज पर क्रेडिट गारंटी योजना-2.0 की तिथि, राशि का विस्तार

नयी दिल्ली। केंद्र ने गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं को सूक्ष्म राशि के कर्ज देने के लिए बैंकों और वित्तीय संस्थानों से दी जाने वाली ऋण सहायता के लिए क्रेडिट गारंटी योजना-2.0 (सीजीएसएमएफआई-2.0) की वैधता तिथि 31 अगस्त तक बढ़ाने तथा अपेक्षाकृत बड़े कर्जों के लिए भी गारंटी देने का निर्णय किया है।इस योजना के तहत कुल 20,000 करोड़ रुपये के कर्ज के लिए गारंटी प्रावधान किया गया है।वित्त मंत्रालय ने इस स्कीम की तिथि बढ़ाने का फैसले की जानकारी देते हुए बुधवार को कहा कि गारंटी राशि का कोटा बढ़ी तिथि से पहले खत्म हो जाता है तो स्कीम वहीं समाप्त हो जाएगी।मंत्रालय ने कहा है कि इस स्कीम में बड़े आकार की गैर बैंकिग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी)- माइक्रोफाइनेंस संस्थाओं (एमएफआई) के लिए 1000 करोड़ रुपये तक के कर्ज पर गारंटी दी जा सकती है।पहले कर्ज की सीमा 300 करोड़ रुपये तक थी।कर्ज सीमा में यह वृद्धि ऐसी संस्थानों की प्रबंधनाधीन सम्पत्तियों (एयूएम) की कुल 20 प्रतिशत की सीमा के भीतर लागू होगी।सरकार का कहना है कि समय के बढ़ने तथा बड़े आकार की इकाइयों को इसके दायरे में बड़ी संस्थाओं को शामिल करने से से योजना का बेहतर उपयोग होने की संभावना है।

एयरटेल ने उत्तर भारत में लगाये 2,900 नये 5जी टावर

नयी दिल्ली। निजी दूरसंचार सेवा प्रदाता एयरटेल ने उत्तर भारत में 2,900 से अधिक नये 5जी टावर लगाने की बुधवार को घोषणा की, जिससे ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिल सकेगी।कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि उसने पिछले 12 महीने में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में ये नये 5जी टावर लगाये हैं।इस विस्तार से ग्राहकों को अधिक तेज गति, व्यापक कवरेज और बेहतर नेटवर्क अनुभव मिलेगा।कुल 77 जिलों में किये गये नेटवर्क विस्तार के माध्यम से अब 2.86 करोड़ से अधिक ग्राहकों को विश्वसनीय हाई-स्पीड कनेक्टिविटी उपलब्ध करायी जा रही है।इनमें व्यस्त महानगरों और तेजी से विकसित हो रहे कस्बों से लेकर दूरस्थ ग्रामीण गांवों तक तक के ग्राहक शामिल हैं।उपयोगकर्ता बिना किसी रुकावट के वीडियो स्ट्रीमिंग, तेज डाउनलोड, निर्बाध रिमोट वर्किंग एवं ऑनलाइन शिक्षा तथा भरोसेमंद डिजिटल भुगतान सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं।इसका फायदा आम लोगों से लेकर छात्रों, सूक्ष्म उद्यम चलाने वालों, व्यवसायों और सरकारी संस्थानों को मिलेगा।भारती एयरटेल के ऊपरी उत्तर क्षेत्र के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अनुपम अरोड़ा ने कहा पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में डेटा की मांग तेजी से बढ़ रही है।हम अपने नेटवर्क को लगातार मजबूत बनाकर इस मांग से आगे बने हुए हैं।

चावल, चीनी के दामों में आया उछाल गेहूं नरम, खाद्य तेलों, दालों में घट-बढ़

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बुधवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया।चावल के साथ चीनी भी मजबूत हुई जबकि गेहूं में नरमी देखी गयी।खाद्य तेलों और दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा।औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत चार रुपये बढ़कर 3,888 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी।गेहूं 14 रुपये सस्ता हुआ और 2,770 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।आटे की कीमत भी 19 रुपये गिर गयी।दाल-दलहनों में उड़द दाल की औसत कीमत 16 रुपये और चना दाल की पांच रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।वहीं, मूंग दाल 15 रुपये और तुअर दाल पांच रुपये सस्ती हुई।मसूर दाल भी दो रुपये प्रति क्विंटल टूट गयी।मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अगस्त का पाम ऑयल वायदा 11 रिंगिट बढ़कर 4,539 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया।जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.27 प्रतिशत की बढ़त में 75.11 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की औसत कीमत 38 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी।

सेंसेक्स 64 अंक उछला निफ्टी 27 अंक गिरा

मुम्बई।

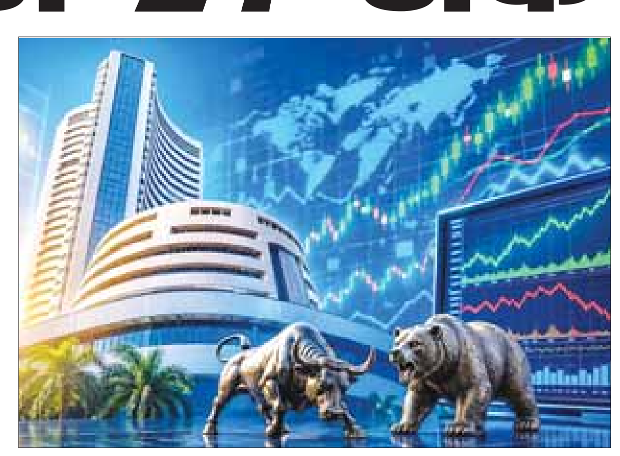

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को सपाट बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही अंतिम समय पर बिकवाली हावी होने से बाजार ने आज दिन भर में हासिल बढ़त गंवा दी। शेयर बाजार सुबह गिरावट के साथ खुला पर समय बीतने के साथ ही इसमें तेजी आने लगी। दिन में एक समय बीएसई सेंसेक्स करीब 700 अंक की बढ़त पर था पर आंखिरी घंटे में उसने ये बढ़त खो दी । जिससे बाजार बंद होते समय सेंसेक्स हल्की बढ़त पर बंद हुआ जबकि निफ्टी में गिरावट रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 64.42 अंक बढ़कर हल्की तेजी के साथ 73,983.18 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 27.15 अंक की गिरावट के साथ 23,214.95 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। आज बजाज फिनसर्व, टाइटन, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल के शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और आईटीसी के शेयर भी गिरे। वहीं निफ्टी में कोल इंडिया और ओएनजीसी के शेयरों में गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप में 1.49 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप में 1.33 फीसदी की गिरावट आई। निफ्टी मीडिया, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी रियल्टी में गिरावट रही। दूसरी ओर, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयर गिरे। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुले।

सुबह सेंसेक्स 380.76 अंक करीब 0.52 फीसदी की बढ़त के साथ ही 74,299.52 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 50 96.10 अंक तकरीबन 0.41 फीसदी चढ़कर 23,338.20 पर पहुंच गया। वैश्विक स्तर पर निवेशकों की नजर अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव पर बनी हुई है। अमेरिका और ईरान पर तनाव बढ़ने से निवेशक बाजार से दूरी बनाये हुए हैं। इसी कारण बाजार गिर रहा है।

➤ शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं पर बैठक

समय पर हो सभी कार्यों का संपादन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी की अध्यक्षता में शासकीय पं.लशंझा शासकीय मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों एवं शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, विद्यार्थियों के नामांकन, शैक्षणिक गुणवत्ता तथा निर्माण कार्यों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। समीक्षा के दौरान कक्षा 1 में नवीन प्रवेश, कक्षा 8 से 9 एवं कक्षा 10 से 11 में विद्यार्थियों के ट्रांजिशन, अपार आईडी निर्माण, एमपीटास पोर्टल आदि कार्यों की समीक्षा की गई।

➤ नेशनल हाईवे-30 पर हादसा, कार चालक फरार

पत्नी को लेने ससुराल जा रहे युवक की दर्दनाक मौत

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। नेशनल हाईवे-30 पर ग्राम मोहसाम के पास बुधवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक नवविवाहित युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि 26 वर्षीय राकेश बर्मन निवासी ग्राम सरदा अपनी पत्नी को लेने ससुराल ग्राम मोहसाम जा रहा था। इसी बीच उसकी बाइक की टक्कर एक तेज रफ्तार कार से हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि राकेश सड़क के दूसरी ओर जा गिरा और उसके सिर में गंभीर चोट लगने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया।

सशक्तिकरण की बात करने वाली भाजपा ने नारी के हकों के साथ किया कुठाराघात

कांग्रेस प्रत्याशी का नामांकन निरस्त होने पर जमकर प्रदर्शन, भाजपा पर साधा निशाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

राज्यसभा सांसद के लिए कांग्रेस की ओर से प्रत्याशी मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किए जाने के विरोध में बुधवार को

शहर जिला कांग्रेस कमेटी एवं ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में उपवास एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव की प्रक्रि या में जिस प्रकार लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक परंपराओं की अनदेखी कर मीनाक्षी नटराजन का नामांकन निरस्त किया गया है, वह लोकतंत्र पर सीधा हमला है। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। कांग्रेस पार्टी इस अन्याय और लोकतंत्र विरोधी कृत्य के खिलाफ लगातार संघर्ष करेगी तथा जनमत और संविधान की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेगी। ग्रामीण

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय यादव ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में अपनाई गई प्रक्रिया ने लोकतंत्र की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जारी रहेगी लड़ाई

उन्होंने कहा कि यह केवल कांग्रेस पार्टी का नहीं बल्कि लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हर नागरिक का विषय है। कांग्रेस पार्टी संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत है और आगे भी पूरी मजबूती के साथ अपनी लड़ाई जारी रखेगी। पूर्व मंत्री विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि मध्य प्रदेश राज्यसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ने चुनाव आयोग से किसी भी प्रकार से कोई जानकारी नहीं छिपाई जिस मामले को लेकर भाजपा ने षड्यंत्र रचा उस मामले की जानकारी हमारे प्रत्याशी द्वारा न्यायालय को दी जा चुकी है ऐसी षड्यंत्रकारी नीतियों के बावजूद कांग्रेस ना तो कभी झुकी है और ना ही आगे भी झुकेगी।

लोकतंत्र को कलंकित करने में जुटी भाजपा

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को कलंकित करने में जुटी हुई है। संविधान की आज धज्जियां उड़ रही है। आज राजनीति की स्वस्थ परंपरा की अवहेलना की जा रही है। नियम, संविधान, कानून, परंपरा भारतीय जनता पार्टी यह सबको कुछ नहीं समझती है। उन्होंने कहा कि बिल्कुल स्पष्ट था कि कांग्रेस के पास एक राज्यसभा सांसद के लिए पर्याप्त बहुमत था। जबकि भारतीय जनता पार्टी के पास दो राज्यसभा सांसद के लिए विधायकों की संख्या थी। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने गांधीवादी तरीके से निर्वाचन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान विधायक लखन घनघोरिया, कांग्रेस के नगर अध्यक्ष सौरभ शर्मा, ग्रामीण अध्यक्ष संजय यादव, कांग्रेस नेता मुकुल खम्परिया, सतीश तिवारी, महासचिव रितेश गुप्ता बंटी, महासचिव राजेश पटेल, पार्षद अयोध्या तिवारी, संतोष दुबे, मिन्टू मिश्रा सहित बड़ी तादाद में कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

20 वर्षों बाद राष्ट्रपति का रादुविवि में होगा आगमन, तैयारियां हुई तेज

36वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल करेंगे समारोह की अध्यक्षता

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आगामी 21 जून को रानी दुर्गावति विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो रही हैं। जिसको लेकर रादुविवि में अब तैयारियों का दौर तेज हो गया है।

बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय में लगभग 20 वर्षों बाद राष्ट्रपति का आगमन होने जा रहा है। राष्ट्रपति भवन द्वारा उनके इस प्रवास के लिए 1 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर हैं और आयोजन परिसर के चारों ओर व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति केवल 1 घंटे तक उपस्थित रहेंगी।

12 जून रहेगी अंतिम तिथि

समारोह की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के राज्यपाल मंगू भाई पटेल करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद रहेंगे। जिस लिए स्वर्ण पदक प्राप्तकर्ताओं एवं पीएचडी उपाधि धारकों के लिए ऑनलाइन आवेदन व पंजीयन की अंतिम तिथि 12 जून शाम 5 बजे तक निर्धारित की गई है। दीक्षान्त समारोह में विश्वविद्यालय के 141 छात्र-छात्राओं को 240 स्वर्ण पदक, 182 पीएचडी, 3 डी लिट, 1 डीएससी उपाधि एवं 1 मानद उपाधि प्रदान किया जाना प्रस्तावित है। बैठक में कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा, डॉ. रविशंकर सोनवाल, प्रो. एसएस संधू, प्रो.राकेश बाजपेयी एवं प्रो.सुरेन्द्र सिंह ने तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

संस्कृति मंत्री ने किया बुंदेली रत्न धारा पुस्तक का लोकार्पण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

बुंदेली आल्हा एवं लोकगीत गायक मिठाई लाल चक्रवर्ती मधुर द्वारा रचित पुस्तक बुंदेली रत्न धारा का लोकार्पण संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी द्वारा भोपाल स्थित उनके निवास पर किया गया। लोकगीत गायक मिठाई लाल चक्रवर्ती ने बताया कि यह पुस्तक वीर वीरांगनाओं, लोक देवी देवताओं ऋतुओं, पर्वो, पर्यावरण सामाजिक उत्सवों पर आधारित है। पुस्तक विमोचन कर संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने श्री चक्रवर्ती को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पुस्तक में परंपराओं त्योहारों एवं रीति रिवाज से संबंधित अनेक रचनाएं है, जो अलग-अलग अवसर पर गाई जाती हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर के रूप में गायन करके प्रचार प्रसार करेंगे।

यात्री आय से पमरे के राजस्व में हुई वृद्धि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पमरे के जबलपुर, भोपाल एवं कोटा मंडलों में यात्री यातायात से प्राप्त राजस्व में निरंतर वृद्धि दर्ज की जा रही है। मई 2026 में यात्री यातायात से 236 करोड़ 89 लाख रूपये ओरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 14.12 प्रतिशत अधिक है साथ ही दर्ज वृद्धि रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित लक्ष्य रूपये 228 करोड़ 93 लाख की तुलना में 3.48 प्रतिशत अधिक है। जबलपुर मंडल ने 96 करोड़, भोपाल मंडल ने 89 करोड़ 91 लाख तथा कोटा मंडल ने 50 करोड़ 98 लाख का राजस्व अर्जित किया। तीनों मंडलों के समन्वित प्रयासों एवं यात्री सुविधाओं में निरंतर विस्तार के कारण यह उल्लेखनीय उपलब्धि प्राप्त हुई है। चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम दो माह के दौरान पमरे ने यात्री यातायात से कुल 456 करोड़ 95 लाख का ऑरिजिनेटिंग राजस्व अर्जित किया है।

अग्नि सुरक्षा उपकरणों की जांच करने नगर निगम की ताबड़तोड़ दबिश

फिर 2 प्रतिष्ठान सील, नियमों की हो रही थी अनदेखी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शहर में अग्नि सुरक्षा, भवन अनुज्ञा, सुरक्षित निकासी, लाइसेंस एवं जन-सुरक्षा संबंधी नियमों के पालन को लेकर नगर निगम द्वारा निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देशानुसार लगातार निरीक्षण एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत दिवस तीन संस्थानों में गंभीर अनियमितताएं पाए जाने पर सीलिंग की कार्रवाई के बाद आज दिनांक 10 जून बुधवार को दो अन्य प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान रवि प्लास्टिक, गलगला-सराफा रोड तथा अशोक एजेंसी, मुकादमगंज में अग्नि सुरक्षा, भवन सुरक्षा, सुरक्षित आवागमन मार्ग, भवन मानचित्र एवं ट्रेड लाइसेंस संबंधी गंभीर कमियां पाई गईं। अनियमितताओं को देखते हुए दोनों प्रतिष्ठानों में संचालकों की सहमति से मौके पर तालाबंदी कराई गई। संयुक्त निरीक्षण के दौरान अग्निशमन विभाग, भवन शाखा एवं लाइसेंस शाखा द्वारा प्रतिष्ठानों की जांच की गई। जांच में पाया गया कि दोनों भवनों में अत्यधिक मात्रा में ज्वलनशील सामग्रियों का भंडारण किया गया था। साथ ही आपात स्थिति में सुरक्षित निकासी एवं आवागमन हेतु पर्याप्त मार्ग उपलब्ध नहीं थे। भवनों में अग्नि सुरक्षा हेतु आवश्यक संसाधनों की स्थापना भी सुनिश्चित नहीं पाई गई। निरीक्षण के दौरान रवि प्लास्टिक में भवन के भीतर अत्यधिक मात्रा में प्लास्टिक एवं अन्य ज्वलनशील सामग्रियों का भंडारण पाया गया। अग्निशमन विभाग की जांच में पाया गया कि भवन में सुरक्षित आवागमन एवं निकासी हेतु पर्याप्त मार्ग उपलब्ध नहीं था।

इसी प्रकार अशोक एजेंसी, मुकादमगंज के निरीक्षण में भवन के भीतर कपूर, अगरबत्ती आदि अत्यधिक ज्वलनशील सामग्रियों का भारी मात्रा में भंडारण पाया गया।

पूर्व आरक्षक सौरभ की जमानत याचिका पर मप्र हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

आरटीओ में पदस्थ रहे करोड़पति पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की जमानत अर्जी पर बुधवार को मप्र हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। अस्थायी जमानत (टेंपरेरी बेल) आवेदन पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। माना जा रहा है कि इस पर एक-दो दिन में निर्णय आ सकता है। सौरभ शर्मा ने पत्नी की सर्जरी और बच्चों की देखभाल का हवाला देते हुए जमानत अर्जी दायर की है। बता दें कि सौरभ शर्मा प्रदेश के बहुचर्चित आरटीओ भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले के मुख्य आरोपी हैं। समर वेकेशन के दौरान जस्टिस विशाल मिश्रा की एकल पीठ ने मामले की सुनवाई कर फैसला सुरक्षित रखा। इससे पहले जिला अदालत और हाईकोर्ट दोनों ही सौरभ शर्मा की नियमित जमानत याचिकाएं खारिज कर चुके हैं इस बार सौरभ शर्मा ने पत्नी दिव्या तिवारी की सर्जरी और 2 बच्चों की देखभाल को आधार बनाकर 60 दिन की अस्थायी जमानत की मांग की है। इससे पहले हाईकोर्ट ने 108 करोड़ रुपए

पत्नी की सर्जरी, बच्चों की देखभाल का हवाला देकर मांगी जमानत, फैसला सुरक्षित रखा

की संपत्ति, 51 किलो सोना और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े साक्ष्यों का हवाला देते हुए उसकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। अब हाईकोर्ट में दायर 60 दिन की अस्थायी जमानत याचिका पर फैसला आना बाकी है।

पहले जमानत याचिका हो चुकी खारिज

सौरभ शर्मा ने अपनी जमानत याचिका में कहा है कि उसकी पत्नी दिव्या तिवारी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही है। जमानत याचिका में यह भी तर्क दिया गया है कि उसके दो नाबालिक बच्चे अमीर और सुबीर पूरी तरह से अपने माता-पिता पर ही निर्वाह हैं। पत्नी के अस्पताल में भर्ती रहने और सर्जरी के बाद रिकवरी के दौरान बच्चों की देखभाल करने वाला कोई अन्य जिम्मेदार सदस्य नहीं है, इस मानवीय आधार पर उसे 60 दिन की अस्थाई जमानत दी जाए। इससे पहले जमानत याचिका पर जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सख्त टिप्पणी करते हुए याचिका को खारिज कर दिया था। अदालत ने माना था कि यहां कोई सामान्य भ्रष्टाचार का मामला नहीं बल्कि संगठित आर्थिक अपराध और मनी लांड्रिग का गंभीर प्रकरण है।

मोबाइल हैक कर खाते से उड़ा दी लाखों की रकम

जबलपुर। लार्डगंज थाने में 63 वर्षीय आनंद जायसवाल निवासी लार्डगंज ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि उसका ईडीएफसी फर्स्ट बैंक करमेता में अकाउण्ट है। उसकी मॉ कला जयसवाल व उसका ज्वाइंट अकाउण्ट बैंक आफ इंडिया में है और मॉ का यूके बैंक राईट टाउन शाखा में खाता है उसकी पत्नी माया जायसवाल का यूको बैंक राईट टाउन में खाता है। इसी नम्बर में सभी बैंक से मैसेज आते हैं किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा उसका मोबाइल हैक कर 9 से 19 मई के बीच उसके एवं उसकी मॉ कला जायसवाल एवं पत्नी माया जायसवाल के बैंक खातों से 2 लाख 13 हजार 478 रूपये आनलाईन धोखाधड़ी कर किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर लिये हैं।

व्यक्ति विकास के महत्वपूर्ण माध्यम हैं रंगमंच और भाषा

हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में हुआ विविध आयोजनों का समापन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

हितकारिणी सभा, हितकारिणी विद्या परिषद एवं विवेचना रंग मंडल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 15 दिवसीय रंगमंच कार्यशाला एवं एक सप्ताह की इंग्लिश टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन समारोह हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन में जयेश सिंह राठौर, मंत्री, हितकारिणी विद्या परिषद् के मुख्यातिथ्य में मनाया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में विवेचना रंग मंडल के अध्यक्ष नवीन चौबे, डायरेक्टर विवेक पाण्डेय, सचिव आशुतोष द्विवेदी, एवं वर्कशॉप कोऑर्डिनेटर संतोष राजपूत उपस्थित रहे। इस अवसर पर हितकारिणी विद्या परिषद् से संयोजक राजीव श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। इस 15 दिवसीय रंगमंच कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को अभिनय, संवाद अदायगी, मंच

संचालन तथा विभिन्न नाट्य विधाओं का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त कर हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन की 16 छात्राओं व महाविद्यालय उप-प्राचार्य, डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव द्वारा शहीद स्मारक में मनुष्यों का गड़रिया नामक नाटक की प्रभावशाली प्रस्तुति दी गई, जिसकी उपस्थित जनों ने सराहना की। कार्यशाला में सहभागिता करने वाली छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए ।

इंग्लिश टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का समापन

साथ ही हितकारिणी सभा द्वारा संचालित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों के लिए आयोजित इंग्लिश टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम का भी समापन किया गया । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में संयोजक अंशुता शर्मा, सहायक प्राध्यापक, हितकारिणी इंजीनियरिंग कॉलेज ने प्रशिक्षिका के रूप में शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों एवं अंग्रेजी भाषा शिक्षण के प्रभावी तरीकों का प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हितकारिणी वुमेन्स कॉलेज ऑफ एजुकेशन की प्राचार्य डॉ. सुलक्षणा त्रिपाठी ने कहा कि रंगमंच और भाषा दोनों ही व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

रंगमंच विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अभिव्यक्ति कौशल और सामाजिक संवेदनशीलता का विकास करता है, वहीं भाषा प्रशिक्षण शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से जोड़ता है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों और शिक्षकों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कार्यशाला एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु हितकारिणी सभा, हितकारिणी विद्या परिषद्, विवेचना रंग मंडल को आभार तथा सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाए प्रदान कीं। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए ऐसे आयोजनों को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय की डॉ. निरुपमा पाठक, डॉ. अलका श्रीवास्तव, डॉ. रश्मि शुक्ला, जया सामदेकर, डॉ. निधि माथुर, ऋ षभ भट्ट, लाइब्रेरियन ज्योति शर्मा एवं कार्यालयीन कर्मचारी नितिन साहू, शाश्वत गुप्ता, अविनाश लखेरा, प्रेमलता चौबे, सुमन चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**